सिनेमाघरों में फिर लौटेगा 'फ्लाइंग सिख', भाग मिल्खा भाग की री-रिलीज का एलान

रॉयल बुलेटिन

तापमान- अधिकतम- 30.00 न्यूनतम- 23.00

प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक

पुतिन दिन में बात करते हैं तो रात में बम बरसाते हैं, यूक्रेन को अमेरिका ...

◆ वर्ष 41, अंक 193 RNI No. 43285/85 ◆ संस्करण - नगर ◆ मुजफ्फरनगर, मंगलवार, 15 जुलाई, 2025 ◆ श्रावण कृष्ण 5 विक्रमी सम्वत् 2082 ◆ पृष्ठ 8+4=12 ◆ मूल्य 4 रुपया

डीजीसीए का अहम आदेश

सभी बोइंग 787 विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश में संचालित होने वाली सभी एयरलाइनों, विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों का

उपयोग करने वाली कंपनियों को अपने फ्यूल कंट्रोल स्विच की लॉकिंग मैकेनिज्म की जांच करने का निर्देश देने की योजना बनाई है। यह कदम 12 जून, 2025 को अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया विमान की भीषण दुर्घटना पर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद उठाया जा रहा है।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिहा

● आंदोलन में शामिल नहीं होने की शर्त पर शहर से बाहर छोड़ा

हरदा (एजेंसी)। करणी सेना परिवार के अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर को साथियों समेत रिहा किया गया है। शर्त ये है कि वे हरदा में किसी भी तरह के आंदोलन या प्रदर्शन में शामिल नहीं होंगे।

हरदा में सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर, कृष्णा अजय पाल, राहुल पिता भारत और नेपाल पिता विक्रम सिंह को सशर्त रिहा किया गया। रिहाई एसडीएम कुमार शानू देवड़िया की मौजूदगी में हुई। दोपहर में 50 और सदस्यों को रिहा किया गया।

शुभांशु अंतरिक्ष से रवाना...घर पर रुद्राभिषेक, आज फ्लोरिडा पहुंचेंगे

लखनऊ में पिता बोले-

● सावन पर्व चल रहा है शिवजी रक्षा करेंगे

फ्लोरिडा (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट आज 14 जुलाई की शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट 15 जुलाई दोपहर करीब 3 बजे समुद्र में उतरेगा। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। पिता बोले सावन माह चल रहा शिवजी रक्षा करेंगे।

सावन का पहला सोमवार

शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

● राजस्थान के शिव मंदिर में 151 किलो घी से अभिषेक ● काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए 1 सेकेंड का वक्त ● वाराणसी से अयोध्या तक भोले बाबा के जयकारों से गूंज रहे शिवालय

महाकालेश्वर, उज्जैन

नई दिल्ली/वाराणसी/उज्जैन/रांची/जयपुर (एजेंसी)। सावन महीने का पहला सोमवार था। सभी ज्योतिर्लिंगों के अलावा देश के छोटे-बड़े सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक जारी है। रविवार रात से ही मंदिरों के बाहर भक्तों की भीड़ जमा है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के तड़के सुबह 2.30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए थे। यहां हजारों श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे हैं। सावन महीने में यहां 80 लाख लोगों के आने का अनुमान है।

उज्जैन में प्रजा का हाल जानने निकले महाकाल, 1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

राजस्थान के जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सुबह 3 बजे भगवान भोलेनाथ का 151 किलो गाय के घी से अभिषेक किया गया है। महंत शक्ति व्यास ने बताया- 3100 किलो आम से मंदिर की सजावट की गई है। यूपी के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। रात से ही दर्शन जारी हैं। मंदिर के बाहर कांवड़ियों की 3 किमी लंबी लाइन है। बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है।

सावन के पहले सोमवार पर उज्जैन में भगवान महाकाल नई पालकी में प्रजा का हाल जानने निकले। ये पहली सवारी वैदिक उद्घोष की थीम पर निकाली जा रही है। सवारी शिप्रा नदी तक जाएगी। यहां महाकाल का पूजन किया जाएगा। इसके बाद रात करीब 7 बजे पालकी मंदिर वापस आएगी।

सवारी में भजन मंडलियों नाचते-गाते आगे बढ़ रही हैं। इससे पहले तड़के 2:30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के कपाट खोले गए थे। कपाट रात 10 बजे शयन आरती तक खुले रहेंगे। दोपहर 3 बजे तक 1 लाख 15 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे।

इधर, खंडवा के ओंकारेश्वर में सुबह 5 बजे मंगला आरती हुई। ओंकार महाराज का फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। नैवेद्य में 56 भोग अर्पित किए गए।

सुप्रीम कोर्ट बोला

केंद्र-राज्य सरकारें हेट स्पीच को रोकें, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे

हेट स्पीच के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- केंद्र और राज्य सरकारें हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन न हो।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा- लोग नफरत भरे भाषण को बोलने की आजादी समझ रहे हैं, जो गलत है। लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि सरकार को इसे नियंत्रित करने की जरूरत न पड़े।

सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें कोलकाता के वजाहत खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं। उस पर कई राज्यों में सोशल मीडिया पर नफरत और सांप्रदायिक अशांति भड़काने वाला कंटेंट पोस्ट करने के आरोप में मामले दर्ज किए गए हैं।

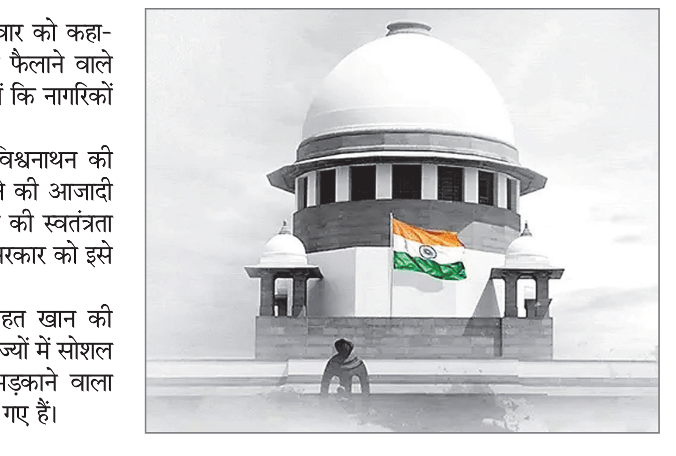

लोगों को हेट स्पीच कंटेंट को लाइक नहीं करना चाहिए

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, राज्यों और वजाहत खान के वकील से सुझाव मांगे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाए बिना हेट स्पीच को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है। कोर्ट कहा- लोगों को हेट स्पीच क्यों अटपटे और गलत नहीं लगते हैं। ऐसे कंटेंट पर नियंत्रण होना चाहिए। साथ ही लोगों को भी ऐसे नफरत भरे कंटेंट को शेयर करने और लाइक करने से बचना चाहिए।

तलाक मामले में पत्नी की कॉल रिकॉर्डिंग सबूत, ये निजता का उल्लंघन नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि पत्नी की जानकारी के बिना रिकॉर्ड कॉल को वैवाहिक विवादों में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि ऐसा करना पत्नी के निजता के अधिकार का उल्लंघन है और इसे सबूत के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जीवन में गोपनीयता का अधिकार पूरा नहीं हो सकता। इंडियन एविडेंस की धारा 122 के तहत पति-पत्नी के बीच बातचीत को कोर्ट में उजागर नहीं किया जा सकता, लेकिन तलाक जैसे मामलों में इसे अपवाद मानते हैं।

लद्दाख में एलजी

हरियाणा-गोवा में नए राज्यपालों की नियुक्ति

● कविंदर गुप्ता को केंद्र शासित प्रदेश की कमान; जम्मू कश्मीर के डिप्टी सीएम रह चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति ने हरियाणा, गोवा के राज्यपाल और लद्दाख के उपराज्यपाल बदले हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के एलजी पोस्ट से रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. बीडी मिश्रा के इस्तीफे के बाद उनकी जगह कविंदर गुप्ता को नया उपराज्यपाल नियुक्त किया है।

कविंदर गुप्ता, जम्मू-कश्मीर के एक सीनियर भाजपा नेता हैं और महबूबा मुफ्ती के मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। इनके अलावा प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा और पुसपति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

● **अशीम घोष हरियाणा के 19वें गवर्नर-** प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का 19वां राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले बंडारु दत्तात्रेय राज्यपाल थे।

● **गजपति राजू लेंगे श्रीधरन पिल्लई की जगह-** वरिष्ठ राजनेता और पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री अशोक गजपति राजू को गोवा के 19वें राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई की जगह नियुक्त किया गया है।

एलएसी पर भी विदेश मंत्री जयशंकर की खरी-खरी

● भारत को आतंकवाद बिल्कुल बर्दाश्त नहीं, पाक की मदद करने वाले चीन को दो टूक

बीजिंग (एजेंसी)। गलवान घाटी में झड़प की घटना के बाद भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर चीन पहुंचे हैं, जहां उन्होंने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस मुलाकात में जयशंकर ने चीन को आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के अच्छे संबंध पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद

हैं। शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे जयशंकर ने दोनों देशों के बीच मतभेदों को विवाद न बनने देने की बात कही।

आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति

डॉ. एस जयशंकर ने चीन में अपने समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। यह मुलाकात गलवान घाटी में हुई हिंसा के बाद पहली बार हुई। उन्होंने चीन को स्पष्ट रूप से बताया कि भारत आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करता। भारत, चीन से भी ऐसी ही उम्मीद रखता है। जयशंकर ने यह बात तब कही है जब चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की हर तरह से मदद की थी। पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को लड़ाकू विमान मुहैया कराने के साथ ही प्रॉक्सी वॉर में भी उसकी मदद की थी।

नीट यूजी के 75 छात्रों की परीक्षा दोबारा नहीं होगी

मप्र हाईकोर्ट ने याचिकाएं खारिज की

इंदौर (एजेंसी)। नीट यूजी बिजली गुल मामले में सोमवार को इंदौर हाईकोर्ट ने प्रभावित 75 से ज्यादा स्टूडेंट्स की दोबारा परीक्षा कराने संबंधी याचिकाएं खारिज कर दीं। हाईकोर्ट ने परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए की रिट अपील मंजूर करते हुए अपना फैसला सुनाया।

बिहार में बाढ़-बिजली गिरने से 13 की मौत

● राजस्थान में 7 की जान गई ● लैंडस्लाइड से चंडीगढ़-मनाली हाईवे बंद

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ/ पटना/ जयपुर (एजेंसी)। बिहार में बीते 24 घंटे में बाढ़-बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई है। बिजली गिरने से प्रदेश में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें सबसे ज्यादा 5 मौतें बांका में हुईं। वहीं, बाढ़ से गयाजी में 2, नालंदा और पटना में 1-1 व्यक्ति की मौत हुई है।

राजस्थान में भी बीते 1 दिन में बारिश की घटनाओं में 7 लोगों की मौत हो गई है। भीलवाड़ा में दो चचेरे भाइयों की बरसाती नाले में और राजसमंद में तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई। ब्यावर में कीचड़ में गिरने से बच्चे की जान चली गई। भरतपुर में बिजली गिरने से पाली में बारिश में करंट लगने से 1-1 व्यक्ति की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, अशोकनगर और गुना में बाढ़ के हालात हैं। इन जिलों के कई गांव बाढ़ में घिरे रहे।

छतरपुर में धसान नदी में पिकअप बह गई। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है। यूपी के बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। ललितपुर स्थित गोविंद सागर बांध के 17 गेट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मप्र, कर्नाटक, झारखंड, गुवाहाटी, पटना हाईकोर्ट के सीजे नियुक्त किए

नईदिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को जस्टिस संजीव सचदेवा को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया। वे यहां कार्यवाहक चीज जस्टिस थे। जस्टिस विभु बाखरू को कर्नाटक हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्ति किया है, बाखरू अभी दिल्ली कोर्ट के जस्टिस थे। जस्टिस आशुतोष कुमार को पटना हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस से हटाकर गुवाहाटी हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस बनाया है। पटना हाईकोर्ट के जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली को वहीं का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस तरलोक सिंह चौहान को झारखंड हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त किया है।

● हे भगवान! मुखाग्नि से पहले श्मशान घाट पर संपत्ति विवाद

8 बेटों की मां... 6 घंटे तक इंतजार करना पड़ा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुंगेर जिले में एक दुखद घटना सामने आई। संपत्ति के लालच में बेटों ने अपनी मां के अंतिम संस्कार में देरी कर दी। बरियारपुर थाना क्षेत्र के नया छावनी से सुदामा देवी का शव सुल्तानगंज श्मशान घाट लाया गया। लेकिन, संपत्ति के बंटवारे को लेकर बेटों में विवाद हो गया। इस वजह से अंतिम संस्कार छह घंटे तक रुका रहा। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और अंतिम संस्कार हो सका।

● **मशान घाट पर ही संपति के लिए होने लगा झगड़ा-** सुदामा देवी (84) के आठ बेटे थे। इनमें से दो बेटों का पहले ही निधन हो चुका है। बाकी छह बेटे अरुण कुमार यादव, बरुण कुमार यादव, सुनिल कुमार यादव, लाल मोहन यादव, सत्य नारायण यादव और रतन लाल यादव जीवित हैं। शनिवार की रात करीब 9:30 बजे सुदामा देवी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार के दौरान छोटे बेटे लाल मोहन यादव ने संपत्ति को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर का मायाजाल

● धर्मांतरण करने वालों को दुबई-कतर दिलाता था पनाह, एमपी गोलीकांड पर खुलासा

छांगुर बाबा हिंदू लड़कियों को मुस्लिम देश भेजता था, नसरीन से 8.5 लाख वसूलेगी सरकार

लखनऊ/बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में अवैध धर्मांतरण का बड़ा रैकेट चला रहे जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। यूपी एटीएस और प्रवर्तन निदेशालय की टीम लगातार मामले की जांच कर रही है। वहीं, 7 दिनों के रिमांड में भेजे गए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन से एटीएस की पूछताछ चल रही है। मामले में सामने आया है कि लव जिहाद का मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर धर्म परिवर्तन

करने वाले युवक-युवतियों को दुबई और कतर में पनाह दिलाता था। निकाह के बाद वह कपल को इन देशों में भेजता था। इन देशों में नीतू उर्फ नसरीन सबके रुकने का इंतजाम करती थी। नीतू को सिर्फ इसी काम के लिए वहां कुछ दिन रोका गया था। जांच एजेंसियों के सामने पूछताछ में छांगुर बाबा ने यह बात कबूली है। छांगुर गिरोह ने कुछ लड़कियों को दुबई में रोजगार भी दिलाया। वे लोग छांगुर के लिए बाद में फंडिंग भी कर रही थीं। पूछताछ में यह बात भी सामने आई है कि रुपयों के ग्लैमर में युवक-युवतियां आसानी से इस्लाम धर्म कबूल कर लेते थे।

मौलवी का बड़ा खुलासा

मधुपुर गांव के एक मौलवी का दावा है कि छांगुर अलग-अलग जिलों और नगरों में स्थित मदरसों या अपने अड्डे पर निकाह करवाता था। रजिस्ट्रेशन तहसील और जिले के अधिकारी बड़े ही गोपनीय तरीके से करते थे। ऐसे में बात हिंदू संगठनों तक नहीं पहुंच पाती थी। निकाह और रजिस्ट्रेशन के तत्काल बाद लव जिहाद वाले जोड़ों को विदेश का टिकट थमा दिया जाता था। इससे बात खुल नहीं पाती थी। पूछताछ में यह भी सामने आया कि मुंबई और दूसरे प्रदेश के धर्म परिवर्तन करने वालों को सीधे दुबई और कतर भेजा जाता था। वहीं, अन्य औपचारिकताएं पूरी की जाती थी। छांगुर ने यह बात जांच एजेंसी के सामने कबूली है।

अनमोल वचन

दरिद्र व्यक्ति वह नहीं जिसके पास धन नहीं, सुविधाएं नहीं अपितु दरिद्र व्यक्ति वह है जो कर्महीन है अर्थात जो पुरूषार्थ नहीं करता। इतना सुन्दर स्वस्थ शरीर पाकर भी कर्म से जी चुराता है, जिसने प्रभु प्रदत्त इतने मूल्यवान अंगों का श्रेष्ठ उत्पादक कर्म कर सदुपयोग नहीं किया अपितु निष्क्रिय रहकर प्रभु के इस अमूल्य वरदान का अपमान ही किया है। वही सच्चे अर्थों में दरिद्र है। दूसरे दरिद्र व्यक्ति वह है जिसके पास सुविधाएं भी हैं, सुख के संसाधन भी हैं, किन्तु जो विचारों से दरिद्र है, जिसके अन्तःकरण में कुविचारों ने डेरा जमा लिया है। व्यक्ति को अपने श्रेष्ठ दिव्यतम विचारों की अलौकिक ज्योति से दरिद्रता, कंगाली, संकीर्णता, अकर्मण्यता आदि अंधकार युक्त विचारों को छिन्न भिन्न कर देना चाहिए तथा उस दिव्य ज्योति में अपने अंदर छिपे हुए पारस रूपी गुणों के भंडार को जानने, समझने का प्रयास करना चाहिए। संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं उन्होंने बाहरी सफलताओं से महानता प्राप्त नहीं की वरन यह तो उनकी आन्तरिक सफलता का ही रहस्य था, जिसके सहारे वे ऊंचे उठे, अपना जीवन सार्थक किया और संसार के अनेक लोगों को अपने दिव्य विचारों से प्रकाशित किया।

32वें कावड़ सेवा शिविर का पांचवां दिन-ललित मोहन शर्मा की अगुवाई में शिविर में निरंतर सेवा जारी

मुज़फ्फरनगर। सावन माह के पहले सोमवार को आनंद भवन, रुड़की रोड स्थित ललित मोहन शर्मा द्वारा संचालित शिवसेना एवं क्रांति सेना का 32वां कावड़ सेवा शिविर लगातार पांचवे दिन भी पूरी भव्यता और सेवा भाव से जारी रहा। यह शिविर वर्षों से लगातार कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सेवा में समर्पित रहा है और इस बार भी जनसेवा की भावना के साथ सभी कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। ललित मोहन शर्मा शिविर में लगातार उपस्थित रहकर स्वयं सेवा कार्यों की निगरानी कर रहे हैं और किसी भी प्रकार की कमी न रहे, इसका विशेष ध्यान रख रहे हैं। शिविर में शिवसेना जिलाध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा, महिला मोर्चा शिवसेना अध्यक्ष पूनम चौधरी, शालू चौधरी, अनीता चौधरी प्रदेश सचिव, पूजा शर्मा, प्रेमलता शर्मा मंडल सचिव, सरिता शर्मा, उर्मिला, प्रमोद अग्रवाल, संजीव वर्मा, उज्ज्वल पंडित, अमित गुप्ता, राजन भाई, चेतन देव विश्वकर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। शिविर में भोजन सेवा चौबीसों घंटे चल रही है, वहीं जरूरतमंद कांवड़ियों को दवाइयों की भी सुविधा मुहैया कराई जा रही है। सेवा कार्यों में महिलाओं और छोटे बच्चों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जो श्रद्धा और समर्पण के साथ निरंतर सेवा दे रहे हैं। कांवड़ यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, शिविर में आने वाले कांवड़ियों की संख्या में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है, फिर भी शिविर की व्यवस्थाएं कांवड़ियों की सुविधा हेतु पूरी तरह तत्पर एवं सुसंगठित बनी हुई हैं।

कांवड़ शिविर का आयोजन किया

खतौली। गांव भैंसी में सावन माह के अवसर पर कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सेवा के लिए एक विशाल कांवड़ शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन ग्राम प्रधान अमित अहलावत, खतौली मंडल अध्यक्ष प्रवीन कसाना तथा ग्रामीणों द्वारा विधिवत हवन यज्ञ के साथ किया गया। यह शिविर प्रतिवर्ष हजारों शिवभक्तों की सेवा में समर्पित है। शिविर में शिवभक्तों को निशुल्क शुद्ध भोजन, पानी और विश्राम की सुविधा प्रदान की जा रही है। कांवड़ियों की यात्रा को सहज व सुलभ करने के उद्देश्य से शिविर में स्वास्थ्य सुविधाएं सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की विशेष व्यवस्था की गई है। ग्राम के सहयोग से स्थापित यह शिविर कांवड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बन गया है, जहां वे विश्राम कर अपनी अगली यात्रा के लिए ऊर्जा प्राप्त करते हैं। ग्रामीणों की सेवा भावना और आयोजकों की व्यवस्था कांवड़ यात्रा को सफल और सुविधाजनक बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

व्यापारी से 40 हजार रुपये की चोरी की

खतौली। नगर स्थित जीटी रोड पर एक्सिस बैंक के बाहर एक व्यापारी से 40 हजार रुपये की चोरी हो गई। व्यापारी राजकुमार अरोड़ा पुत्र प्यारे लाल अरोड़ा, निवासी पैठ रोड, एक्सिस बैंक में रुपये जमा कराने पहुंचे थे। जैसे ही राजकुमार बैंक के बाहर अपनी बाइक खड़ी कर रहे थे, तभी एक युवक ने उनसे बाइक हटाने को कहा। जब वह बाइक हटाने लगे, तो उसी दौरान युवक ने राजकुमार के पर्स में रखे 40 हजार रुपये चोरी कर लिए और मौके से फरार हो गया। चोरी की पूरी घटना बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने में जुटी हुई है।

पठान शारिक राना ग़मगीन माहौल में सुपुर्दे ख़ाक़

खतौली। सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक, समाज सेवा के कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेने वाले, सर सैय्यद इंटर कॉलेज के प्रबंधक, विश्व विख्यात चीतल ग्रांड के एमडी पठान शारिक राना को सोमवार प्रात गांव फुलत स्थित हज़रत शाह वली उल्लाह क़दीमी कब्रिस्तान में सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में ग़मगीन माहौल में सुपुर्दे ख़ाक़ किया गया। रविवार देर रात को मरहूम पठान शारिक राना की मैय्यत आते ही बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य लोगों ने चर्च के निकट स्थित राना अमन हाउस पहुंचकर गहरे रंजो ग़म का इज़हार करके मरहूम के ग़मगीन बेटे पठान अली राना, बड़े भाई उरूज राना, छोटे भाई बाबा राना को दिलासा दिया। सोमवार प्रात गांव फुलत स्थित जमीयतुल शाह वली उल्लाह मदरसे के आहते में मरहूम पठान शारिक राना के जनाज़े की नमाज़ मुफ्ती खलीलुर्रहमान मुजफ्फरनगर ने पढ़ाई। तत्पश्चात मरहूम पठान शारिक राना को शाह वली उल्लाह क़दीमी कब्रिस्तान में सुपुर्दे ख़ाक़ किया गया। नगर पालिका चेयरमैन हाजी शाहनवाज़ लालू, वक्फबोर्ड कमेटी सचिव नासिर अंजुम एडवोकेट, शिव कुमार अरोड़ा एडवोकेट, अब्दुल समद एडवोकेट, राजेंद्र विश्वकर्मा, पूर्व विधायक नवाज़िश आलम, पूर्व विधायक नूरसलीन राना, डॉ नईम इकबाल, हज़रत हाफ़िज़ अजीजुर्रहमान फुलत, हाफ़िज़ सरवर, वसीम अहमद प्रधान फुलत, चौधरी गजेन्द्र अहलावत पूर्व प्रधान, सरदार वीरेंद्र सिंह मान बिल्लू, पूर्व पालिका चेयरमैन कन्हैया जैन, सपा नेता हाजी इकबाल, भाजपा नेता मदन छाबड़ा, हाजी शौकत अली, आफ़ाक पठान, अहतशाम गुड्डू, काज़ी नबील अहमद, तासीर हसन, चौधरी देवेंद्र सिंह ढोलू, स सतपाल सिंह पाली, स इक़बाल सिंह काके, हाफ़िज़ इब्राहिम खलील, कांग्रेसी नासिर सिद्दीकी, डॉ मंसूर उल हक़, हाजी इज़हार अहमद, मुबशशिर हाशमी, असद जमाल, ज़ईम हसन क़ादरी, सैय्यद मोहम्मद नईम, डॉ एस हसन, आज़ाद नासिर प्रिंसिपल सर सैय्यद इंटर कॉलेज, काज़ी नईम एडवोकेट आदि ने पठान शारिक राना के इंतिक़ाल पर गहरे रंजो ग़म का इज़हार करके मरहूम की मग़फ़िरत के लिए दुआ की है।

श्रावण के प्रथम सोमवार को शिवभक्तों ने शिवालयों में किया जलाभिषेक

मोरना। पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार क्षेत्र के शिव मंदिरों में सुबह सवेरे श्रद्धालुओं ने भगवान शिवशंकर का जलाभिषेक किया व पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस बल मौजूद रहा। मोरना क्षेत्र के ग्राम ककराला स्थित प्राचीन सिद्धपीठ जुड़ेश्वर महादेव मन्दिर में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को श्रद्धा और आस्था के साथ सुबह सवेरे श्रद्धालुओं की कतार जलाभिषेक के लिये लग गयी। हर हर महादेव के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं ने शिव पिण्डी पर जलाभिषेक किया। ककराला, मोरना, अथाई आदि गाँव के महिला व पुरुषों ने जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा बेलपत्र, धूप आदि अर्पित किये। क्षेत्र के गाँव वजीराबाद स्थित प्राचीन वनखंडी महादेव शिव मन्दिर में वजीराबाद व छछरौली के ग्रामीणों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। फिरोजपुर में स्थित प्राचीन व प्रसिद्ध नीलकण्ठ महादेव मन्दिर में भारी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। शुकतीर्थ, फिरोजपुर व शुक्रतारी के ग्रामीणों ने नीलकंठ महादेव मन्दिर में जलाभिषेक किया कस्बा भोकरहेडी बाजार स्थित शिव मंदिर व शेरों वाले मंदिर में श्रद्धालुओं ने मनोकामना सिद्धि व परिवार की खुशहाली के लिये प्रार्थना की।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन से मिलता है मोक्षः पं. जगमोहन भारद्वाज

मुज़फ्फरनगर। गांधीनगर स्थित श्री श्यामा श्याम मंदिर में आयोजित शिवपुराण कथा में आज कथावाचक पं. जगमोहन भारद्वाज ने भक्तों को शिव महिमा का महत्व बताते हुए कहा कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कथा में उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु के अवतार नर और नारायण ने बद्रीनाथ धाम में घोर तप किया, जो भगवान विष्णु का निवास स्थल है और बैकुंठ के नाम से भी प्रसिद्ध है। यही नर और नारायण द्वापर युग में अर्जुन और श्रीकृष्ण के रूप में अवतरित हुए।

उन्होंने समुद्र मंथन की कथा का वर्णन करते हुए बताया कि जब समुद्र से विष निकला तो भगवान शिव ने उसे ग्रहण कर लिया, जिससे वे नीलकंठ कहलाए। उन्होंने आगे कहा कि राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं का विवाह चंद्रदेव से हुआ, परन्तु चंद्रदेव केवल रोहिणी से प्रेम करते थे। इससे क्रोधित होकर दक्ष ने चंद्रदेव को शाप दे दिया। ब्रह्मा जी के निर्देश पर चंद्रदेव ने भगवान शिव की तपस्या की। प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें वरदान दिया और स्वयं उस शिवलिंग में वास करने लगे, जो आज सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के नाम से पूजनीय है।

कथा आयोजन में डॉ. श्रीपाल, संतोष देवी, योगेंद्र सिंह, हरीश गोयल, ललित अग्रवाल, पं. हंसराज भारद्वाज, सुदेश देवी, पप्पू पाल, शीला देवी एवं हरपाल सिंह आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समन्वय सेवा समिति के कार्यकर्ता हरीश गोयल ने किया।

कांवड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को लेकर प्रशासन सतर्क

खतौली। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। मंगलवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने कांवड़ क्षेत्र में कांवड़ यात्रा मार्ग और व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और एसएसपी अभिषेक सिंह ने गंग नहर पर तैनात की गई नाव व्यवस्था की भी समुचित जांच करते हुए नाव में बैठकर गंग नहर की धारा का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि नहाने के दौरान किसी भी कांवड़िए के डूबने की कोई घटना न होने पाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम खतौली राजकुमार भारती, सीओ खतौली रामाशीष यादव, नायब तहसीलदार अमित रस्तोगी, प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा, आनंद पाल सिंह, इंजीनियर सुभाष चंद्र पालिका अधिशासी अधिकारी राजीव गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगनहर में नहा रहे युवक की बाईक चोरी

खतौली। सोमवार को गंगा नहर पर नहाने आए एक युवक की बाइक अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। युवक जगमोहन निवासी गांव मुलहेड़ी अपने परिवार के साथ खतौली आधार कार्ड बनवाने आया था। कार्य के बाद वापसी के दौरान वह गंगा नहर पर अपने बच्चों के साथ नहाने के लिए रुका। उसने अपनी बाइक गंगा नहर पर लगे सीसीटीवी कैमरे के पास खड़ी कर दी और परिवार सहित नहर में नहाने चला गया। जब वह वापस आया तो उसकी बाइक मौके से गायब मिली। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पीड़ित ने चोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पीड़ित का कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो पीड़ित परिवार न्याय के लिए उच्चाधिकारियों से भी गुहार लगाएगा।

लेखपाल की आत्महत्या पर नाराजगी, लेखपाल संघ का धरना, मुख्यमंत्री के नाम सोपा ज्ञापन

जानसठ। जानसठ तहसील में लेखपाल संघ ने सोमवार को एक दिवसीय धरना दिया। धरना हापुड़ के धौलाना तहसील में एक लेखपाल की आत्महत्या के विरोध में था। लेखपाल संघ ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

सोमवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा जानसठ के अध्यक्ष प्रवीण कुमार एवं सचिव रविंद्र सैनी के आह्वान पर तहसील में प्रदर्शन के दौरान लेखपालों ने जमकर नारेबाजी की। राजस्व और चकबंदी के लेखपाल मौजूद रहे। धरने के बाद लेखपाल संघ ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। लेखपालों का कहना है कि हापुड़ में अधिकारियों की प्रताड़ना के कारण एक लेखपाल ने आत्महत्या की। इस घटना से लेखपाल समुदाय में आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, यह मांग भी रखी। उन्होंने हापुड़ में हुई घटना की जांच कराए जाने की मांग भी की है। लेखपालों ने इस हृदय विधायक घटना की निंदा करते हुए शोक सभा भी की। धरने में मुख्य रूप से प्रवीण कुमार, रविंद्र सैनी, आदेश कुमार, सुरेश कुमार भारती चौहान आदि लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक सुक्रमपाल, खलील अहमद आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने जलभराव की समस्याओं से ईओ को कराया अवगत

खतौली। रेलवे रोड पर जलभराव की समस्या से आक्रोशित लोगों ने भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष प्रवीण ठकराल के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार का घेराव कर समस्या से निजात दिलाने की मांग की।

रेलवे रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि जानसठ रोड स्थित भाटिया मेडिकल के बराबर से गुर्जर कॉलोनी होकर बह रहे बड़े नाले को बन्द किए जाने से रेलवे रोड पर जलभराव की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। इस नाले से बारिश का पानी बहकर आवास विकास कॉलोनी की ओर जाकर जी टी रोड के नाले में गिरता था। नाले को अतिक्रमण के चलते बंद कराकर नाली निर्माण कराया जा रहा है। प्रदीप शर्मा ने नाले को बन्द करने में पालिका कर्मचारियों की मिलीभगत होने की आशंका व्यक्त करके नाला अविलंब खुलवाए जाने की मांग की। उल्लेखनीय है कि जिस बेशकीमती ज़मीन पर कॉलोनी का निर्माण करके रेलवे रोड की जल निकासी के एक मात्र स्रोत नाले को बन्द किया गया है, उसके कभी शत्रु संपत्ति होने की कस्बेवासियों में चर्चा रही है। कस्बेवासियों के अनुसार अभी ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब इस कॉलोनी के स्थान पर बड़ा जलाशय हुआ करता था।

चर्चा है कि जिस जमीन पर कॉलोनी का निर्माण किया गया है, उस ज़मीन पर मालिकाना हक रखने वाला परिवार देश के बटवारे के समय पाकिस्तान चला गया था। लोगों का मानना है कि यदि तहसील के भूलेखों को खंगाला जाए तो इस ज़मीन के मालिकाना हक का दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

कांग्रेसियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

खतौली। पोल खोल पदयात्रा के माध्यम से भाजपा सरकार की कमियों को उजागर करने पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य कांग्रेसियों के विरुद्ध वाराणसी पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज करने के विरोध में कस्बे के कांग्रेसियों ने तहसील में प्रदर्शन करके महामहिम राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन एसडीएम राजकुमार भारती को सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष योगेश खारी एडवोकेट ने कहा कि प्रदेश सरकार दुर्भावना से कार्य कर रही है। यही कारण है कि सरकार के निकम्मेपन की पोल खोलने का अभियान चलाए जाने से घबराकर भाजपा सरकार कांग्रेस नेताओं के दमन पर उतर आई है। योगेश खारी ने कहा कि कांग्रेसी भाजपा सरकार के दमन के आगे झुकने वाले नहीं हैं। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करने के लिए कांग्रेस पार्टी की पोल खोल पदयात्रा निरंतर जारी रहेगी। महामहिम राष्ट्रपति को भेजे गए ज्ञापन में कांग्रेसियों ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध दर्ज किए गए मुकदमे को अविलंब समाप्त कराए जाने की मांग की है। एसडीएम राजकुमार भारती को ज्ञापन देने वालों में जफर महमूद, नारायण सिंह गुर्जर, मिंटू त्यागी, बाबूराम कसाना ब्लॉक अध्यक्ष जानसठ, दिलशाद सिद्दीकी नगर अध्यक्ष खतौली, असगर जैदी नगर अध्यक्ष जानसठ, नवाब सिंह एडवोकेट ब्लॉक अध्यक्ष खतौली, मास्टर सरताज, प्रीत कुमार उपाध्याय, इमरान त्यागी, नीरज पंडित, स प्रीतम सिंह सिद्धू, सरदार बिट्टू, नरेंद्र आदि कांग्रेसी शामिल रहे।

भाजपा नेता ने पानी की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त कराए जाने की मांग

खतौली। कस्बे की मंडी गौशाला के आगे बरसात का पानी जमा होने से आक्रोशित भाजपा नेता पुनीत अरोड़ा ने पानी की निकासी व्यवस्था को दुरुस्त कराए जाने की मांग पालिका परिषद से की है। पुनीत अरोड़ा के अनुसार ज़रा सी बारिश होते ही गौशाला के सामने स्थित सड़क पर जलभराव हो जाता है।

बीते शनिवार को हुई बारिश से गोशाला के सामने हुआ जलभराव दो दिन बीत जाने के बावजूद समाप्त नहीं हुआ है। जिसके चलते गौशाला के आस पास निवास करने वाले परिवारों का जीवन नारकीय बन गया है। हालात में जीवन जीने को मजबूर हैं। गौशाला के आगे जलभराव होने से राहगीरों और स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों का पैदल तक चलना दुश्वार हो गया है। पुनीत अरोड़ा ने कहा कि पालिका परिषद द्वारा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त ना किए जाने से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पुनीत अरोड़ा ने गौशाला के सामने स्थित सड़क पर होने वाली जलभराव की समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग पालिका परिषद से की है।

15 वर्षीय किशोर का शव मिला, परिजनों में मचा कोहराम

खतौली। बीते शुक्रवार को गंग नहर में डूबे 15 वर्षीय छात्र चित्रांश पुत्र विष्णु निवासी गांव वाजिदपुर हाल निवासी कस्बे की बालाजीपुरम कॉलोनी का शव रविवार देर रात को गंग नहर के सरधना पुल के नीचे से बरामद होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। जानकारी के अनुसार बीते शुक्रवार को गंग नहर में नहाने के दौरान 15 वर्षीय छात्र चित्रांश पानी में डूब गया था। तभी से परिजन पुलिस और गोताखोरों की मदद से चित्रांश की गंगनहर में तलाश कर रहे थे। बताया गया कि रविवार देर रात को चित्रांश का शव सठेडी पुल के नीचे पानी में ऊपर आते ही कोतवाल बृजेश कुमार शर्मा ने घाट पर तैनात पीएसी के गोताखोरों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पीएसी के गोताखोरों ने शव का पीछा करना शुरू कर दिया। बताया गया कि पीएसी के गोताखोरों के पहुंचने से पहले ही पानी का तेज बहाव होने के चलते शव सलावा झाल से भी आगे निकल गया। बताया गया कि पुलिस ने पीछा करके गंग नहर के सरधना पुल के नीचे चित्रांश का शव पानी से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पोस्टमार्टम पश्चात परिजनों ने चित्रांश का गांव वाजिदपुर स्थित श्मशान में अंतिम संस्कार कर दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कांवडिये की मौत

खतौली। क्षेत्र के भगोला बाईपास पर कांवड़ यात्रा से लौट रहे एक शिवभक्त को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अजय (उम्र 21 वर्ष), पुत्र ओमप्रकाश, निवासी पवलव (हरियाणा) गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि अजय हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहा था और जैसे ही वह भगोला बाईपास पर पहुंचा, अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और राहगीरों ने तुरंत एम्बुलेंस को बुलाया, जिसकी प्राथमिक उपचार के लिए खतौली के सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

वीएसपी पीजी कॉलेज में विदाई एवं स्वागत समारोह आयोजित

कैराना। कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सैन्य विज्ञान के हेड ऑफ डिपार्टमेंट रहे डॉ. भूमेश कुमार विगत दिनों सेवानिवृत्त हो गए। वहीं, शिक्षा शास्त्र विषय के प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र कुमार विकल, अंग्रेजी की प्राध्यापिका डॉ. रीनू, अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका डॉ. आँचल यादव, सैन्य विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. विपुल सिंह एवं भौतिकी विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. योगेंद्र कुमार कॉलेज से अलग-अलग जगहों पर स्थानांतरित हुए है। इसके अलावा, महाविद्यालय में अध्ययनरत एम.ए. अंग्रेजी के तीस छात्र-छात्राओं ने भी इस वर्ष अपना विषय पूर्ण कर लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय में सेवानिवृत्त व स्थानांतरित प्राध्यापकों तथा एम.ए. अंग्रेजी के छात्र-छात्राओं के विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र पाल सिंह ने की, जबकि छात्र-छात्राओं के विदाई समारोह का नेतृत्व अंग्रेजी विषय की हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. नीतू त्यागी ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. डॉली एवं डॉ. नीतू त्यागी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित प्राध्यापकों ने अपने सेवाकाल के मधुर अनुभव साझा किए। साथ ही, एक-दूसरे को शुभकामनाएं ज्ञापित की। वहीं, महाविद्यालय में नवनियुक्त भौतिकी विषय के प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. हरेंद्र, डॉ. उत्तम, डॉ. संदीप, डॉ. रमेश यादव, डॉ. दीपक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय स्टाफ के बृजपाल, मसीचरण व नीरज का सराहनीय योगदान रहा।

सावन स्पेशल ट्रेन में चैन स्नैचरों का आतंक, महिला के कान से तोड़े सोने के कुंडल

शामली। हरिद्वार से वाया शामली होते हुए दिल्ली जाने वाली सावन स्पेशल ट्रेन में चैन स्नैचर का आतंक देखने को मिला है। कांधला थाना क्षेत्र के गांव मखमलपुर निवासी महिला कविता अपने परिजनों के साथ गंगा स्नान कर उक्त ट्रेन से वापस लौट रही थी। बताया जाता है कि जैसे ही ट्रेन सहारनपुर जिले के टपरी रेलवे स्टेशन पर पहुंची पहुंची तो दो युवक महिला के पास आकर खड़े हो गए। जैसे ही रेल चलनी शुरू हुई तो उक्त युवकों ने महिला के एक कान से कुंडल तोड़ लिया। जब तक कोई कुछ समझ पाता तब तक दोनों युवक चलती ट्रेन से कूद कर फरार हो गए। वही इस झपट मारी के दौरान महिला घायल हुई है। वही पीड़ित महिला द्वारा उक्त मामले को लेकर कोई पुलिस कार्रवाई नहीं की गई है। वही ट्रेन में हुई झपट मारी की घटना से यात्रियों में असुरक्षा का माहौल है।

जहां ट्रेन में भारी भीड़ के बीच दो चैन स्नैचर ने एक महिला के कान से सोने का कुंडल तोड़ लिया और चलती ट्रेन से कूद कर फरार हो गए। वही झपट मारी के दौरान महिला का कान लहुलुहान हो गया और उसने शोर मचाया, लेकिन जब तक झपट मार फरार हो चुके थे। हालांकि महिला द्वारा उक्त मामले में कोई पुलिस कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं ट्रेन में सरेआम झपट मारी किए जाने से यात्रियों में डर का माहौल है। मामला हरिद्वार से सुबह 4:00 बजे चलकर वाया शामली होते हुए दिल्ली जाने वाली सावन स्पेशल ट्रेन का है।

पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि०
अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मण्डल, मुजफ्फरनगर
ई-निविदा सूचना
निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. 18/EUDC MZN/2025-26, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-जानसठ के कार्यक्षेत्र में जमा योजना के सापेक्ष कराये जाने वाले कर्य रनिंग कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर, प्रपत्र शुल्क – रू0 1180, धरोहर राशि – रू 8000
2. 19/EUDC MZN/2025-26, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-सिविल लाईन के कार्यक्षेत्र में जमा योजना के सापेक्ष कराये जाने वाले कर्य रनिंग कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर, प्रपत्र शुल्क – रू0 1180, धरोहर राशि – रू 8000
3. 20/EUDC MZN/2025-26, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-टाउन हाल के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त वितरण परिवर्तक को बदलने का कार्य, प्रपत्र शुल्क – रू0 1180, धरोहर राशि – रू 2000
4. 21/EUDC MZN/2025-26, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-सिविल लाईन के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त वितरण परिवर्तक को बदलने का कार्य, प्रपत्र शुल्क – रू0 1180, धरोहर राशि – रू 2000

ई-निविदा की अंतिम तिथि : 14 अगस्त 2025, 12:00 बजे

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाए वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जाएंगी।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆**अनिल रॉयल**

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

● नशा छुडाएं ● बवासीर भगाएं ● सफेद दाग हटाएं

खोई हुई ताकत व जवानी दोबारा प्राप्त करें।

शराब छुड़ाएं
शराबी को लाने/बताने की जरूरत नहीं
जर्दा, गुटका, तम्बाकू, स्मैक, अफीम, डोडे (पोस्त), नोरफीन, मोरफीन, कैप्सूल प्रोक्सीवान, कोरैक्स, फैंसीडिल, हैरोइन, मैथाडोन व धूम्रपान से पक्का छुटकारा (असर पहले ही दिन)

बवासीर भगाएं
बिना इंजेक्शन/आपरेशन
बाल घने सफेदी, सीकरी, झडना, टूटना बंद, लम्बाई मनचाही
सफेद दाग, मिर्गी, मधुमेह
का पक्का आयुर्वेदिक इलाज (समयः सुबह 10 से 5 बजे तक)
मिलें : हर रोज
शंकर दवाखाना
(भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड) नक्कालों से सावधान
गली पान, दाल मंडी, मुजफ्फरनगर ✆ 0131-2432326, 9719442124
नजला, खांसी, दमा, सांस, गठिया बाय, लिकोरिया, पेट के रोग, पतला होने, सेहत बनाने, सुखमय विवाहित जीवन हेतु देसी इलाज के परामर्श के लिए मिले।

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

मंगलवार 15 जुलाई 2025, पृष्ठ-3

मुठभेड़ में संजीव जीवा गैंग के शूटर शाहरुख पठान को किया ढेर

मुख्तार अंसारी गिरोह से भी था जुड़ा, मेरठ एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया

मुजफ्फरनगर। पश्चिम उत्तर प्रदेश के सबसे कुख्यात गैंगस्टरों में शामिल संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा के शूटर शाहरुख पठान को मेरठ एसटीएफ ने मुजफ्फरनगर जिले के छपार थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के मुठभेड़ में मार गिराया। शाहरुख न केवल जीवा गैंग से जुड़ा हुआ था, बल्कि वह मुख्तार अंसारी गैंग के लिए भी सुपारी पर हत्याएं करता था। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि वांछित अपराधी शाहरुख पठान किसी वारदात की फिराक में है। छपार थाना क्षेत्र के बिजोपुरा तिराहे और रोहाना मार्ग पर एसटीएफ ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देख शाहरुख ने पुलिस पर 10 से ज्यादा राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शाहरुख पठान मुजफ्फरनगर के खालापार मोहल्ला का निवासी था और अपराध की दुनिया में लंबे समय से सक्रिय था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, उसके खिलाफ लूट, हत्या, रंगदारी व अवैध हथियार रखने जैसे 12 से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। वह वर्षों से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था और फरार चल रहा था। एसटीएफ ने मौके से एक कार, तीन पिस्टल, एक 9 एमएम की देसी पिस्टल और 60 से अधिक कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारी अब उसके मोबाइल और संपर्कों की जांच कर रहे हैं, ताकि उसके नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके। एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार ने पुष्टि की कि यह मुठभेड़ पूरी तरह से सूचना आधारित कार्रवाई थी। उन्होंने कहा, यह कार्रवाई माफियाओं और संगठित अपराध के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है। इस मुठभेड़ से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय अपराधियों को बड़ा संदेश गया है।

फर्जी आधार-मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के चार शातिर गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश कर चार शातिर अभियुक्तों–जिशाद उर्फ बिलाल, रिजवान, सुशील, और सद्दाम–को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ग्राम रसूलपुर गढी में जिशाद उर्फ बिलाल के मकान पर छापेमारी कर 48 फर्जी आधार कार्ड, 40 मतदाता पहचान पत्र, 66 फर्जी मार्कशीट, 16 ट्रांसफर सर्टिफिकेट, और अन्य कूटरचित दस्तावेज बरामद किए। इसके अलावा, प्रिंटर, कंप्यूटर, मॉनिटर, और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने कबूल किया कि वे नौकरी के लिए फर्जी दस्तावेज बनाकर मोटी रकम कमाते थे। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने पुलिस लाइन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में इस गिरोह का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गिरोह फर्जी मार्कशीट, पहचान पत्र, और ट्रांसफर सर्टिफिकेट बना रहा है। इस सूचना के आधार पर एसपी देहात, सीओ जानसठ, और इंस्पेक्टर मीरापुर की संयुक्त टीम ने छापेमारी की, जिसके दौरान इस गिरोह का पर्दाफाश हुआ। बरामद सामग्री में विभिन्न यूनिवर्सिटी और स्कूलों की फर्जी मार्कशीट और ट्रांसफर सर्टिफिकेट शामिल हैं। इसके साथ ही दस्तावेज बनाने में उपयोग होने वाले कंप्यूटर, प्रिंटर, और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे पिछले एक साल से यह अवैध कार्य कर रहे थे और इस दौरान उन्होंने लगभग 10 लाख रुपये कमाए। एसएसपी ने बताया कि अभियुक्त सुशील जन सुविधा केंद्र में काम करता है और वह पहले भी फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने सभी अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की गहन जांच कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस की सक्रियता और अपराध पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि ऐसे अपराधों को रोका जा सके।

खेत पर गये मजदूर की अचानक मौत

मोरना। खाइखेड़ा गांव मे खेत मे कार्य कर रहे मजदूर की तबियत अचानक बिगड गयी। जिसके बाद उसे जानसठ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव खाईखेड़ा निवासी 48 वर्षीय अब्दुल रऊफ मजदूरी का कार्य करता था। सोमवार को वह गांव के जंगल मे मजदूरी पर खेती का कार्य कर रहा था। की अचानक उसकी तबियत बिगड गयी। आनन फ़ानन मे अब्दुल रऊफ को जानसठ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी द्वारा विपरीत आशंका जताने पर पुलिस द्वारा शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक अपने पीछे पत्नी अंजुम सहित एक पुत्री शमा व पांच पुत्र आसिफ, आदिल, उवेस, अयान, फरहान को छोड़ गया है। पत्नी अंजुम दो वर्षो से तीन बच्चों शमा, अयान व फरहान को लेकर मुज़फ्फरनगर शहर मे रह रही है। अंजुम द्वारा पति की मौत का कारण भिन्न होने की आशंका जताई गयी, जिसके बाद पुलिस द्वारा पंचनामा लिखकर शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है।थानाध्यक्ष जोगेन्द्र सिंह ने बताया की मामले मे कोई तहरीर आदि प्राप्त नहीं हुई है। मृत्यु का कारण पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा जिसके बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जायेगी।

कांवड़ यात्रा में नाम-भेष बदलकर चोरी करने वाले 5 अभियुक्त गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा 2025 को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस पूरी तरह सतर्क है। मुजफ्फरनगर पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया है। इसी अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस ने कांवड़ सेवा शिविरों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए एक चोरी के गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जो नाम और भेष बदलकर कांवड़ सेवा शिविरों में आराम कर रहे यात्रियों के कीमती सामान जैसे मोबाइल, पर्स और पैसे चुराने की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस को लगातार सूचनाएं मिल रही थीं कि कांवड़ मार्ग और सेवा शिविरों के आसपास कुछ संदिग्ध युवक घूम रहे हैं, जिनकी गतिविधियां संदेहास्पद हैं। 14 जुलाई 2025 को रविवार देर रात, थाना सिविल लाइन पुलिस को मीनाक्षी चौक के पास एक विशाल कांवड़ सेवा शिविर के आसपास संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पांच संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान ये युवक अपनी पहचान और उपस्थिति का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। कड़ाई से पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने कबूल किया कि वे कांवड़ मेले के दौरान नाम और भेष बदलकर कांवड़ सेवा शिविरों में आराम कर रहे यात्रियों के कीमती सामान चुराते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सुहैल उर्फ चौकस उर्फ शेरखान, उम्र 22 वर्ष, निवासी लहबावाला, थाना खतौली; आसिफ पुत्र अफजल, उम्र 20 वर्ष, निवासी लहबावाला, थाना खतौली; अफसार?त्र शब्बीर, उम्र 24 वर्ष, निवासी शाहबुद्दीनपुर रोड, थाना खतौली; शाहिद पुत्र नसरुद्दीन, उम्र 20 वर्ष, निवासी कुशा मंडी, थाना नई मंडी; और आबिद पुत्र महमूद, उम्र अज्ञात, निवासी योगेंद्र पूरी, थाना सिविल लाइन के रूप में हुई है। मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा ने पुलिस लाइन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में बताया, कांवड़ मेले के दौरान चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और हमारी सर्विलांस टीम कांवड़ मार्ग और सेवा शिविरों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में जुटी है। इस अभियान के तहत पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जो कांवड़ यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने सभी अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मुजफ्फरनगर पुलिस कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर सक्रिय है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। इस कार्रवाई को कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मीनाक्षी स्वरूप ने डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण, नाले का निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने शहर में जल निकासी और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए किए गए विकास कार्यों की कड़ी में सोमवार, 14 जुलाई 2025 को दो वार्डों में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से तैयार आठ सीसी सड़कों और एक नाले का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप, भाजपा संगठन के पदाधिकारी, सभासद, और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और गौरव स्वरूप ने सभासदों व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शहरवासियों को विकास की सौगात देने और जनसमस्याओं को समझने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। वार्ड संख्या 17 के कूकड़ा में मीनाक्षी स्वरूप और राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने पांच सीसी सड़कों और लगभग 30 मीटर लंबे नाले के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि इस नाले के निर्माण से कूकड़ा की तीन बस्तियों को बेहतर जल निकासी का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पालिका के विभिन्न मदों से प्राप्त 80 लाख रुपये की लागत से ये विकास कार्य पूरे किए गए हैं। पालिका विस्तारित क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, और यह प्रयास उसी दिशा में एक कदम है। इस दौरान उन्होंने स्थानीय सभासदों और नागरिकों से क्षेत्र की समस्याओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित शास्त्री, महामंत्री सुशील गोयल, सभासद प्रशांत गौतम, नवनीत गुप्ता, अनुज कुमार, सभासद पति ललित कुमार, विजय प्रजापति, लोकेश बंसल, विपिन कुमार, शिवकुमार, और अन्य कार्यकर्ता व वार्डवासी उपस्थित रहे। इसके बाद, वार्ड संख्या 26 में मीनाक्षी स्वरूप और गौरव स्वरूप ने घास मंडी, ब्रह्मपुरी, और अंसारी रोड लिंक मार्ग पर 65 लाख रुपये की लागत से बनी तीन सीसी सड़कों का लोकार्पण किया। स्थानीय नागरिकों ने सभासद देवेश कौशिक के नेतृत्व में पालिकाध्यक्ष का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान भाजपा नई मंडी मंडल अध्यक्ष प्रवीण खेड़ा, सभासद प्रशांत गौतम, रविंद्र चौधरी, आदेश गौतम, प्रमोद त्यागी, दिनेश पुंडीर, प्रदीप त्यागी, संजय त्यागी, शैल कौशिक, सीमा शर्मा, अलका गर्ग, माला सिंघल, रंजना शर्मा, विनोद शर्मा, और अन्य नागरिक मौजूद रहे। लोकार्पण के बाद, मीनाक्षी स्वरूप और गौरव स्वरूप अंसारी रोड पर जनसंपर्क करते हुए नावल्टी चौराहे पर पहुंचे और वहां ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया। उन्होंने दुकानदारों से बातचीत कर जल निकासी की समस्याओं को समझा और उनके सुझाव मांगे। मीनाक्षी स्वरूप ने कहा, हम शहरी जल निकासी को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कृतसंकल्प हैं। इसके लिए एक वृहद कार्ययोजना पर काम चल रहा है। हम व्यापारियों से अपील करते हैं कि नालों पर अतिक्रमण न करें और उनमें थर्माकोल, प्लास्टिक वेस्ट, या पॉलिथीन जैसा कचरा न डालें। इस दौरान सभासद देवेश कौशिक, सभासद पति शोभित गुप्ता, भाजपा नेता प्रवीण खेड़ा, और अन्य संगठन पदाधिकारी व स्थानीय दुकानदार मौजूद रहे।

योगी के रामराज्य में रावण बना कांवड़िया, महिलाओं के सम्मान का दिया अनोखा संदेश

मुजफ्फरनगर। श्रावण मास के पहले सोमवार को कांवड़ यात्रा अपने चरम पर पहुंच गई है। हरिद्वार से लेकर मुजफ्फरनगर तक शिवभक्तों का जनसैलाब उमड़ा हुआ है। इस विशाल यात्रा में आस्था, भक्ति और भव्यता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। शिवभक्त जहां विविध वेशभूषा में कांवड़ उठाए नजर आ रहे हैं, वहीं एक कांवड़िया सबका विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा है–जो लंकेश रावण के रूप में यात्रा कर रहा है। यह अनोखा कांवड़िया है मूलचंद त्यागी, जो हरिद्वार से दिल्ली के बुराड़ी तक रावण के वेश में पदयात्रा कर रहा है। उसकी पोशाक, चाल-ढाल और वाणी पूरी तरह से रावण की झलक देती है। भीड़ में यह कांवड़िया लंकेश की तरह गर्जना करता है और शिवभक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मीडिया से बातचीत में मूलचंद त्यागी ने बताया कि, रावण कोई राक्षस नहीं था, बल्कि वह शिव का परम भक्त और महान विद्वान था। सतयुग में उसने तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया। सीता हरण के बावजूद उसने कभी उनके सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी। रावण के रूप में कांवड़ यात्रा कर रहे इस भक्त ने कलयुग के समाज पर तीखा संदेश देते हुए कहा कि आज कई 'छद्म रावण' समाज में मौजूद हैं, जो महिलाओं का शोषण करते हैं। उनका मकसद भोलेनाथ से प्रार्थना कर ऐसे लोगों को सद्बुद्धि दिलाना है और समाज को यह याद दिलाना है कि महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है। यह संदेश और उसका अनोखा रूप लोगों को सोचने पर विवश कर रहा है कि रावण जैसे चरित्र को सिर्फ नकारात्मक नजरिए से नहीं, बल्कि एक शिवभक्त और विद्वान रूप में भी देखा जा सकता है।

6 साल की उम्र में कंधे पर कांवड़ , 100 किमी की यात्रा पर निकला माही

मुज़फ्फरनगर पहुंचकर बोला- भोले बाबा दे दो एक छोटा सा घर

मुजफ्फरनगर। सावन के पवित्र महीने में भोलेनाथ की भक्ति में डूबे भक्तों की आस्था के कई रूप देखने को मिलते हैं, लेकिन रविवार को शिव चौक, मुजफ्फरनगर पर एक 6 वर्षीय मासूम ने जो दृश्य रचा, उसने हर किसी को भावुक कर दिया। दिल्ली के कल्याणपुरी निवासी कक्षा दो में पढ़ने वाला माही अपने पिता पवन सिंह और बड़े भाई के साथ कंधे पर 10 लीटर की कलश कांवड़ लिए हरिद्वार से दिल्ली के लिए रवाना हुआ। माही का कहना है कि वह भगवान भोलेनाथ से अपने परिवार के लिए एक पक्के घर की प्रार्थना कर रहा है। हम किराए के मकान में रहते हैं। मुझे अपना घर चाहिए, मासूम माही ने भोले भाव से कहा। पहली बार कांवड़ यात्रा पर निकले माही की श्रद्धा और संकल्प देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। मुजफ्फरनगर में शिव चौक पर रुककर माही ने मीडिया से बातचीत में बताया, यह मेरी पहली कांवड़ है। पापा और भैया के साथ हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकला हूं। भोलेनाथ से एक ही विनती है कि हमें किराए के मकान से मुक्ति मिल जाए और अपना घर मिल जाए। इस मासूम श्रद्धालु की यह यात्रा सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि एक परिवार की उम्मीद, संघर्ष और भक्ति का प्रतीक बन गई है।

कांवड़ यात्रा के चलते 16-23 जुलाई 2025 तक सभी स्कूल-कॉलेज बंद

मुजफ्फरनगर। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा 2025 के दौरान मुख्य मार्गों पर यातायात प्रतिबंध और भीड़ को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जनपद के सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार ने जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में 16 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों, डिग्री कॉलेजों, डायट, और तकनीकी संस्थानों में अवकाश की घोषणा की गई है। इस अवधि में सभी सरकारी और गैर-सरकारी शिक्षण संस्थानों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्राचार्यों और प्रधानाचार्यों को चेतावनी दी गई है कि यदि कोई संस्थान इस अवकाश के दौरान खुला पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह निर्णय कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों और स्थानीय निवासियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

भोले के दर पर 'इंसाफ' की गुहार

मंदिर की ज़मीन पर OYO और ठेका, कांवड़ यात्रा में युवक ने उठाई आवाज़

मुज़फ्फरनगर। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर शिवभक्तों की टोलियां मुज़फ्फरनगर पहुंचने लगी हैं। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ रहे हैं। इसीक्रम में एक अनोखा मामला सामने आया, जब एक कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालु ने भगवान शिव से मंदिर की जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मनोकामना की। शिवभक्त भोले दीपक ने बताया कि मेरठ के अनूपनगर में स्थित 107 साल पुराना शिव मंदिर, जिसे उनके परदादा ने बनवाया था, उस पर दबंगों ने कब्जा कर लिया है। दीपक के अनुसार, 2005 में मंदिर के केयरटेकर के वारिसों ने जमीन को अवैध रूप से बेच दिया, जिसके बाद वहां OYO होटल, विवाह मंडप, शराब का ठेका और कई दुकानें बना दी गईं। भोले दीपक ने कांवड़ यात्रा के माध्यम से शासन-प्रशासन से मांग की है कि मंदिर की पवित्र भूमि को कब्जा मुक्त किया जाए और वहां पुनः मंदिर या धार्मिक स्थल का निर्माण हो, ताकि उसकी पवित्रता बनी रहे और वे वहां सेवा कर सकें।

स्वामी कल्याण देव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, समाज सेवा और शिक्षा पर हुई चर्चा

मुजफ्फरनगर। वीतराग शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देवजी महाराज की 21वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी पॉलिटेक्निक संस्थान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आंदोलनकारी मास्टर विजय सिंह ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत यज्ञ आयोजन से हुई, जिसमें उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने स्वामीजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्वामीजी के प्रेरणादायक जीवन, समाज सेवा और शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान पर गहन चर्चा हुई। मास्टर विजय सिंह ने कहा कि स्वामी कल्याण देव जी के सामाजिक और शैक्षिक योगदान पर व्यापक अनुसंधान की आवश्यकता है। उन्होंने अत्यंत गरीब परिवार में जन्म लेकर, जीवन की कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाया। उन्होंने बताया कि स्वामीजी ने 300 से अधिक शिक्षण संस्थाएं स्थापित कीं–हाई स्कूल, इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक आदि–जहाँ सभी वर्गों के बच्चे समान अवसरों के साथ शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा को कभी व्यवसाय नहीं बनने दिया, और उनकी सभी संस्थाओं में सरकारी दर की फीस निर्धारित है। स्वामी जी को पद्मश्री और पद्म विभूषण जैसे राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए थे। ठाकुर राजेंद्र सिंह पुंडीर (राजपूत महासभा अध्यक्ष) ने कहा कि स्वामी कल्याण देव जी जीवन भर समाज के उत्थान में लगे रहे। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा में योगदान देना चाहिए। ठाकुर अशोक सिंह (पूर्व चेयरमैन, कोऑपरेटिव बैंक) ने उन्हें ईश्वरीय शक्ति से युक्त बताया और कहा कि स्वामी जी जहाँ भी गए, वहाँ शिक्षण संस्थान की नींव पड़ गई। डॉ. सतीश आर्य ने स्वामीजी के कार्यों को अनोखा और प्रेरणादायक बताया और यज्ञ अनुष्ठान का आयोजन भी कराया। इस अवसर पर डॉ. अश्वनी आर्य, दीपक कुमार, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

बिहार की बेटियों को 'स्थानीय' आरक्षण, नीतीश कुमार का चुनावी मास्टरस्ट्रोक

बिहार में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसद आरक्षण देने का निर्णय महत्त्वपूर्ण कदम था। मगर अब इस प्रावधान को राज्य की मूल निवासियों तक ही सीमित कर देने का फैसला किया गया है। राज्य के स्थायी नागरिकों के हितों के मद्देनजर यह निस्संदेह बड़ी पहल है। खासतौर से तब जबकि कुछ महीने बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं।कहा जा सकता है कि राज्य सरकार के अगुआ ने नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था के जरिए राजनीतिक संदेश दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले भी साइकिल बांटने से लेकर नौकरियां देने तक में महिला वोट बैंक का विशेष ध्यान रखते रहे हैं। शराबबंदी का फैसला भी उनकी दूरदर्शी नीति का ही हिस्सा था। इससे महिलाओं के बीच उनकी सियासी जमीन मजबूत हुई। हालांकि, अब महिला आरक्षण को एक दायरे में सीमित करने का उनका दांव कितना कारगर होगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सवाल है कि नीतीश कुमार की इस पहल से क्या राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के सत्ता में आने के दावे की धार कमजोर होगी? गौरतलब है कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी कहा है कि उनकी सरकार बनी, तो वे अधिवास नीति लागू करेंगे।दरअसल, बिहार में अधिवास नीति लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। कुछ दिनों पहले युवाओं ने भी सड़क पर उतर कर यह मांग उठाई थी। वहीं सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना हो रही थी कि उसने शिक्षकों की भर्ती के दौरान अधिवास नीति लागू नहीं की, जिस कारण अन्य राज्यों से आए उम्मीदवारों को फायदा मिला।माना जा रहा है कि इस आलोचना की काट के लिए महिला आरक्षण पर नया दांव खेला गया। हालांकि सरकार के ताजा निर्णय से राज्य से बाहर की महिलाओं को नौकरियों में आरक्षण नहीं मिल पाएगा। मगर जब राजनीति में नफा-नुकसान की बात आती है, तो वाजिब तर्क को भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। अगर सभी राज्य ऐसा करेंगे, तो योग्य अभ्यर्थियों के लिए अवसर कम होते जाएंगे।

भोपाल की सड़कों पर गड्ढे राष्ट्रीय आकर्षण बने हुए हैं. मध्य प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गड्ढों को सड़कों की क्वालिटी में खराबी नहीं मानते बल्कि वह तो ऐसा कहते हैं कि जब तक सड़कें हैं, तब तक गड्ढे रहेंगे. साल छ- महीने के भीतर बनी सड़कों में जब गड्ढे हो जाते हैं तो यह सड़क पर करप्शन की परतें उजागर करते हैं। कोई साल नहीं जाता जब बारिश के बाद सड़कों के यही हाल नहीं होते हो. सड़क, बिजली, पानी किसी भी सरकार का बुनियादी दायित्व होता है लेकिन शहरों में इसी का रोना रहता है. बातें स्मार्ट सिटी की होती हैं. उसके लिए बड़ी मात्रा में जनधन भी खर्च किया जाता है. सपना भी दिखाया जाता है, लेकिन जमीन पर कोई बदलाव दिखाई नहीं पड़ता है। जब से भोपाल राजधानी बनी है तब से अतिक्रमण हटाने की बातें की जाती है.

ड्रेनेज का रोना, मेट्रोपॉलिटन का सपना

(सरयूसुत मिश्रा)

राजधानी में जल जाम है. सड़कों पर गड्ढे आम हैं. नालों पर दुकान मकान हैं. झुग्गियों में वोट के मुकाम हैं. जरा सी बारिश में शहर लावारिस हो गया है लेकिन सेंट्रल विस्टा की ख्वाहिश और मेट्रोपॉलिटन के सपने की बारिश बन गया सरकारों का काम है..!!

स्मार्ट सिटी की बातें क्या तकलीफों की रातें बन जाएंगी? हर बारिश सपने धुल जाते हैं फिर भी इसकी सौदागरी रुकती नहीं है. प्रशासनिक अक्षमता का 90 डिग्री ओवर ब्रिज जैसी प्लानिंग शहर के चप्पे चप्पे पर देखी जा सकती है. सुधार की उम्मीदें टूटती जा रही हैं।

भोपाल की सड़कों पर गड्ढे राष्ट्रीय आकर्षण बने हुए हैं. मध्य प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री गड्ढों को सड़कों की क्वालिटी में खराबी नहीं मानते बल्कि वह तो ऐसा कहते हैं कि जब तक सड़कें हैं, तब तक गड्ढे रहेंगे. साल छ- महीने के भीतर बनी सड़कों में जब गड्ढे हो जाते हैं तो यह सड़क पर करप्शन की परतें उजागर करते हैं। कोई साल नहीं जाता जब बारिश के बाद सड़कों के यही हाल नहीं होते हो. सड़क, बिजली, पानी किसी भी सरकार का बुनियादी दायित्व होता है लेकिन शहरों में इसी का रोना रहता है. बातें स्मार्ट सिटी की होती हैं. उसके लिए बड़ी मात्रा में जनधन भी खर्च किया जाता है. सपना भी दिखाया जाता है, लेकिन जमीन पर कोई बदलाव दिखाई नहीं पड़ता है। जब से भोपाल राजधानी बनी है तब से अतिक्रमण हटाने की बातें की जाती है. झुग्गी मुक्त,,आवास युक्त योजना पर करोड़ों रुपए खर्च भी किए गए लेकिन अतिक्रमण घटने के बदले बढ़ते चले गए. मजबूरी के कारण बनने वाली झुग्गियां अब तो व्यवसाय का मॉडल बन गई. झुग्गियां बनाकर गरीबों को बेची जाती है।

शहरी नदियां और नाले गटर में बदल गए हैं. कहीं भी जगह दिखी कि, उन पर कब्जा हो जाता है. कई मामले तो ऐसे भी दिखते हैं, जहां सरकारों ने बाकायदा निर्णय कर निर्माण कराए हैं।

शहरीकरण मजबूरी बन गया है. रोजगार के लिए पलायन होता है. सबको आवास कल्याणकारी सरकारों का दायित्व है. लेकिन कागजों और बातों में तो बड़े वायदे किए जाते हैं लेकिन जमीन पर सब नदारद होता है।

राजधानी भोपाल का दुर्भाग्य देखिए कि, अभी तक वहां का मास्टर प्लान नहीं बना है. सीवेज नेटवर्क और ड्रेनेज सिस्टम की एक बारिश में ही सांसे फूल जाती हैं. प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है. पेड़ काटे जा रहे हैं. कंक्रीट के जंगल खड़े किये जा रहे हैं. ट्रैफिक मैनेजमेंट अनमेनेजेड है. शहरी परिवहन की व्यवस्था लगभग नगण्य है।

बिना मास्टर प्लान के रियल स्टेट जो भी विकास कर रहा है, उसमें मिडिल क्लास रहने को मजबूर है. कई बार तो उसे बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिलती. जब मुख्य सड़कों की हालत यह है, तो फिर कॉलोनियों में आने जाने की सड़कों की तो कोई बात ही नहीं है. भीड़ बढ़ती जा रही है लेकिन सियासत इसे ही अपना जरिया बना लेती है. वोट की खातिर शहर को बदसूरत बनाया जाता है।

कोई भी सरकार हो या मुख्यमंत्री हो उसे भविष्य का सपना तो दिखाना ही पड़ता है. वर्तमान की कमियों को सुधारना आसान नहीं होता. इसलिए भविष्य के सपने में भरमाए रखना, सियासी नीति हो जाती है. मंत्रालय के पास प्रशासनिक भवन के लिए सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की घोषणा की गई है. जब घोषणा की गई है तो बनेगा भी लेकिन इससे राजधानी में कोई बुनियादी बदलाव आने की क्या कोई संभावना है? कंस्ट्रक्शन का बाय-प्रोडक्ट करप्शन बन गया है. कोई भी कंस्ट्रक्शन करप्शन के बिना केवल फिल्मों में सोचा जा सकता है।

मध्य प्रदेश सरकार विधानसभा के इसी सत्र में मेट्रोपॉलिटन एक्ट लाने की बात कर रही है. इसके लिए मध्य प्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव में विचार विमर्श का दावा किया जा रहा है. शहरी विकास के नए अध्याय की इसे शुरुआत बताया जा रहा है. राज्य के मुख्यमंत्री अखबारी विज्ञापन में दावा कर रहे हैं कि, मध्य प्रदेश के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है. इससे बढ़ती नगरीय जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी. समृद्ध और विकसित शहर प्रदेश के समावेशी विकास की आधारशिला बनेंगे।

सरकारी भाषा में नए अध्याय की शुरुआत और आधारशिला जैसे शब्द अपने अर्थ खो चुके हैं. हर सरकार इन्हीं शब्दों का उपयोग करती है. सरकार एक सतत प्रक्रिया है लेकिन पुरानी गलतियों या नीतियों पर बिल्कुल बात नहीं की जाती. बात नए अध्याय से शुरू होती है. जैसे ही सरकार में बदलाव आता है, वैसे ही यह अध्याय अपने आप समाप्त हो जाता है. यह प्रवृत्ति विकास की दिशा को ही भटका देती है।

आज मेट्रोपॉलिटन रीजन का सपना बेचा जा रहा है. यह सपना बिना मास्टर प्लान के कैसे पूरा होगा? यह कोई नहीं बताना चाहता. मास्टर प्लान क्यों रुका हुआ है? दशकों से बिना मास्टर प्लान राजधानी कैसे विकसित हो रही है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? इस पर ना कोई सवाल है और ना ही कोई जवाब है.।

जहां सरकारों की कोई भूमिका नहीं होती, वहां भी विकास की एक स्वाभाविक गति होती है. परिवार बढ़ते हैं तो लोग नए घर भी बनाते हैं. नए रोजगार भी तलाशते हैं. और उनको पाने में किसी सरकार का कोई रोल नहीं होता. फिर भी विकास का यह स्वभाविक क्रम चलता रहता है।

मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन नए-नए सपनों से ही कुछ नहीं होगा. जो खामियां हैं, जो कमियां हैं उनको कब और कैसे दूर किया जाएगा? अब तो ऐसा लगने लगा है कि, बड़े शहर प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने लगे हैं. मेट्रोपॉलिटन रीजन का एक्ट पास भी हो जाएगा तो उसके लिए जो भी काम होगा, उसमें जनधन की आवश्यकता होगी।

जब वर्तमान में ही शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर की जरुरत पूरी करना मुश्किल हो रहा है, तो फिर नए एरिया में इनके विकास के लिए धन कहां से लाया जाएगा? विकास में निरंतरता का अभाव है. सामूहिकता से ज्यादा व्यक्तिवादी सोच और सपना विकास प्रक्रिया पर हावी दिखाई पड़ता है।

पुराना बचाइए और साथ ही नया बनाइये. जब बुनियाद ही कमजोर होगी तो फिर नया भी इसी बुनियाद पर खड़ा होगा. फिर भविष्य में नई शुरुआत का सपना दिखाया जाएगा. जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो. अच्छे काम को पुरुस्कृत किया जाए और गलती के लिए दंड मिले, तभी वर्तमान चमकेगा. इसी चमक से भविष्य की चमक बढ़ेगी. केवल सपने से परिणाम नहीं मिल पाएंगे।

पूरी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है मुस्लिम आबादी, ईसाई घट रहे, हिंदू आबादी स्थिर

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट हाउ द ग्लोबल रिलीजन लैडस्कैप चैंज फार्म 2010 एण्ड 2020 ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है।

अक्सर कहा जाता है कि भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या में तेज वृद्धि हो रही है लेकिन अब जो आंकड़े सामने आये हैं वह दर्शा रहे हैं कि पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी में सबसे तेज वृद्धि हो रही है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि अगर यही रुझान जारी रहे तो 2050 तक मुस्लिम और ईसाई आबादी लगभग बराबर हो सकती है और 2070 के बाद मुस्लिम जनसंख्या ईसाइयों से आगे निकल सकती है। यह परिवर्तन न केवल सांख्यिकीय रूप से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी पूरे विश्व को प्रभावित करेगा।

हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट हाउ द ग्लोबल रिलीजन लैडस्कैप चैंज फार्म 2010 एण्ड 2020 ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला धार्मिक समुदाय मुस्लिम समुदाय है। रिपोर्ट के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या में हुई वृद्धि ने अन्य सभी धर्मों को पीछे छोड़ दिया है।

रिपोर्ट कहती है कि 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़ी, जोकि अन्य सभी धर्मों की सम्मिलित वृद्धि से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 23.9 प्रतिशत से बढ़कर 25.6 प्रतिशत हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से युवा आबादी और उच्च प्रजनन दर के कारण हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2010 में ईसाई वैश्विक आबादी का 30.6 प्रतिशत थे, जो 2020 में घटकर 28.8 प्रतिशत रह गए। इस गिरावट का मुख्य कारण था धार्मिक त्याग, जिसमें खासतौर पर लोग पश्चिमी देशों में ईसाई धर्म को छोड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक हिंदू आबादी लगभग 1.2 अरब हो गई है (2010 में 1.1 अरब थी), यानी 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि हिंदुओं का वैश्विक प्रतिशत 15 प्रतिशत से मामूली घटकर 14.9 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं की प्रजनन दर वैश्विक औसत के अनुरूप है और धर्मांतरण की दर भी बहुत कम है। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक दुनिया के 95 प्रतिशत हिंदू भारत में रहते हैं।

इसके अलावा, 'नो-रिलिजन' वर्ग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक रूप से असंलग्न लोगों की संख्या 270 मिलियन बढ़कर 1.9 अरब हो गई है और इनका वैश्विक हिस्सा 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो गया है। वहीं प्रमुख धर्मों में केवल बौद्ध धर्म की आबादी 2010 की तुलना में 2020 में कम रही। 2010 में बौद्ध वैश्विक जनसंख्या का 4.9 प्रतिशत थे, पर 2020 में यह घट गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हिंदुओं की आबादी 2010 के 80 प्रतिशत से घटकर 2020 में 79 प्रतिशत हो गई है। वहीं भारत में मुस्लिम आबादी 2010 के 14.3 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 15.2 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि भी मुख्य रूप से प्रजनन दर और युवा जनसंख्या के कारण है, न कि धर्मांतरण से। हालांकि भारत में मुस्लिमों की यह वृद्धि अन्य दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में धीमी है, पर फिर भी यह एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय परिवर्तन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में दुनिया की कुल मुस्लिम आबादी में से 35 प्रतिशत मुसलमान 15 वर्ष से कम आयु के थे। उल्लेखनीय है कि इतनी युवा जनसंख्या होने के कारण जन्म दर अधिक बनी रहती है, जिससे आबादी तेजी से बढ़ती है। साथ ही मुस्लिम महिलाओं की औसत प्रजनन दर अन्य धार्मिक समुदायों की तुलना में अधिक है। इससे मुस्लिम जनसंख्या की प्राकृतिक विकास दर भी अधिक होती है। साथ ही, रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों में धर्म छोड़ने वालों की संख्या और अन्य धर्मों से इस्लाम अपनाने वालों की संख्या लगभग बराबर है। यानी धार्मिक स्विचिंग का असर नगण्य है, जिससे शुद्ध जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म के कारण होती है। इसके अलावा, रिपोर्ट के मुताबिक केवल 1त्न वयस्क ही अपने जन्मजात धर्म से अलग होकर अन्य धर्म अपनाते हैं, विशेष रूप से हिंदू और मुसलमान, इन दोनों समुदायों में धर्म-परिवर्तन की दर अत्यंत कम है।

बहरहाल, पीई2 रिसर्च की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आने वाले दशकों में विश्व की धार्मिक जनसंख्या संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि मुस्लिम आबादी में तेज़ वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, ईसाई समुदाय के समक्ष चुनौतियाँ बढ़ेंगी, खासकर यूरोप और अमेरिका में। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदू समुदाय वैश्विक रूप से स्थिर रहेगा, परंतु भारत के भीतर उसके अनुपात में धीरे-धीरे गिरावट संभव है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रिपोर्ट न केवल जनसांख्यिकी विश्लेषण, बल्कि नीति-निर्धारण, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक सहिष्णुता के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लाल सागर के रास्ते तेजी से बढता गजवा-ए-दुनिया

लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाकर अपनी तानाशाही का परचम फहराने वाले इस संगठन के पास बुर्कान श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइल, कुद्स-1 क्रूज मिसाइल, अल-मंदब-1 एंटी-शिप मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली सैय्यद-2सी मिसाइल, ड्रोन, विस्तारित-रेंज वाले मानव रहित यूएवी, स्कड, ओटीआर-21 तोचका मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर, एयर डिफेंस सिस्टम, एस 358 मिसाइल, रॉकेट मिसाइल, राडर से चलने वाली मिसाइल, यूएस एमक्यू-9 रीपर ड्रोन, एयर-लॉन्च स्टैंड-ऑफ मुनिशन, बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स, थाक्यूब 1, थाक्यूब 2, थाक्यूब 3 सहित जमीन से हवा में, हवा से हवा में तथा हवा से जमीन में मार करने वाली बेहद खतरनाक मिसाइलों सहित एयर डिफेन्स सिस्टम आदि का भण्डार है जिसमें निरंतर इजाफा होता जा रहा है।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

दुनिया के अनेक राष्टों ने आतंकवादियों आड लेकर अपने देश में अघोषित सैनिकों की एक सशक्त शाखा स्थापित कर रखी है जिसके पास आधुनिक हथियार, नवीनतम तकनीक और असीमित संसाधन हैं। वर्तमान में ईरान के माध्यम से यमन की धरती पर हूती विद्रोहियों के नाम का एक ऐसा ही संगठन विकसित राष्टों तक को धमकाने में लगा है। लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाकर अपनी तानाशाही का परचम फहराने वाले इस संगठन के पास बुर्कान श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइल, कुद्स-1 क्रूज मिसाइल, अल-मंदब-1 एंटी-शिप मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली सैय्यद-2सी मिसाइल, ड्रोन, विस्तारित-रेंज वाले मानव रहित यूएवी, स्कड, ओटीआर-21 तोचका मिसाइल, रॉकेट लॉन्चर, एयर डिफेंस सिस्टम, एस 358 मिसाइल, रॉकेट मिसाइल, राडर से चलने वाली मिसाइल, यूएस एमक्यू -9 रीपर ड्रोन, एयर-लॉन्च स्टैंड-ऑफ मुनिशन, बी -2 स्टील्थ बॉम्बर्स, थाक्यूब 1, थाक्यूब 2, थाक्यूब 3 सहित जमीन से हवा में, हवा से हवा में तथा हवा से जमीन में मार करने वाली बेहद खतरनाक मिसाइलों सहित एयर डिफेन्स सिस्टम आदि का भण्डार है जिसमें निरंतर इजाफा होता जा रहा है। अनेक राष्ट पर्दे के पीछे से इस आतंकी संगठन को हथियार, तकनीक और साधन मुहैया करा रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि पाकिस्तान से ईरान को मिलने वाली परमाणु हथियारों की तकनीक, सहयोग और पदार्थों से निर्मित होने वाले अनेक अतिघातक शस्त्र भी हूती के पास पहुंच गये हैं जिनका उपयोग इजरायल एवं उसके सहयोगी देशों पर किया जा रहा है। इस आतंकवादी संगठन का प्रमुख अब्दुल मलिक अल-हूती तो खुलेआम आतंक के नाम पर दुनिया को धमकाने में लगा है। वर्तमान में लाल सागर से होकर गुजरने वाले जहाजों को अपने ट्रैकिंग सिस्टम पर स्वयं को मुसलमान होने तथा इजरायल से कोई संबंध न होने का संदेश प्रसारित करना पड रहा है। सूत्रों की मानें तो इस्लाम का आतंक चरम सीमा पर पहुंचाने की गरज से हूती सहित अन्य इस्लामिक आतंकी संगठनों ने एक साथ मिलकर गजवा-ए-दुनिया के ख्वाब को पूरा करने के लिए कमर कस ली है। आश्चर्य होता है कि अमेरिका की चौधराहट भी इस्लामिक आंतकवाद के सामने आत्मसमर्पण की मुद्रा में आ जाती है।

परमाणु क्षमता की दम पर आतंकियों को संरक्षण देने वाला पाकिस्तान आज अमेरिका का सबसे चहेता बना हुआ है। विश्वबैंक से कर्जा दिलवाने से लेकर उसे राजनैतिक संरक्षण देने तक में ट्रंप कार्ड की भागीदारी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। गाजा के हालातों पर मानवीय संवेदनाओं की आड लेकर हमास का कवच बनने वाले राष्टों को वहां के निवासियों का आतंकी प्रेम जानबूझकर नहीं दिख रहा है। वहां के निवासियों के सामने उनके बीबी-बच्चों की मौत हो रही है परन्तु वे अपनी कट्टरपंथी मानसिकता का प्रमाण देते हुए हमास को बेनकाब नहीं होने दे रहे हैं। आतंकियों को अपने आंचल में छुपाये बैठे हैं। जब अपहरित इजरायलियों को तडफा तडफा कर मौत दी जा रही थी तब वहां के निवासी जश्न मनाते रहे। मानवता को कफन में लपेटा जाता रहा और वे ठहाके लगाते रहे। किन्तु जब कट्टरवादियों के जिस्मों पर कफन लपेटा जाने लगा तब उन्होंने हमास को सुरक्षित रखने के साथ-साथ अपने लिए मानवता का नारा बुलन्द किया। जब विश्व स्वास्थ्य संगठन के लोग हमास के साथ मिलकर आंतक फैलाने में सहयोग कर रहे थे तब मानवता की परिभाषा को अर्थहीन बना दिया गया था। कट्टरता परोसने वाली जमातें अब पैसों की दम पर हथियार, हथियारों की दम पर आतंक और आतंक की दम पर सल्तनत हासिल करने में लगीं हैं। लाल सागर होकर गुजरने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों ने हूती के आतंक को सलाम करने के लिए खुद को मुसलमान और सुरक्षा के लिए इजरायल से संबंध न होने की घोषणायें करना शुरू कर दीं है।

वह दिन दूर नहीं जब हथियारों के सामने गैर मुसलमानों को कलमा पढने के लिए मजबूर किया जायेगा, जबरन निकाह के कबूलनामे पर दस्तख़त करवाये जायेंगे और कराया जायेगा आंतक के साये तले इस्लाम का नारा बुलंद। पाकिस्तान से आने वाले वहां के अघोषित सैन्य अधिकारियों ने जिस तरह से पहलगाम में धर्म पूछकर हत्यायें की थी उसी तरह से लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों को भी हूतियों की जमातों के सामने इजरायल विरोधी और मुसलमान होने के प्रमाण देने होंगे। ऐसा न कर पाने की स्थिति में उन्हें तडफ-तडफ कर मरने के लिए तैयार रहना होगा। यह सब अल्लाह को नहीं मुल्ला को मंजूर है। ऐसे मुल्लाओं की तादात में दिन-ब-दिन इजाफा होता जा रहा है। दुनिया के कोने-कोने से गैर मुसलमानों पर हो रहे जुल्मों की दस्तानें सुनाई दे रहीं हैं। वहां की सरकारें कानों में तेल डाले बैठीं हैं। अन्तर्राष्टीय मानवाधिकार संगठन मौन हैं। आतंकियों के जुल्मों को मुस्लिम सम्प्रदाय खुलकर समर्थन दे रहा है। न्याय, मानवता और संवेदनाओं को हलाल कर चुके लोगों के सामने बहता खून, गूंजती चीखें और तडफते जिस्म ही उनका जश्न-ए-मुबारक बन चुका है। हजारों की संख्या में इस्लामिक आतंकी संगठनों ने दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। सशक्त राष्ट भी निजी स्वार्थों के लिए आस्तीन में सांप पालने की होड में शामिल हैं। ऐसे में हूती के फरमान पर सिर झुकारने वाले जहाजों ने आतंकियों के हौसलों को बुलंद करना शुरू कर दिया है।

मेरठ एसटीएफ ने मुजफ्फरनगर में संजीव जीवा गैंग के शूटर को मार गिराया

मेरठ। पश्चिम उत्तर प्रदेश का कुख्यात गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी जीवा के शूटर शाहरुख पठान को मेरठ एसटीएफ ने मुजफ्फरनगर में हुई मुठभेड़ में मार गिराया है। शूटर शाहरुख पठान यूपी के कुख्यात मुख्तार अंसारी गिरोह से भी जुड़ा हुआ था। वह मुख्तार अंसारी गिरोह के लिए भाड़े पर हत्या करता था। शूटर और एसटीएफ की मुठभेड़ देर रात छपार क्षेत्र में बिजोपुरा तिराहे पर हुई। मुजफ्फरनगर में मेरठ एसटीएफ को देर रात बड़ी कामयाबी मिली। मेरठ एसटीएफ काफी समय से शूटर शाहरुख पठान के पीछे लगी हुई थी। शूटर शाहरुख पठान गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी जीवा और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी गिरोह के लिए काम करता था। शूटर शाहरुख पठान मुजफ्फरनगर के खालापार का रहने वाला था। एसटीएफ से घिरने के बाद शूटर शाहरुख पठान ने दस से अधिक राउंड फायरिंग की। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में शूटर शाहरुख पठान ढेर हो गया। एसटीएफ के एसपी ब्रजेश कुमार ने बताया कि शूटर शाहरुख पठान पर एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे। एसटीएफ ने मौके से तीन पिस्तौलें और 60 से अधिक कारतूस और एक कार बरामद की है। पुलिस ने शाहरुख पठान के पास से एक 9 एमएम की देसी पिस्तौल भी बरामद की है। एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार ने बताया कि एक सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कार सवार बदमाश की घेराबंदी की थी। मुठभेड़ में मुजफ्फरनगर जनपद के थाना खालापार के मोहल्ला खालापार निवासी शाहरुख पठान मारा गया। उससे देसी पिस्टल सहित तीन पिस्टल व 50 से अधिक कारतूस बरामद हुए।

मेरठ में स्कूल बस की टक्कर से पांच कांवड़ियां घायल, बस में तोड़फोड़

मेरठ। मेरठ में एक स्कूल बस की टक्कर से पांच कांवड़ियां घायल हो गए हैं। बताया जाता है कि स्कूल बस के ड्राइवर ने कांवड़ियों को साइड मारी। इससे गुस्साए कांवड़ियों ने स्कूल बस में जमकर तोड़फोड़ कर दी। गनीमत थी कि हादसे के दौरान स्कूल बस में कोई बच्चा नहीं था। अगर ऐसा होता तो बड़ी घटना हो सकती थी। घटना के बाद कांवड़ियों ने जमकर उत्पात मचाया। घटना थाना सदर बाजार क्षेत्र के कैंट बोर्ड अस्पताल के सामने की है। एक स्कूल बस ने सड़क पर जा रहे कांवड़ियों को साइड मार दी। इस दौरान पांच कांवड़ियां घायल हो गए। घायल सभी कांवड़ियां गाजियाबाद जिले के रहने वाले हैं। हादसे से गुस्साएं कांवड़ियों ने बस में तोड़फोड़ कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को रफा दफा करते हुए तुरंत बस को हटवाया और कांवड़ियों को अस्पताल पहुंचाकर स्थिति को काबू में किया।

दुष्कर्म के आरोपी को लिसाड़ी गेट पुलिस ने गिरफ्तार किया

मेरठ। थाना लिसाडी गेट पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। दुष्कर्म के आरोपी शहजाद पुत्र अनीस नि0 कस्बा शोभापुर नीयर डा0 दर्शन अस्पताल थाना कंकरखेडा मेरठ मूल निवासी ग्राम पुठ्ठी इब्राहिमपुर नीयर कस्बा मीरापुर थाना रामराज जनपद मुजफ्फर नगर द्वारा पीड़िता के साथ दुष्कर्म करना एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप था। लिसाडी गेट पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दुष्कर्म के आरोपी शहजाद को चार खम्भे के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट के समक्ष पेश किया जा रहा है।

अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ दर्ज मुकदमों के विरोध में कांग्रेसियों का जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

मेरठ। आज मेरठ महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर दर्ज मुकदमों और कांग्रेस नेताओं पर हो रहे दमन के विरोध में जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा एवं पूर्व ज़िला अध्यक्ष अवनीश काजला जी ने किया। इस अवसर पर कांग्रेसजन जिला अधिकारी कार्यालय, मेरठ में एकत्रित हुए और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन ज़िलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विपक्षी नेताओं पर किए जा रहे फर्जी मुकदमों की कड़ी निंदा की गई तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की माँग की गई। राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में कांग्रेस ने तीन मांगे रखी हैं। जिसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी एवं अन्य नेताओं पर दर्ज फर्जी मुकदमों की निष्पक्ष जांच

की जाए। दूसरी सरकारी दमनकारी कार्यवाहियों पर रोक लगाई जाए और तीसरी विपक्षी दलों को लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ कार्य करने का अवसर दिया जाए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की और कहा कि यदि लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिशें जारी रहीं, तो कांग्रेसजन सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में मेरठ महानगर के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी रही।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस अवनीश काजला, प्रवक्ता हरिकिशन अम्बेडकर,सलीम खान, धूम सिंह गुजर्र,मोनिंदर सूद वाल्मीकि,हरीश त्यागी, बाबू चमन लाल,यूसुफ अंसारी, प्रवीण कुमार, सलीम पठान,अनिल अरोड़ा ,विनोद शर्मा, सुमित विकल, पीयूष रस्तोगी,राहत चौहान, सोनम रानी, बबली जाटव, संदीप शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सावन के पहले सोमवार मेरठ के शिव मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब

मेरठ । आज सावन के पहला सोमवार है। सावन के पहले सोमवार को मेरठ के प्रमुख शिवमंदिरों में भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। देश भर में आज सावन के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में शिव भक्त शिवजी का जलाभिषेक करते नजर आए। महिलाएं और पुरुष भगवान शिव का अभिषेक करने मंदिर पहुंचे। इस दौरान भक्तों ने "हर हर महादेव" और "बोल बम" के जयकारे लगाए। मेरठ के प्रमुख शिवमंदिरों औघडनाथ मंदिर, झारखंडी मंदिर, विल्वेश्वर महादेव मंदिर, राजराजेश्वरी मंदिर में शिवभक्तों की भारी भीड़ तड़के से लगी हुई है। सोमवार को उमड़ती है

भक्तों की भीड़ औघडनाथ मंदिर के पुजारी ने बताया, "आज से सावन के सोमवार के व्रत शुरू हो गए हैं। सावन के सोमवार को भगवान शिव के भक्त व्रत रखते हैं। सोमवार को भगवान शिव की विशेष पूजा करते हैं। आज सावन का पहला सोमवार है। मंदिरों में भक्तों का आना शुरू हो गया है। सोमवार को भक्तों की भीड़ देखने लायक होती है। हर सोमवार को भक्त भगवान शिव को जल अर्पण करने के लिए मंदिरों में आते हैं।" शिवभक्तों के लिए खास होता है सावन सावन के पहले दिन से ही कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। शिव भक्त पैदल जाकर गंगा से जल भरकर लाते हैं। इसके बाद शिवालय जाकर भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ये पूरा माह भगवान शिव को समर्पित होता है। इस पूरे माह भगवान शिव के भक्त शिव की आराधना करते हैं।

किशोर और बच्चे की हत्या के आरोपी पांच अभियुक्त गिरफ्तार

मेरठ। थाना सरधना पुलिस ने किशोर और बच्चे की हत्या के आरोप में फरार पांच आरोपी गिरफ्तार किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम जुबैर पुत्र इकरामुद्दीन, उम्र लगभग 28 वर्ष, आसिफ पुत्र इकरामुद्दीन, उम्र लगभग 25 वर्ष, आरिफ पुत्र इकरामुद्दीन, उम्र लगभग 23 वर्ष, रिहान पुत्र इकरामुद्दीन, उम्र लगभग 19 वर्ष और इकरामुद्दीन पुत्र इब्रादिन, उम्र लगभग 50 वर्ष हैं। सभी लोग ग्राम नवाबगढ़ी, थाना सरधना, जनपद मेरठ के निवासी हैं। इन सभी को उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 04.04.2025 को वादी इमरान पुत्र अली हसन निवासी ग्राम नवाबगढ़ी द्वारा अपने पुत्र रिहान (उम्र लगभग 11 वर्ष) की गुमशुदगी की सूचना दी गई थी। जिस पर थाना सरधना पर मु0अ0सं0 197/25 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। इसी प्रकार वादी शकील पुत्र महमूद निवासी ग्राम नवाबगढ़ी द्वारा अपने पुत्र उबैस के लापता होने की सूचना दर्ज कराई थी। ग्राम नवाबगढ़ी के बाहर एक अधबने मकान में शव मिलने की सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर जाकर जांच की गई। शव की शिनाख्त उबैस पुत्र शकील के रूप में की गई। उक्त दोनों मामलों में वादीगण द्वारा अपने-अपने पुत्रों की हत्या की आशंका प्रकट करते हुए लिखित तहरीर दी गई। मुख्य अभियुक्त असद पुत्र इकरामुद्दीन को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो अदद रस्सी एवं मृतक रिहान की पैंट बरामद की गई थी। पूछताछ में अभियुक्तों ने पुरानी रंजिश के चलते घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर थाना परतापुर क्षेत्र में पुलिस का रूटमार्च

मेरठ। श्रावण मास कावड़ यात्रा-2025 को लेकर थाना परतापुर क्षेत्र में रूट मार्च निकाला गया। श्रावण मास कावड़ यात्रा 2025 के सफल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन के दृष्टिगत जनपद मेरठ पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। आज सहायक पुलिस अधीक्षक, सीओ ब्रह्मपुरी के नेतृत्व में थाना प्रभारी परतापुर एवं भारी पुलिस बल के साथ थाना परतापुर क्षेत्र के संवेदनशील एवं प्रमुख स्थलों चौकी मोहद्दीनपुर, भूड़ बराल, परतापुर तिराहा, घाट एवं डूंगरावली में रूट मार्च निकाला गया। स रूट मार्च का उद्देश्य क्षेत्र में शांति, कानून-व्यवस्था बनाए रखना एवं कावड़ यात्रा के दौरान आमजन में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना रहा। रूट मार्च के दौरान आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें यात्रा से संबंधित सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया। जनपद पुलिस कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन हेतु कटिबद्ध है एवं किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु निरंतर सतर्क एवं सक्रिय है।

चोरी का प्रयास करने के आरोपी को सामान सहित दबोचा

मेरठ। थाना सिविल लाइन पुलिस ने चोरी का प्रयास करने वाला आरोपी को गिरफ्तार कर उससे सामान बरामद किया है। लक्ष्मण सिंह पुत्र कुन्दन लाल निवासी मकान संख्या 317, यादव वाली गली, पुरानी मोहनपुरी, थाना सिविल लाईन, मेरठ द्वारा सूचना दी गयी कि अज्ञात चोरों द्वारा उसके मकान का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया। इस संबंध में थाना सिविल लाईन में मुकदमा दर्ज कराया गया था। सिविल लाईन प्रभारी निरीक्षक सौरभ शुक्ल के नेतृत्व में थाना सिविल लाईन पुलिस टीम द्वारा घटना का अनावरण करते हुए आरोपी शिवम वर्मा पुत्र अशोक वर्मा निवासी अनूपशहर अड्डा, आवास विकास-2, बुलन्दशहर हाल निवासी- म0नं0 एल-203, गंगानगर, एमएमआर मॉल के सामने, थाना कोतवाली देहात जनपद

बुलन्दशहर को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है।

अभियुक्त के कब्जे से एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे में लिपटी दो लोहे की रॉड बरामद की गईं। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य दो साथियों राकेश वर्मा पुत्र सीताराम वर्मा निवासी स्याना अड्डा, सीताराम मंदिर, बुलन्दशहर और सत्यम पुत्र राकेश वर्मा निवासी स्याना अड्डा, सीताराम मंदिर, बुलन्दशहर के नाम भी बताएं। दोनों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर तलाश जारी है। अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

बारिश में ट्रैफिक पुलिस को डयूटी पर मुस्तैद देख एसएसपी ने दिया 500 रुपये का इनाम

मेरठ। सावन मास कांवड़ यात्रा 2025 के दृष्टिगत एसएसपी ने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान तेजगढ़ी चौकी से एल ब्लॉक चौकी, बिजली बंबा से शॉप्रिक्स मॉल व फुटबॉल चौराहा आदि क्षेत्रों में पड़ने वाले कांवड़ ड्यूटी प्वाइंट्स पर ट्रैफिक व थाना पुलिस द्वारा तैनात ड्यूटी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा तैनात पुलिसकर्मियों से उनकी कुशलता भी पूछी गई। एसएसपी विपिन ताडा द्वारा चौकी मोदीपुरम, थाना पल्लवपुरम का भ्रमण कर वहां लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता एवं निगरानी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही थाना क्षेत्र पल्लवपुरम में कांवड़ मार्ग पर स्थित विभिन्न कटों (मोड़/अंतर्वर्ती मार्गो) का भी अवलोकन कर सुरक्षा दृष्टिकोण से आवश्यक निर्देश दिए गए। भारी वर्षा के बावजूद ड्यूटी पर मुस्तैदी से तैनात ट्रैफिक एवं थाना पुलिस के कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 500 रुपये नगद पुरस्कार की घोषणा की गई। जनपद पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान शांति, सुरक्षा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था हेतु हर स्तर पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

होटलों और मॉल्स में मेरठ पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

मेरठ। पुलिस द्वारा श्रावण मास कांवड़ यात्रा 2025 के दृष्टिगत सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। कांवड़ यात्रा2025 के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन के उद्देश्य से तथा जनपद में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए एलआईयू मेरठ के निकट पर्यवेक्षण में एलआईयू द्वारा स्थानीय पुलिस व एएस चेकिंग टीम व बम स्क्वॉड के सहयोग से जनपद के विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख स्थलों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र शाप्रिक्स मॉल, होटल हायफन, होटल कानवे।

कस्बा मवाना क्षेत्र इंद्रप्रस्थ होटल, बड़ा महादेव मंदिर, बस स्टैंड, ढाबे आदि। थाना किठौर क्षेत्र झ माई सिटी होटल ग्राम राधना, अन्य सार्वजनिक स्थल। थाना हस्तिनापुर क्षेत्र कर्ण मंदिर, जम्बूद्वीप परिसर (भीतर व बाहर)।

थाना मुंडाली क्षेत्र ग्राम सिसौली स्थित दुर्गा मंदिर, ग्राम मऊखास स्थित शिव एवं हनुमान मंदिर। चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं वस्तुओं की गहनता से जांच की गई। साथ ही, होटल रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान सभी होटल, मॉल एवं सार्वजनिक स्थलों के प्रबंधकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए। चेकिंग के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति मिलने पर तत्काल कार्रवाई हेतु टीम को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। स्थानीय जनता से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। जनपद पुलिस द्वारा आगामी कांवड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए निरंतर चेकिंग, सतर्कता एवं सुरक्षा संबंधी प्रयास जारी हैं, जिससे आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे एवं यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो।

नोएडा: सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों में उमड़ा जन सैलाब, हर- हर महादेव के जयकारे से नभ हुआ गुंजायमान

नोएडा। सावन के पहले सोमवार को आज जनपद गौतमबुद्ध नगर के मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भाईपुर ब्रह्मनान गांव के पास स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर नानकेश्वर महादेव मंदिर पर भक्तों की भारी भीड़ पहुंचेगी, इसके लिए मंदिर कमेटी व पुलिस ने पूरी तैयारी की है। सुबह 4 बजे मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोले गए। मंदिर में स्थानीय के साथ दिल्ली-एनसीआर के लोग भी जलाभिषेक करने पहुंचे। मंदिर के महंत रामकुमार मिश्रा ने बताया कि सुबह 4 बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया है। मंदिर में सुबह 4 बजे से रुद्राभिषेक शुरू हुआ। ड्रोन के साथ सीसीटीवी कैमरों से भीड़ पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि मंदिर में 20 से 23 जुलाई के बीच चार दिवसीय महाशिवरात्रि मेला का आयोजन होगा। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर की समिति के महासचिव संजय बाली ने बताया कि आज सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ मंदिर में उमड़ पड़ी है। जब से सावन की शुरूआत हुई है, श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। मंदिर परिसर को रंग बिरंगी लाइटों से लेकर पुष्पों की माला से सजा दिया गया है। भगवान शिव पार्वती की स्थापित मूर्ति के लिए विशेष नई पोशाकें तैयार की गई हैं। इसी तरह सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर, सेक्टर-100 स्थित प्राचीन वोडा महादेव मंदिर समेत सेक्टर-31 निठारी, सेक्टर-14ए स्थित शनि मंदिर, सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर, सेक्टर-71 सफाबार्द, सेक्टर 40 स्थित मंदिर,सेक्टर-63 वाजिदपुर, सेक्टर-168, सेक्टर-159, सेक्टर-44 छलेरा समेत बदौली, होशियारपुर व अन्य स्थानों में मौजूद प्राचीन शिवालयों में भी भक्तों की भीड़ सुबह से ही उमड़ रही है।

पलक झपकते ही हैडिंल लॉक तोड़ चोरी करता था बाइक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मेरठ। थाना सदर बाजार पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पलक झपकते ही हैंडिल लॉक तोड़कर बाइक चोरी कर लेता था। थाना सदर बाजार पुलिस ने बाइक चोर नवेद पुत्र तालिब निवासी कारखाने वाली मस्जिद के पास, जली कोठी, थाना देहलीगेट, जनपद मेरठ को चोरी की बाइक के साथ जादूगर चौराहा, चौकी रजबन क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मेरठ सहित

आसपास के जिलों के थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

रंग संसार

सिनेमाघरों में फिर लौटेगा 'फ्लाइंग सिख', भाग मिल्खा भाग की री-रिलीज का एलान

नई दिल्ली। भारत के इतिहास के महान एथलीट रहे मिल्खा सिंह की कहानी को निर्देशक ओम प्रकाश मेहरा ने साल 2013 में उनकी बायोपिक भाग मिल्खा भाग के जरिए बड़े पर्दे पर उतारा था। इस मूवी ने अपनी शानदार कहानी और फरहान अख्तर के दमदार अभिनय के दम पर ये मूवी ऑडियंस को खूब पसंद आई। अब इस मूवी को सिनेमाघरों में री-रिलीज करने की तैयारी की जा रही है, जिसे देश के चुनिंदा थिएटर्स में पेश किया जाएगा। आइए इस मामले को थोड़ा और विस्तार से जानते हैं। री-रिलीज की जाएगी भाग मिल्खा भाग

फिल्म भाग मिल्खा भाग में मिल्खा सिंह के जीवन का सार दिखाया गया था। इस तरह से विभाजन के बाद उनका जीवन पूरी तरह से घूम गया और बाद में वह कैसे आर्मी ऑफिसर रहकर भारत के सर्वश्रेष्ठ एथलीट बनकर उभरे। इस ताने-बाने को बड़े ही शानदार तरीके से राकेश ओम प्रकाश मेहरा ने मूवी में पेश किया। 11 जुलाई 2013 को भाग मिल्खा भाग यानी फ्लाइंग सिख की कहानी सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। अब 12 साल पूरे होने की खुशी में मेकर्स इसे थिएटर्स में दोबारा से रिलीज करने जा रहे हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार पीवीआर और आईनॉक्स जैसे मल्टीप्लेक्सेज में 18 जुलाई से भाग मिल्खा भाग दोबारा से देखने को मिलेगी।भाग मिल्खा भाग की री-रिलीज को लेकर अभिनेता फरहान अख्तर ने कहा है- मिल्खा सिंह की बायोपिक में काम करना मेरे लिए बड़ी ही सम्मान की बात थी। ये एक ऐसी कहानी थी, जिसके बारे में हर भारतवासी का जानना जरूर था। ऐसे में अब जब ये फिर से थिएटर्स में लौट रही है तो यकीनन तौर पर रोमांच दोगुना देखने को मिलेगा। बता दें कि फरहान ने ही इस फिल्म में मिल्खा सिंह की भूमिका को अदा किया था। कमाई में अव्वल निकली थी मिल्खा सिंह बॉक्स ऑफिस पर भाग मिल्खा भाग की बेहतरीन कहानी का जादू बखूबी चला था। क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से इसे पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। गौर किया जाए इसके घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ तो वह 109 करोड़ रहा।

राज काज

पुतिन दिन में बात करते हैं तो रात में बम बरसाते हैं, यूक्रेन को अमेरिका भेजेगा पैट्रियट मिसाइल- ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम भेजेंगे। उनकी सरकार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने से इनकार करने पर नाराज नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रविवार को मैरीलैंड के ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से कहा, हम यूक्रेन को पैट्रियट भेजेंगे, जिनकी उन्हें सख्त जरूरत है। पुतिन ने वाकई बहुत लोगों को चौंका दिया है। वह दिन में अच्छी बातें करते हैं और फिर शाम को बमबारी कर देते हैं। इससे मुझे समस्या है। मुझे यह पसंद नहीं है। ट्रंप ने बताया कि अभी इस पर फैसला नहीं लिया गया है कि यूक्रेन को कितने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम भेजने हैं। ट्रंप ने कहा, इस पर अभी फैसला नहीं किया है, लेकिन उन्हें कुछ तो भेजी ही जाएंगी, क्योंकि उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। डोनाल्ड ट्रंप बीते हफ्ते यूरोप में नाटो सहयोगियों को हथियार बेचने का फैसला कर चुके हैं, ताकि वह उन्हें कीव को सौंप सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि यह एयर डिफेंस सिस्टम नाटो के यूक्रेन को भेजे जाने वाले हथियारों का हिस्सा होंगे, जिसके लिए नाटो अमेरिका को भुगतान करेगा।उन्होंने कहा, हम मूल रूप से उन्हें बहुत ही परिष्कृत सेना की विभिन्न टुकड़ियां भेजने जा रहे हैं। वह हमें उनके लिए शत प्रतिशत भुगतान करने जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते नाटो महासचिव मार्क रट से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात के दौरान कीव को हथियार आपूर्ति करने की योजनाओं पर चर्चा होने की उम्मीद है। मार्क रट की वाशिंगटन डीसी की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह सोमवार को रूस पर एक बड़ा बयान देने वाले हैं। पैट्रियट (एमआईएम-104) सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और एडवांस विमानों का मुकाबला करने के लिए सतह से हवा में मार करने वाला डिफेंस सिस्टम है,

दैनिक राशिफल 15 मंगलवार जुलाई, 2025

मेष – स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी।

वृष – विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

मिथुन – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें।

कर्क – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

सिंह – व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें।

कन्या – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा।

तुला – लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी।

वृश्चिक – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभ समाचारों मिलेगें।

धनु – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें।

मकर – कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।

कुम्भ – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

मीन – व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, डूषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा।

दैनिक पंचांग

15 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

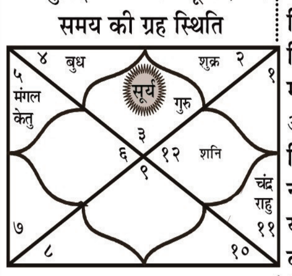

मंगलवार 2025 वर्ष का 196 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 22.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 06.27 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 14.12 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.22 बजे तदनन्तर तैतिल 22.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872406
जूलियन दिन 2460871.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 19
विशेष मंगला गौरी व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.34 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.50 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.02 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.27 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.08 बजे से
राहुकाल		मेष	23.38 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	01.18 बजे से
		मिथुन	03.16 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पुलिस की आंखो में धूल झोंककर फरार हुआ लघुशंका करने गया आरोपी

शामली। उत्तर प्रदेश के जनपद शामली मे पुलिस की लापरवाही देखने को मिली है जहां पर पुलिस कस्टडी से दुष्कर्म के आरोपी के सहयोगी की भूमिका निभाने वाला आरोपी फरार होने का मामला सामने आया है। जिसे डाक्टरी परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया था जहां से वह पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गया। पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। दुष्कर्म के आरोपी के सहयोगी के पुलिस कस्टडी से फरार होने की खबर जैसे ही पुलिस के आला अधिकारियों को लगी तो हड़कंप मच गया और आनन फानन में सभी अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और पुलिस ने वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगाला।

पूरा मामला जनपद शामली की सदर कोतवाली क्षेत्र का है जहां पर तैनात कांस्टेबल अजीत कुमार व होमगार्ड प्रवीण दोपहर करीब 1:45 पर शामली जिला चिकित्सालय पहुंचे जहां पर उनके साथ दो मुजरिम थे जिनमें से एक दुष्कर्म का आरोपी था जिसका नाम सोनू पिता का नाम विजेंद्र निवासी गांव नसीरपुर थाना तीतावी जनपद मुजफ्फरनगर बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जब दोनों आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया तो उनमें से एक आरोपी को पेशाब करने के लिए सिपाही उसे शौचालय ले गया तो वहीं सोनू का ब्लड सैंपल कराया जा रहा था जहां पर की होमगार्ड मौजूद था इतनी ही देर में होमगार्ड को चकमा देकर दुष्कर्म का आरोपी का सहयोगी सोनू पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। जिला चिकित्सालय में लगे सीसीटीवी में सोनू बड़े ही आराम से जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस कस्टडी से आरोपी के फरार होने की सूचना अधिकारियों को लगी तो पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और आनंद-फानन में पुलिस के आल्हा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे जहां पर उन्होंने अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। पुलिस कस्टडी से दुष्कर्म के आरोपी के फरार होने के बाद एक बात तो साफ है कि शामली में पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी को लेकर कितने मुस्तद है।

वहीं इस मामले में एसपी शामली रामसेवक गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि इसको मेडिकल परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया था, वहीं से यह फरार हुआ है क्या कारण रहा है क्यों यह फरार हुआ है इसका तो बाद में ही पता चल पाएगा, लेकिन यह तीतावी थाना क्षेत्र का ही रहने वाला था और जिस मामले में यह आरोपी था उसमें दुष्कर्म का मेन आरोपी पहले ही जेल जा चुका है यह उसका सहयोगी था।

निजी क्लीनिक पर प्रसव के दौरान नवजात की मौत

❒ प्रसूता के पिता ने क्लीनिक पर कार्यरत महिला चिकित्सक व आशा पर लगाया लापरवाही से मौत का आरोप

कैराना। निजी क्लीनिक पर प्रसव के दौरान नवजात शिशु की मौत हो गई। प्रसूता के पिता ने क्लीनिक पर कार्यरत महिला चिकित्सक व आशा पर लापरवाही से मौत का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती-पत्र दिया है।

जनपद सहारनपुर के गंगोह थानाक्षेत्र के गांव बुढ्नपुर निवासी राशिद ने कोतवाली पुलिस को शिकायती-पत्र दिया है। बताया कि उसकी पुत्री राशिदा की शादी करीब डेढ़ वर्ष पूर्व क्षेत्र के गांव भूरा में हुई थी। उसकी पुत्री गर्भ से थी, जिसे शामली के कई चिकित्सकों के पास ले जाया गया। जहां पर प्रत्येक चिकित्सक ने ऑपरेशन से बच्चा पैदा होने की बात कही। इस पर उसने अपनी पुत्री को विगत आठ जुलाई को ऑपरेशन के लिए कैराना कस्बे के भूरा मार्ग पर स्थित एक अस्पताल में भर्ती करा दिया। इसी दौरान गांव भूरा निवासी एक आशा वर्कर वहां पहुंची तथा कहा कि वह एक महिला चिकित्सक के सम्पर्क में है, जो उसकी पुत्री की नॉर्मल डिलीवरी करा देगी। उक्त आशा की बात मानकर उसने अपनी पुत्री को अगले दिन कस्बे के मोहल्ला बिसातयान में स्थित एक क्लीनिक पर भर्ती करा दिया। क्लीनिक पर कार्यरत महिला चिकित्सक ने भी उसकी पुत्री की नॉर्मल डिलीवरी कराने की बात कही। इसके बाद उक्त महिला चिकित्सक, आशा वर्कर व एक अन्य पुरुष चिकित्सक उसकी पुत्री को नॉर्मल डिलीवरी कराने की बात कहकर क्लीनिक में स्थित कमरे में ले गए। आरोप है कि उक्त महिला चिकित्सक, आशा वर्कर व अन्य ने नॉर्मल डिलीवरी कराने के लिए उसकी पुत्री के पेट को जोर-जोर से दबाना और बच्चे को जबरदस्ती बाहर खींचना शुरू कर दिया। इसी खींचातान में नवजात शिशु की मौत हो गई और उसकी पुत्री की हालत भी खराब हो गई। इसके बाद, महिला चिकित्सक ने उसकी पुत्री को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर कर दिया। जहां से चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी। पीड़ित का कहना है कि उसकी पुत्री मेरठ अस्पताल में भर्ती है। जहां पर उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। शिकायती-पत्र में महिला चिकित्सक एवं आशा वर्कर व सम्बंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है।

नपा चेयरमैन के खिलाफ 11वें दिन भी धरने पर डटे सभासद

कैराना। नपा चेयरमैन के खिलाफ सभासदों का धरना-प्रदर्शन 11वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने धरनास्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। विगत चार जुलाई से पालिका प्रांगण में नपा चेयरमैन के खिलाफ शुरू हुआ सभासदों का धरना सोमवार को 11वें दिन भी निरन्तर जारी रहा। धरनारत सभासदों ने पालिका चेयरमैन शमशाद अहमद अंसारी पर तानाशाही, निरंकुशता व विकास कार्यों की अनदेखी समेत अनेकों गम्भीर आरोप लगाए है। रविवार रात्रि उत्तर-प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता युवा प्रदेश महासचिव अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में धरनास्थल पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने धरने में शामिल होकर सभासदों की मांगों का समर्थन किया। इसके अलावा, सोमवार को भारतीय किसान यूनियन(महात्मा टिकैत) के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भी धरनास्थल पर पहुंचकर सभासदों की मांगों पर अपनी सहमति जताई। साथ ही, धरना-प्रदर्शन को उचित ठहराते हुए समर्थन की घोषणा की। विदित रहे कि नगरपालिका में भूख हड़ताल पर बैठे पांच में से चार सभासदों की हालत खराब हो चुकी है, जिनमें से सभासद शाहिद हसन तीन दिन तक शामली के निजी अस्पताल के आईसीयू में एडमिट रह चुके है।

सावन माह के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

शामली। सावन माह के पहले सोमवार को शहर के सिद्धपीठ शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में हर-हर महादेव के नारे गूंजाएमान रहे। शहर में हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर आने वाले शिव भक्तों का आगमन हो गया है। जो भोले शंकर के जयकारे लगाते हुए अपने गणत्वयों की ओर रवाना हो रहे है।

गत शुक्रवार से सावन माह शुरू हो गया है। सावन माह में पूजा का विशेष महत्व है। पहले सोमवार को शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान भोले शंकर को नहला कर विशेष पूजा अर्चना की। आदिनाथ का जलाभिषेक करने के लिए मंदिरों में भक्तों की लंबी लाइने लगी रही। श्रद्धालु महिलाओं ने मंदिरों में कीर्तन किया। सावन शुरू के मद्देनजर मंदिरों का सजाया गया है। शहर के सिद्धपीठ मंदिर गुलजारी वाला में सवेरे भगवान शिव को जलाभिषेक किया गया। इसके अलावा माजरा रोड स्थित सिद्धपीठ भाकूवाला मंदिर वाला, सदाशिव मंदिर रेलवार, गढमुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर सतीवाला, हनुमान धाम स्थित शिव मंदिर, सुभाष चौक स्थित शिव मंदिर, गांधी चौक स्थित कुटी वाला शिव मंदिर में सवेरे से ही पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा।

उधर, शिवरात्री पर भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर शिव भक्तों का शामली में आगमन शुरू हो गया है, जिस कारण शहर की सड़कों पर बम-बम, हर-हर के नारे गूंजाएमान रहे। शिव भक्तों के आगमन को देखते हुए पुलिस ने व्यवस्था संभाल ली है। सोमवार को पुलिस अधिकारियों ने शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटवाया। सड़क किनारे खड़ी होने वाली ठेलियों, ई-रिक्शाओं के चालकों को अपने वाहन कावड मार्ग से दूर खड़ें करने की चेतावनी दी है।

जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

शामली। क्षेत्र के कस्बा बनत निवासी एक व्यक्ति ने पडौसी द्वारा खेत में बरातघर का मलबा उठाये जाने के लिए कहने पर पुत्र व परिवार के अन्य लोगों को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

कस्बा बनत के मौहल्ला प्रेमनगर निवासी उमरजान पुत्र जफरूदीन ने कोर्ट के आदेश पर थाना आदर्शमंडी में मुकदमा दर्ज कराया है। उसकी जमीन गोहरनी बाईपास पर स्थित है। उसके बराबर में ही दाऊद पुत्र उमरदीन बरातघर बना रहा है। जिसने बरातघर का मलबा उमरजान के खेत में डाल दिया है। जिससे उसकी गन्ने की फसल खराब होने के साथ साथ रास्ता भी बंद हो गया है। कई बार मलबा हटाये जाने को लेकर कहासुनी हो चुकी है, लेकिन दाऊद द्वारा उसे व उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सभासद पर मुकदमे को लेकर ब्राहमण समाज में रोष

जलालाबाद। रविवार की देर शाम कस्बे के राम मंदिर प्रांगण में ब्राह्मण समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसका संचालन सुभाष शर्मा द्वारा किया गया और अध्यक्षता पूर्व भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष ज्योतिष आचार्य डॉक्टर मुकेश शास्त्री द्वारा किया गया बैठक में जलालाबाद के ब्राह्मण समाज के सैकड़ों ब्राह्मणों ने भाग लिया। इस बैठक में पीड़ित आदेश कुमार शर्मा ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ब्राह्मण समाज के समक्ष रखी और बताया कि बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के नगर पंचायत के एक अधिकारी द्वारा षड्यंत्र रचकर नगर पंचायत के एक कर्मचारी द्वारा पत्रकार आदेश शर्मा समेत उनके सभासद भाई राकेश शर्मा पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया है। बैठक में उपस्थित सभी ब्राह्मण बंद होने दोनों भाइयों पर फर्जी मुकदमा कराने की निंदा की गई। योगाचार्य रविंद्र गौतम ने इस घटनाक्रम पर बोलते हुए कहा की समाज के सम्मानित सभासद वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता करने वाले समाज के लोगों पर फर्जी मुकदमे करना अति निंदनीय है। उन्होंने इस बात पर गहरी नाराजगी व्यक्त की क्षेत्र वो जनप्रतिनिधि जो उनके वोट से पदों पर बने है। उन्होंने पीड़ितों से मिलकर संवेदना व्यक्त करना भी उचित नहीं समझा, जबकि चुनाव के समय हमारे वोटो से ही इन जनप्रतिनिधियों का चुनाव होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर मुकेश शास्त्री ने कहा की नगर पंचायत के निर्वाचित सभासद राकेश शर्मा द्वारा लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए स्वकर प्रणाली का विरोध किया जा रहा था। इस बात से नाराज होकर नगर पंचायत के कुछ लोगों द्वारा षड्यंत्र रचकर फर्जी मुकदमा कराया गया है ब्राह्मण समाज मुकदमों से घबराने वाला नहीं है ब्राह्मण समाज का हर व्यक्ति समाज के पीड़ित परिवार की संघर्ष में कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा और आने वाले चुनाव में उन लोगों का बहिष्कार करेगा जो लोग अब हमारे साथ नहीं है। ब्राह्मणों ने भारी आक्रोश व्यक्त किया और अधिशासी अधिकारी के इस नियम विरुद्ध कार्य सभी ने एक स्वर में होकर निंदा की गई और प्रशासन से मांग की गई कि यदि इस मुकदमे को निरस्त नहीं किया गया और बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सभासद के आवास मैं घुसकर अभद्रता करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज नहीं किया गया तो ब्राह्मण समाज सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा और थाना भवन विधानसभा के साथ साथ जनपद के ब्राह्मण संगठनों को जलालाबाद के ब्राह्मणों पर हो रही उत्पीड़नात्मक कार्यवाही की जानकारी देगा। ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों से विचार-विमर्श के बाद एक विशाल पंचायत भी आयोजित करने पर विचार किया जायेगा। बैठक में डा0 शिवकुमार शर्मा, प0 राधेश्याम शर्मा, सुभाष शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, बारूमल शर्मा, बिट्टू शर्मा, रविन्द्र गौतम, पूर्व सभासद नरेश शर्मा, हरीश शर्मा, आशुतोष शर्मा, किशन शर्मा, संजय शर्मा, संजीव शर्मा, कमलदीप शर्मा, समेत बडी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने संदिग्ध पीकअप गाडी को अपने कब्जे में लिया

शामली। शहर के कलक्ट्रेट चौराहे पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने हडियों के चूरे से बने मुर्गी दाने से भरी पीकअप गाडी को एसटी तिराहे पर पीछा कर दबोच लिया। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पीकअप गाडी में गौमांस होने की आशंका व्यक्त करते हुए जमकर हंगामा किया, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो बोरे में भरा हुआ पशु की हडडी से बना मुर्गी दाना पाया गया। पुलिस ने पीकअप गाडी को अपने कब्जे में ले लिया है। सोमवार को बजरंग दल कार्यकर्ताओं से सूचना मिली कि मेरठ हाईवे से एक पीकअप गाडी गौमास को लेकर जा रही है। सूचना पर कार्यकर्ताओं ने गाडी को कलक्ट्रेट तिराहे पर रोकने का इशारा किया तो गाडी चालक ने न रोकते हुए एसटी तिराहे पर भगा दिया। जिस पर कार्यकर्ताओं ने गाडी का पीछा कर एसटी तिराहे के पास रोक लिया। कार्यकर्ताओं ने गाडी में गौमास होने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। गाडी के आसपास काफी दुबंध फैलने से गौमास की ही आशंका व्यक्त की जा रही थी। सूचना पाकर थाना आदर्शमंडी पुलिस मौके पर पहुंची। तो चालक व परिचालक से पूछताछ की गई। उन्होने बताया कि कटटों में मुर्गी दाना भरा है और खतौली से लेकर गंगोह लेकर जा रहे है। पुलिस ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं के सामने ही गाडी में से बोरों को निकालकर जांच की तो उसमें से मुर्गी व मछली को डालने वाला हडिडयों के चुरे से भरा हुआ दाना बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं की मांग पर गाडी को अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। बजरंग दल कार्यकर्ताओं और चालक व परिचालक के साथ काफी देर तक नोंकझोक होती रही।

स्वकर प्रणाली की वर्तमान दरों को निरस्तीकरण के लिए जिलाधिकारी से मिले पूर्व सभासद

जलालाबाद। सोमवार को नगर पंचायत जलालाबाद के पूर्व सभासदों के एकप्रतिनिधि मण्डल ने स्वकर प्रणाली की वर्तमान दरों को निरस्त कर पुरानी दरों को लागू करने के सम्बंध में नगर विकास मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं मंडल आयुक्त सहारनपुर को डाक द्वारा ज्ञापन भेजा गया और जिलाधिकारी शामली, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत जलालाबाद को मिलकर ज्ञापन देते हुए, अवगत कराया है कि, उत्तर प्रदेश में स्वकर प्रणाली के लागू होने से गृहकर में ज्यादा वृद्धि हो गई तथा जलमूल्य के स्थान पर जलकर भी लगाया गया है। कस्बे के 70 प्रतिशत आबादी प्रतिदिन मजदूरी कर अपना व परिवार का पालन पोषण करता है। उक्त गृहकर व जलकर के लागू होने से आम जनता पर भार अत्याधिक बढ़ गया है। स्वकर प्रणाली की दरों के अनुसार आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते पूर्व सभासदों ने जिलाधिकारी से लागू

की गई स्वकर प्रणाली को निरस्त कर पूर्व की भांति गृह कर व जल कर की जगह जलमूल्य को लागू किए जाने की मांग की है। इस अवसर पर चौधरी इस्तखार अहमद, अज़ीम बेग, चौधरी राशिद अहमद, निन्ना पहलवान, साजिद मंसूरी, क़ासिम अहमद, नाज़िम मलिक, सोनू कुमार, राजेश सैनी, अर्जुन रावडा, नदीम अली खान, जनेश्वर सैनी मौजूद रहे।

हापुड़ में लेखपाल की मौत के विरोध में कैराना में लेखपालों ने दिया धरना, सौंपा ज्ञापन

कैराना। हापुड़ में साथी लेखपाल की आकस्मिक मौत से आक्रोशित कैराना के लेखपालों ने तहसील मुख्यालय पर सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया है। उन्होंने हापुड़ के जिलाधिकारी पर लेखपाल के प्रति दमनात्मक व उत्पीड़नात्मक कार्यवाही का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन-पत्र एसडीएम कैराना को सौंपा है।

सोमवार को उत्तर-प्रदेश लेखपाल संघ (रजि.) की स्थानीय शाखा के लेखपाल संगठन की अध्यक्षा पूजा खैवाल के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने लेखपाल मिंटू की अध्यक्षता में प्रात: दस बजे से दोपहर दो बजे तक सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन-पत्र एसडीएम कैराना निधि भारद्वाज को सौंपा। बताया कि जनपद हापुड़ में जिलाधिकारी के अपमानजनक व दमनात्मक व्यवहार एवं बिना जांच की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाही के तनाव में लेखपाल सुभाष मीणा की मौत हो गई। इस घटना से प्रदेशभर के लेखपाल आहत है। ज्ञापन-पत्र में कहा कि आजकल कुछ अधिकारियों में सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया एवं आमजन में पब्लिसिटी पाने की इच्छा के चलते अधीनस्थ को सार्वजनिक रूप से

अपमानित अथवा दंडित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिस कारण कर्मचारी तनाव के बीच रहकर नौकरी कर रहे है। नौकरी में बढ़ते कार्य दबाव एवं अधिकारियों के व्यवहार के कारण जहां कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं पारिवारिक जीवन बिगड़ रहा है, वहीं शासकीय कार्य संपादन में भी श्रम के सापेक्ष आउट पुट अच्छा प्राप्त नही हो रहा। ज्ञापन-पत्र में मृतक लेखपाल के आश्रितों को आर्थिक सहायता, योग्यतानुसार सरकारी सेवा में नियुक्ति, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही, अधीनस्थ अधिकारियों के साथ में मानवीय व्यवहार तथा कर्मचारियों की समस्याओं के सम्बंध में प्रत्येक माह संगठन के पदाधिकारियों के साथ में बैठक सुनिश्चित कराने की मांग की गई है।

एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया

शामली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) लिसाढ़ में सोमवार को एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीडीओ विनय कुमार तिवारी एवं जिला पंचायत सदस्य रंधावा मलिक द्वारा फीता काटकर किया गया।

रोजगार मेले को संबोधित करते हुए सीडीओ ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार सृजन के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। युवाओं को चाहिए कि इन योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और दूसरों को भी रोजगार देने की दिशा में आगे आएं। रोजगार मेले में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, राजकीय आईटीआई एवं डिप्लोमा धारकों सहित कुल 313 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलआईसी, डिक्सन, पुखराज हेल्थ केयर, अमर स्पिलिंट, कैरियर व्हील्स सहित कुल 9 प्रतिष्ठित कंपनियों ने हिस्सा लिया और 117 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर ऋषिपाल सिंह, प्रधानाचार्य शिवचरण, कार्यदेशक बिजेंद्र सिंह, अनुदेशक अमरजीत, जिला कौशल प्रबंधक पवन सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक विकास कुमार, रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

जैसे पानी के बिना जीवन संभव नहीं, वैसे ही श्रद्धा के बिना धर्म और जीवन दोनों अधूरे

शामली। दिगंबर जैन साधु सेवा समिति एवं सकल जैन समाज शामली के संयुक्त तत्वावधान में दिगंबर जैन धर्मशाला पर आयोजित धर्मसभा में 108 मुनि विव्रत सागर महाराज ने श्रद्धा और जीवन के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि जैसे पानी के बिना जीवन संभव नहीं, वैसे ही श्रद्धा के बिना धर्म और जीवन दोनों अधूरे हैं। मुनिश्री ने कहा कि आज लोगों के पास जानकारी है, लेकिन ज्ञान नहीं। केवल सच्चे गुरु की शरण में जाकर ही ज्ञान संभव है। उन्होंने भक्ति, वैराग्य और आत्मकल्याण की आवश्यकता पर बल दिया। धर्मसभा में मंगल कलश स्थापना की गई, जिसमें प्रथम कलश प्रेमचंद संजीव कुमार जैन परिवार द्वारा एवं अन्य कलश शशांक जैन, सोमेश कुमार जैन, विनोद जैन, गौरव जैन सहित कई श्रद्धालु परिवारों द्वारा स्थापित किए गए। विशेष रूप से एक कलश भारतवर्षीय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के लिए आरक्षित रहा। कार्यक्रम के अंत में महा आरती जुगल जैन परिवार द्वारा एवं भोजन प्रसादी राजकुमार जैन परिवार द्वारा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

बस्ता प्रतियोगिता का आयोजन किया

शामली। शहर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बस्ता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की 375 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। विद्यालय की बालिका हर्षिता, परिधि, अपूर्वा, मानवी, राधिका, मनप्रीत, सृष्टि रानी, परिणीति, कनिका, राधिका, वंशिका गोयल, पलक, नैंसी सैनी, वैष्णवी, आंचल ने प्रथम स्थान अंशिका, आयशा सैफी, अनीशा,

पूजा, साक्षी, अवनी, आयुषी, रानी, अनुश्री, आकांक्षा, प्राची ने द्वितीय स्थान, कनक, शगुन, वादी, पाखी, सिया, अंजलि, सृष्टि शर्मा, वेदांशी, वृंदा, रौनक, आयुषी, प्रिया, तनु, सुप्रिया, दिव्यांशी, भारती, अनन्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा वीणा अग्रवाल, सचिव रेखा गोयल, राष्ट्र सेविका समिति की विभाग संपर्क प्रमुख सुनीता पाल, अंशिका पाल व योगाचार्य प्रिया भट्ट, प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार ने बालिकाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं को समय पर कार्य करने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर अमित कुमार, गीता रानी, अनीता, उपासना, संजीव कुमार, संदीप कुमार, कविता आदि मौजूद रहे।

नगर पंचायत बनत में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया

शामली। सोमवार को नगर पंचायत बनत में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभासदों ने स्वकर प्रमाली को लागू न किए जाने की मांग करते हुए हंगामा किया। बोर्ड बैठक में सभासद कक्ष निर्माण, टेंडर हो चुकी सडकों का निर्माण और कांवड मार्ग पर साफ सफाई जैसे प्रस्ताव पास हुए। सोमवार को नगर पंचायत बनत के सभागार में अध्यक्ष कुसुम देवी की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई।

बोर्ड बैठक में एजेंडा प्रस्तुत किया गया। इस दौरा न सभासदों ने स्वकर प्रणाली को लागू न किए जाने की एक स्वर में मांग रखी। उन्होने स्वकर प्रणाली को लेकर हंगामा भी किया। कहा कि पहले ही गरीबों पर टैक्स का रूपया जमा नहीं हो रहा है और स्वकर प्रणाली लागू होने से पैसा 20 गुणा बढ जायेगा। इस दौरान बोर्ड ने सर्वसम्मति से स्वकर प्रणाली को लागू न किए जाने का प्रस्ताव पास किया। इस दौरान सभासद कक्ष निर्माण, टेंडर हो चुकी सडकों का निर्माण और कांवड मार्ग पर साफ सफाई जैसे प्रस्ताव पास हुए। सभासद इकराम उर्फ मुन्नु ने डोर टू डोर कूडा कलैक्शन को लेकर नाराजगी जाहिर की और एलांउस कराकर कूडा उठाने की मांग की। इस अवसर पर ईओ देवकीनंदन, सभासद अमरेश, इकराम अली उर्फ मुन्नी, अजय कुमार, दीपक कुमार, कमल, नीरज कुमार, सुनीता, सरमिला, योगेन्द्र, हरबीर, शहनाज, उमा, पूजा आदि मौजूद रहे।

शामली में बालक वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं को मिला सम्मान

शामली। खेल निदेशालय लखनऊ के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय शामली द्वारा एक दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन जसाला स्थित ग्रामीण स्पोर्ट्स स्टेडियम के कुश्ती हॉल में किया गया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग के दस विभिन्न भार वर्गों में मुकाबले आयोजित किए गए, जिसमें जनपद शामली के युवा पहलवानों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मनीष चौहान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए युवाओं से खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा आकर्षक पुरस्कारों एवं ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप क्रीड़ाधिकारी अश्वनी कुमार त्यागी ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में कुश्ती प्रशिक्षक प्रशांत मलिक, प्रदीप चौधरी, गौरव मलिक सहित अभिषेक कुमार, विनय, मनीष और अन्य गणमान्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एसपी रामसेवक गौतम ने किया कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

कैराना। रविवार देर शाम एसपी शामली रामसेवक गौतम कैराना पहुंचे। जहां पर उन्होंने कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित पब्लिक इण्टर कॉलिज में हर वर्ष लगने वाले कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया। एसपी ने शिविर संचालकों द्वारा शिवभक्तों के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने शिविर संचालकों को पूरी तन्मयता, निष्ठा एवं

समर्पण भाव के साथ में शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करने को कहा है। शिविर में संचालकों की ओर से शिवभक्त कांवड़ियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा, पेयजल, भोजन एवं विश्राम की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर एडीएम परमानंद झा, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल चौहान, भाजपा नेता मनीष चौहान, सीओ कैराना श्यामसिंह, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, नपा ईओ समीर कश्यप, व्यापारी नेता अंकित गोयल, भाजपा नगराध्यक्ष अतुल मित्तल, आशीष अग्रवाल, शगुन मित्तल एडवोकेट, अतुल गर्ग, संजीव गोयल, विपुल जैन रामकुमार सिंघल, शक्ति सिंघल एडवोकेट, अभिषेक गोयल, आशु गर्ग, जयपाल कश्यप, संजय कांबोज, राकेश, विपुल आदि मौजूद रहे।

शिक्षा, ज्ञान व शान्ति की प्रेरणा थे स्वामी कल्याणदेव-नायब सिंह सैनी

धर्म, संस्कृति, समाज की अमूल्य धरोहर स्वामी कल्याण देव का जीवन-ओमानन्द महाराज

मोरना। शिक्षाऋषि वीतराग स्वामी कल्याणदेव महाराज की 21 वीं पुण्यतिथि शुकदेव आश्रम में पारम्परिक रूप से मनाई गयी। आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सर्व प्रथम बृहमलीन स्वामी कल्याणदेव महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की व स्वामी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा महर्षि शुकदेव इंटर कॉलिज मे स्थापित स्वामी कल्याणदेव महाराज की प्रतिमा का वर्चुअल लोकार्पण किया जिसके बाद प्राचीनवट वृक्ष की परिक्रमा कर मनोकामना सिद्धि को धागा बांधा व शुकदेव मंदिर मे पूजा अर्चना की तथा सभागार मे बृहमलीन संत को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा साधु संतों से आशीर्वाद लेकर विभिन्न आठ भाषाओं में छपी शुकतीर्थ साहित्य नामक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया तथा अपने सम्बोधन मे ब्रह्मलीन संत के जीवन पर प्रकाश डाला व आश्रम मे स्थित हरियाणा भवन मे 11 लाख रूपये देने की घोषणा की। महाभारत कालीन तीर्थ नगरी शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक 366 से अधिक शिक्षण संस्थाओं के संस्थापक, पदम् श्री, पदम् भूषण से सम्मानित आध्यात्मिक संत स्वामी कल्याणदेव महाराज की पुण्यतिथि सोमवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गयी। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा की स्वामी कल्याण देव असाधारण संत थे। उनकी शिक्षाएं सदैव प्रेरणादायक रहेगी व आने वाली पीढ़ी के लिए मार्ग दर्शक का कार्य करेगी। बृहलीन संत ने ज्ञान, शिक्षा, समाज सेवा को धर्म बनाया। अनेक कॉलिंज, गुरुकुल की स्थापना करने के अलावा स्वास्थ्य के क्षेत्र मे कार्य कर अस्पतालो की स्थापना की। उनका मानना था की विद्या ही व्यक्ति को अंधकार से निकालती है। उन्होंने सच्चाई सेवा प्रेम का पाठ पढ़ाया। स्वामी जी की यात्राएं केवल भौतिक नहीं थी वरन विचारों व सिद्धांतो का प्रचार-प्रसार करने वाली थी।उन्होंने अनेक व्यक्तियों को सही मार्ग दिखाकर उनके जीवन को नई दिशा देने का काम किया। शुकदेव आश्रम अध्यात्म का ही केन्द्र नहीं बल्कि शिक्षा, सेवा ओर सेवा ओर संस्कृति का प्रतीक है, जब मै प्रदेश अध्यक्ष था तब यहाँ आशीर्वाद लेने के लिए आया था। उत्तर प्रदेश मे चुनाव के दौरान भी उन्होंने पार्टी के लिए यहां रहकर कार्य किया। 2017 के पूर्व प्रदेश मे कानून व्यवस्था खराब थी दोपहर मे भी लोग यात्रा करते डरते थे। अब रात मे भी कहीं भी यात्रा कर सकते हैं। मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व प्रदेश की कानून व्यवस्था मज़बूत हुई है। इस प्रदेश ओर राष्ट्र के लिए हम निरंतर काम करें मोदी व योगी जी मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनायेगे। स्वामी ओमानन्द महाराज ने कहा की भारत ऋषियों मुनियों का देश रहा है। साधु संतो के पुरुषार्थ से जगत का कल्याण हुआ है।बृहमलीन स्वामी ने एक करोड़ गायत्री मंत्रो का जाप कर शुकतीर्थ मे तपस्या को आरम्भ किया था। उन्होंने ने शिक्षा व अपने विचारों से समाज को नई दिशा देने का काम किया। उनकी सेवा साधना समाज के लिए सदैव प्रेरणादायक रहेगी। शिक्षित समाज ही देश की उन्नति का रीढ़ होता है। बृहमलीन संत ने भागवत उदगम स्थली जैसे पौराणिक तीर्थ का जीरर्णोद्धार सनातन संस्कृति को जीवित रखने मे महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज देश ही नहीं विदेशों से लोग आश्रम में आकर स्वामी जी की सेवाओं का स्मरण करते हैं। दीर्घायु जीवन मे निष्पक्ष, निर्भीक, निर्विवाद रहना आसान बात नहीं है।योग साधना के साथ उन्होंने लोक साधना भी की। संतो का जीवन व शरीर परोपकार के लिए होता है। बृहमलीन स्वामी सूक्ष्म रूप मे सदैव हमारे बीच मे रहेंगे। कार्यक्रम के उपरांत शुकतीर्थ साहित्य पुस्तक का विमोचन किया गया तथा प्रसाद वितरण कर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर स्वामी कनक प्रभानन्द सरस्वती, महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज, भरत देव महाराज, सांसद रामचन्द्र जांगडा, गोरधन दास महाराज, कुंवर देवराज पंवार, भाकियू नेता नरेश टिकैत, किसान नेता युद्धवीर सिंह, एम एल रंगा, विधायक मिथलेशपाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, पूर्व विधायक विक्रम सैनी, रमेश मलिक, राजेश्वर दत्त त्यागी, कुलपति शाकुम्भरी देवी विश्व विद्यालय विमला, युवा भाजपा नेता अमित राठी, अजय कृष्ण शास्त्री, विनोद शर्मा, गिरिशचंद उप्रेति, अचल शास्त्री, सुमन शास्त्री, संदीप दास, अजय कृष्ण शास्त्री, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा पुलिस अधीक्षक देहात आदित्य बंसल, उपजिलाधिकारी जयेंन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी प्रेम शंकर मिश्रा, थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व डीजीपी के पी सिंह ने की व संचालन ट्रस्टी तथा प्रबंधक ओमदत्त आर्य ने किया।

शुकतीर्थ साहित्य पुस्तक का विमोचन किया- शुकतीर्थ के साढे पांच हजार वर्ष के प्राचीन इतिहास के ज्ञान व शुकतीर्थ की महत्ता तथा विशेषता पर प्रकाश डालने वाली पुस्तक शुकतीर्थ साहित्य जिसका प्रकाशन शुकदेव आश्रम से किया जाता है। पुस्तक के नये संस्करण का विमोचन श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया।

बारिश के कारण सड़क मार्ग से पहुंचे सी एम- चंढीगढ़ मे मौसम खराब होने के करण मुख्यमन्त्री नायब सिंह सैनी का हेलीकोप्टर उड़ान न भर सका, जिस कारण मुख्यमंत्री को सड़क के रास्ते शुकतीर्थ मे आना पड़ा और कार्यक्रम मे वह दस बजे के स्थान पर 12 बजे पहुंचे दो घंटे देरी से पहुँचने के बाद भी मुख्यमंत्री दो घंटे कार्यक्रम मे मौजूद रहे और दो बजे हेलीकाप्टर द्वारा वापस चले गये।

मुख्यमंत्री की सादगी से प्रभावित हुआ आमजन- हरियाणा के मुख्यमंत्री की सादगी को देख प्रत्येक दंग रह गया। मुख्यमन्त्री जिस आत्मीयता से जनता के बीच गये उसे देख प्रत्येक उनसे प्रभावित हुआ। साधारण स्वभाव, मृदु भाषी मुख्य मन्त्री को अपने बीच देख प्रत्येक गदगद हो गया। इस दौरान अनेक व्यक्तियों ने उन्हें मोमेंटो भेंट किये-पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

अज्ञात चोरों ने किसान के खेत से पॉपुलर के पेड़ काटे

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम नंगला खेपड़ में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक किसान के खेत से 18 पॉपुलर के पेड़ काट लिए। ग्राम नंगला खेपड़ निवासी किसान राज सिंह पुत्र मेघराज ने मीरापुर थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके खेत में लगे 18 पॉपुलर के पेड़ अज्ञात चोरों द्वारा रात के समय काट लिए गए और उन्हें किसी वाहन में भरकर ले जाया गया। पीड़ित के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम देर रात का है, जब खेत सुनसान रहते हैं, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने बड़ी आसानी से वारदात को अंजाम दे दिया।राज सिंह ने इस मामले में खेत के ही पड़ोसी दो किसानों पर पेड़ों की चोरी का शक जताया है। पुलिस ने किसान की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पांच साल महिला के साथ यौन शोषण-मारपीट, कार्रवाई की मांग

मोरना। पूर्वांचल तथा दूसरे राज्यों से महिलाओ को लाकर उनके साथ दुर्व्यवहार करने तथा शारीरिक शोषण करने के मामले लगातार प्रकाश मे आ रहे हैं।पूर्वांचल के जनपद निवासी महिला ने शारीरिक शोषण व मारपीट करने का आरोप लगाते हुए क्षेत्र निवासी आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जनपद गोरखपुर के एक गांव निवासी महिला ने थाने पर दी तहरीर मे बताया की पांच वर्ष पूर्व शुक्रताल निवासी एक युवक उसे बहका फुसला कर साथ ले आया था।युवक शादी करने का झांसा देकर आरोपी ने उससे शारीरिक संबंध बना लिए जिसके बाद उसने दो पुत्रियों को जन्म दिया। युवक द्वारा एक पुत्री की उचित देखभाल व समय पर उपचार न कराने के कारण डेढ़ वर्ष बाद मृत्यु हो गयी। आरोपी उसके साथ लगातार मारपीट करने लगा।मारपीट व असहनीय व्यवहार के कारण उसने चार वर्षीय पुत्री को अपने साथ रखकर शुक्रताल निवासी एक पुत्र के पिता विदुर व्यक्ति से कोर्ट मे शादी कर ली। दोनों पति पत्नी सकुशल रह रहे हैं। की आरोपी युवक व उसके जीजा ने उसे पकड़ कर ज़बरदस्ती घर मे बंधक बनाकर मारपीट की। दोनों की अनुपस्थिति मे वह किसी प्रकार घर से निकल कर थाने पहुंची पीड़िता ने आरोपी जीजा साले के खिलाफ कार्रवाई की गुहार पुलिस से लगाई है।

लायंस क्लब उन्नति ने शिव-पार्वती संग उल्लासपूर्ण ढंग से मनाया तीज उत्सव

मुज़फ्फरनगर। लायंस क्लब मुजफ्फरनगर उन्नति द्वारा तीज महोत्सव का रंगारंग आयोजन मूलचंद रिज़ॉर्ट में हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम बॉलीवुड रखी गई, जिसमें सभी सदस्य पारंपरिक लाल-हरी परिधानों में सजे-धजे नजर आए। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ, जिसके उपरांत क्लब अध्यक्ष लायन अमित मित्तल ने सभी को तीज की शुभकामनाएं दीं। आयोजन का सफल संयोजन लायन प्रतिभा बंसल एवं लायनेड प्रगति मित्तल के निर्देशन में हुआ, जिसमें पूर्व अध्यक्ष लायन मनीष बंसल का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रही बाल कलाकार काव्या मित्तल और आराध्या बंसल द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण शिव-पार्वती नृत्य, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया, इसके साथ ही लायन और लायनेड सदस्यों ने बॉलीवुड गीतों पर नृत्य, मनोरंजक प्रतियोगिताएं, और खेलों का भी भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन में डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट एम्बेसडर सीए लायन अजय अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर लायन रीना अग्रवाल, जोन चेयरमैन सीए लायन मनीष बंसल, पूर्व रीजन चेयरमैन लायन अतुल ऐरन व लायनेड तनुजा ऐरन, लायन दीप व ममता अग्रवाल, लायन निखिल मित्तल व शालू मित्तल, लायन मनीष जैन व अर्चना जैन, लायन हिमांशु गुप्ता व सोम्मया गुप्ता, डॉ. प्रवेश, लायन अनुपमा, लायन दिनेश गर्ग व नेहा गर्ग, लायन मुकुल व नीतू गोयल, लायन सचिन व खुशबू गोयल, लायन अनुज व रूचि मित्तल, लायन नितिन व प्रगति गोयल, लायन आकाश व निधि अग्रवाल, लायन राजेश व अनुराधा मित्तल सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्लब में अनिल कुमार गुप्ता, अनुराधा गुप्ता, राजकुमार जिंदल एवं कशिश जिंदल को नव सदस्य के रूप में शामिल कर सदस्यता स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी परिवारों को घेवर का डिब्बा भेंट स्वरूप प्रदान किया गया, और उपस्थितजनों ने चटपटी चाट व स्वादिष्ट रात्रिभोज का आनंद लिया। इस भव्य आयोजन की जानकारी क्लब मीडिया चेयरमैन एवं डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल कंसल ने दी।

19वें विशाल कावड़ सेवा शिविर का शुभारम्भ

शाहपुर। श्रावण मास के पावन अवसर पर हरिद्वार व गोमुख से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकले शिवभक्तों की संख्या इस मार्ग पर दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। ऐतिहासिक गांव सोरम में सोमवार को 19वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। सोरम के गेट नंबर 1 पर आयोजित इस शिविर की शुरुआत यज्ञ और हवन पूजन के साथ की गई, जिसमें यज्ञ के ब्रह्मा पंडित जनार्दन शर्मा तथा यजमान सूबेदार पर्णपाल फौजी रहे। शिविर का विधिवत उद्घाटन ग्राम प्रधान करनवीर सिंह व पंडित जनार्दन शर्मा ने फीता काटकर किया। यह सेवा शिविर पिछले उन्नीस वर्षों से नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन हजारों शिवभक्त कांवड़ियों को नि:शुल्क भोजन, दवाइयों एवं विश्राम की सुविधा प्रदान की जाती है। इस वर्ष भी शिविर में भक्तों के विश्राम, स्वास्थ्य, जलपान व मार्गदर्शन की व्यापक व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता यशपाल बालियान, महामंडलेश्वर जयराम स्वरूप ब्रह्मचारी, ऋषिपाल सिंह, प्रमोद कुमार, डॉ. बसंत प्रजापत, जयपाल, अमित, मा. रामपाल सिंह, वीरेंद्र वर्मा, लाला दीपक गोयल, मनोज विश्वकर्मा, योगेंद्र सिंह, रजनीश सेन, रुडा सेन, डॉ. लोकेन्द्र बालियान, राजीव कुमार, विकास बालियान, मांगेराम सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धा के साथ उपस्थित रहे। वहीं, सोरम के दूसरे गेट के निकट भी ठेकेदार धर्मपाल कश्यप द्वारा कांवड़ सेवा शिविर का हवन पूजन कर शुभारंभ किया गया।

ग्राम खेड़ी सराय में ग्रामीणों ने प्रशासन से की जलभराव से निजात दिलाने की मांग

मीरापुर। मीरापुर क्षेत्र के ग्राम खेड़ी सराय में भारी जलभराव से ग्रामीणों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के मुख्य मार्गों और गलियों में पानी जमा होने के कारण लोगों का आना-जाना दूभर हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पूर्व में भी कई बार इस संबंध में ग्राम प्रधान सहित उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजे गए हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि बरसात के पानी में गंदगी और कीड़े पनपने लगे हैं, जिससे बीमारियों के फैलने का अंदेशा बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि इस जलभराव से स्कूल जाने वाले बच्चों, खेतों में जाने वाले किसानों और रोजमर्रा के कार्यों के लिए बाहर निकलने वाले लोगों को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उधर मार्ग में एक शिवालय भी है जिसमें पहुंचने पर लोगो को भारी समस्या का सामना करना पड रहा है। शिवरात्रि के मौके पर बडी संख्या में कावडिये उक्त मंदिर पर हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लाकर जलाभिषेक करते हैं। रास्तों पर भरा यह गंदा पानी न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है बल्कि इसमें मच्छरों का भी तेजी से प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। ग्राम निवासी अतुल कुमार वशिष्ठ, मिंटू, रामनिवास, विजय शर्मा, श्यामवीर, अजय शर्मा, ओमवीर, सन्नू, राजीव शर्मा, कपिल शर्मा और राजीव कुमार आदि ने जलभराव से निजात दिलाने की मांग की है।

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में आचार्यकुल संस्था ने बालिकाओं को भेंट किया वाटर कूलर, वृक्षारोपण व कार्यशाला का भी आयोजन

मुजफ्फरनगर। जिला आचार्यकुल संस्था द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य और सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज, जडौदा में शीतल जल हेतु एक वाटर कूलर भेंट स्वरूप प्रदान किया गया, इसका लोकार्पण समारोह बड़े उत्साह के साथ आयोजित हुआ। लोकार्पण राष्ट्रीय संरक्षक होतीलाल शर्मा, आर.के. मार्शल, लोकेश चंद्रा, गुडविल सोसायटी अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, पं. शिवकुमार, इंजी. राजेंद्र शाहनी, आचार्य सीताराम, सत्यप्रकाश शर्मा, डॉ. सुनील शर्मा, सतीश विश्वकर्मा, अरुण कुमार, पूनम मार्शल, रेणुका जयमिनी, डॉ. राजीव कुमार तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवेंद्र दहिया द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। साथ ही विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें संस्कार, आत्मविकास और जीवन के उद्देश्यपूर्ण आयामों से परिचित कराया गया। कार्यशाला में इंजी. राजेंद्र साहनी ने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण अत्यंत आवश्यक है। लक्ष्य को पाने के लिए कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पित जीवनशैली जरूरी है। होतीलाल शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों जैसे सत्य, ईमानदारी और न्याय को अपनाना चाहिए। सामाजिक और आध्यात्मिक संस्कार व्यक्ति को जीवन जीने की सच्ची कला सिखाते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव कुमार ने किया और अंत में प्रधानाचार्य प्रवेंद्र दहिया ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर आभार प्रकट किया।

सावन के प्रथम सोमवार को शिवालयों में हुआ जलाभिषेक

मीरापुर। सावन के प्रथम सोमवार को शिवालयो में जलाभिषेक करने वाले भक्तो की भारी भीड सांयकाल तक चलती रही। मंदिरो में आज विशेष सजावट का आयोजन किया गया। सावन के प्रथम सोमवार होने के कारण क्षेत्र के समस्त शिवालयो तथा एशिया प्रसिद्ध पंचमुखी महादेव मंदिर सम्भलहेडा, देवल शिव मंदिर पर प्रात काल से ही भक्तो ने जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। मंदिरो में भक्तो ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए बेल पत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, पंचामृत, गंगाजल अर्पित किया। भक्तो ने कई मंदिरो में श्रद्धापूर्वक विद्धान पंडितो द्वारा रूद्रभिषेक भी कराया। क्षेत्र के काली मंदिर, गंगा मंदिर, योगमाया मंदिर, राम मंदिर, योगमाया मंदिर, बालाजी धाम व एशिया प्रसिद्ध पंचमुखी महादेव मंदिर तथा मनकेश्वर महादेव मंदिर के शिवालयो में भक्तो ने बडी संख्या में जाकर पूजा अर्चना की।

सनातन धर्म इंटर कॉलेज में वृक्षारोपण कर पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

मीरापुर। सनातन धर्म इंटर कॉलेज मीरापुर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीपल, जामुन, बरगद सहित कई फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विकास शर्मा के नेतृत्व में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. प्रवीण शर्मा, भाजपा, डॉ. अशोक, अरुण शर्मा, राजेश शर्मा, प्रद्युम्न शर्मा, सुनील शर्मा समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इस सराहनीय पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और वृक्षारोपण कर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया गया, जिसमें प्रधानाचार्य डॉ. विकास शर्मा ने विद्यालय की वर्तमान गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी सभी सम्मानित अतिथियों को दी। उन्होंने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ छात्रों में सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारियों की भावना विकसित करने के उद्देश्य से ऐसे आयोजनों को समय-समय पर आयोजित किया जाता रहेगा। डॉ. विकास शर्मा ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी विद्यालय के विकास एवं जनकल्याण हेतु सभी से सहयोग बनाए रखने की अपील की।

नाबार्ड के 44वें स्थापना दिवस पर छपार में गूंजा 'एक पेड़ माँ के नाम' का नारा

वित्तीय साक्षरता और हरित क्रान्ति की ओर एक कदम: ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण पर नाबार्ड ने दोहराई प्रतिबद्धता

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड ने मुजफ्फरनगर के पुरकाजी ब्लॉक स्थित बी-पेक्स छपार में अपना 44वां स्थापना दिवस समारोह गरिमामय तरीके से आयोजित किया। इस अवसर पर सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने, ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलों पर चर्चा करने के साथ ही ग्रामीणों को वित्तीय साक्षर भी किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त, अरिमर्दन सिंह गौर, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सहकारी समितियों के महत्व और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नाबार्ड की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सहभागियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि अरिमर्दन सिंह ने सहकारिता विभाग की ओर से किसानों के लिए चल रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान किसानों ने अपनी समस्याओं को भी अरिमर्दन सिंह के सामने रखा, जिस पर उन्होंने किसानों की समस्याओं का निस्तारण करने का पूरा आश्वासन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीएम नाबार्ड निलय वत्स ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में, नाबार्ड ने एक विशेष और प्रेरणादायक अभियान एक पेड़ माँ के नाम का शुभारंभ किया है। इस अभियान का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनमानस में संवेदनशीलता जगाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना भी है। उन्होंने इस अभियान के महत्व के बारे में सहभागियों को विस्तार से बताया और उन्हें इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। समारोह का एक महत्वपूर्ण आकर्षण प्राथमिक कृषि तर्ण समिति के किसानों को वित्तीय साक्षर करने के साथ ही वित्तीय जागरूक करना था। इस सत्र में क्रिसिल फाउंडेशन क्रिसिल फाउंडेशन की सीबीओ कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफिसर शीजा खानम ने उपस्थित जनसमूह को वित्तीय साक्षरता के महत्व पर विस्तृत रूप से जागरूक किया। अपने सत्र में, उन्होंने बचत के विभिन्न तरीकों, निवेश के विकल्पों, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाने और विशेष रूप से बढ़ते साइबर फ्रॉड से बचाव के तरीकों पर गहनता से प्रकाश डाला। शीजा खानम ने समझाया कि सही वित्तीय ज्ञान ग्रामीण समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकता है और उन्हें भविष्य की अनिश्चितताओं से निपटने में मदद कर सकता है। इस अवसर पर नाबार्ड ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि वह सहकारी क्षेत्र के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण आजीविका को सशक्त करने और सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। कार्यक्रम के समापन पर बी-पेक्स छपार परिसर में एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी सहभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस कार्यक्रम में डीडीएम नाबार्ड निलय वत्स, सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त, अरिमर्दन सिंह गौर, डिप्टी एलडीएम प्रभात कुमार गौतम, एफएलसी हेमन्त त्यागी, पेक्स सचिव रविता मलिक, सोसायटी चेयरमैन संजय कुमार त्यागी, डायरेक्टर कुलदीप, अरशद, सहकारी समिति के सदस्य, कृषि विभाग के अधिकारी, एवं अन्य गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण व किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया।

बारिश के मौसम में पेड़-पौधों पर दीमक ने बसा लिया है घर? इस 1 सफेद चीज का करें छिड़काव...होगा सफाया

बरसात के मौसम में कीड़े-मकौड़े बहुत ही परेशान करते हैं। खासकर इस मौसम में दीमक की समस्या सबसे ज्यादा होती है। दीमक घर ही नहीं बल्कि पेड़-पौधों पर भी आतंक मचाने लगते हैं। ऐसे में एक घोल की मदद से आप पौधों से दीमकों का सफाया कर सकते हैं।

बारिश का मौसम बागबानी के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। इस मौसम में पेड़-पौधे बहुत ही हरे-भरे नजर आते हैं। हालांकि, इसके साथ ही कई तरह के कीड़े-मकौड़े भी पेड़-पौधों पर आतंक मचाने लगते हैं। बारिश के मौसम में पेड़-पौधों में दीमक घर बसा लेते हैं। एक बार अगर किसी पौधे पर दीमक लग जाए, तो वो उसे खोखला ही कर देते हैं। दीमक की वजह से अच्छा खासा पौधा भी खराब हो सकता है। अगर एक बार दीमक किसी पौधे पर लग जाए, तो वो मर भी जाता है। ऐसे में आपकी सारी मेहनत खराब हो सकती है। एक गार्डनर के लिए अपने पौधे को खराब होता देखना बहुत मुश्किल होता है। अगर आपके पौधे में भी दीमक लग गए हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। आप एक घोल की मदद से इनसे छुटाकार पा सकते हैं।

क्या-क्या चाहिए?

छाछ, हींग, तांबे का टुकड़ा
मिट्टी का मटका

दीमक भगाने का घोल कैसे बनाएं?

पौधों से दीमक भगाने का घोल बनाने के लिए सबसे एक मिट्टी के मटके में छाछ लेनी है। इस छाछ के साथ आपको हींग भी मिलानी है। इन दोनों चीजों को 1 मिनट तक अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें एक एक तांबे का टुकड़ा डालकर इसे सूती कपड़े से ढक दें। मटके का मुंह अच्छे से बंद होना चाहिए। इस घोल को 1 हफ्ते के लिए किसी छांव वाली जगह पर रख दें। एक हफ्ते के बाद इस घोल को एक स्प्रे बॉटल में भर लें। इस तरह पेड़-पौधों से दीमक भगाने वाला आपका स्प्रे बनकर तैयार हो जाएगा।

पेड़-पौधों से दीमक कैसे भगाएं?

छाछ वाले इस तैयार कीटनाशक की मदद से आप किसी भी पौधे से दीमकों का सफाया कर सकते हैं। इसे स्प्रे बॉटल में डालकर पेड़ के दीमक वाले हिस्सों पर स्प्रे करें। इसे लगातार 2-3 दिनों तक स्प्रे करने पर आपको इसका अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा।
इन तरीकों से करें दीमकों का सफाया

- आप नीम के पत्तों की मदद से भी दीमकों को भगा सकते हैं। इसके लिए नीम के पत्तों को पानी में उबाल लें। इस पानी को पौधों पर स्प्रे करने से दीमकों का सफाया हो सकता है।
- तंबाकू को पानी में उबालकर उसे पौधों पर स्प्रे करने से भी आपको पेड़-पौधों पर होने वाली दीमकों से राहत मिल सकती है।

अपनी कमाई से खुद का घर खरीदना हर किसी का सपना होता है, लेकिन घर या फ्लैट खरीदना एक बहुत बड़ा पैसों का निवेश माना जाता है। आम तौर पर लोग गर्मी या ठंड में घर या फ्लैट खरीदना पसंद करते हैं, लेकिन रियल एस्टेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि बारिश में घर या फ्लैट खरीदना फायदेमंद सौदा है।

मानसून में घर खरीदना क्यों होता है सबसे समझदारी भरा फैसला?

हर किसी का सपना होता है कि जिंदगी में एक बार खुद के पैसों से घर खरीदें। लेकिन, आजकल महंगाई के दौर में घर खरीदना बहुत बड़ा निवेश माना जाता है, इसलिए लोग इसे खरीदने से पहले कई तरह से जांच-पड़ताल करते हैं और फिर खरीदते हैं। कई बार लोगों के मन में सवाल आता है कि घर या फ्लैट खरीदने का सबसे सही मौसम कौन सा होता है। ज्यादातर लोग गर्मी या सर्दी के मौसम में घर खरीदना सही समझते हैं, क्योंकि उस समय मौसम अच्छा होता है और घर देखने जाना भी आसान होता है। लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी कि प्रॉपर्टी एक्सपर्ट्स का मानना है कि मानसून के दौरान यानी बारिश के मौसम में घर या फ्लैट खरीदना असल में ज्यादा समझदारी भरा फैसला होता है।

बारिश के मौसम में घर या फ्लैट खरीदने से आपको बिल्डिंग की असली हालत देखने को मिलती है और आस-पास की जगह की असली तस्वीर सामने आ जाती है, जिससे घर के अंदर छिपी कमियों का पता चल जाता है। इसके अलावा, इस मौसम में आपको छूट और ऑफर भी मिल सकते हैं क्योंकि खरीददारों की संख्या कम होती है।

बारिश में कम लोग खरीदते हैं और आपको मिल सकती है बेहतर डील

मानसून के दौरान ज्यादातर लोग घर या फ्लैट खरीदने से बचते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि बरसात में घर देखने जाना मुश्किल होगा। ऐसे में रियल एस्टेट बाजार में खरीददारों की संख्या घट जाती है, जिससे बिल्डर्स और प्रॉपर्टी के मालिक अपने फ्लैट या मकान पर आपको छूट और ऑफर देने लगते हैं।

बारिश में घर की असली हालत पता चलती है

जब आप घर या फ्लैट खरीदने के लिए उसे गर्मी या सर्दी के मौसम में देखते हैं, तो वहां आपको सब कुछ साफ-सुथरा और ठीक-ठाक लग सकता है। लेकिन, जब आप बारिश में घर या फ्लैट की जांच करने जाते हैं, तो आपको घर की दीवारों, छतों और बालकनी में पानी का रिसाव, सीलन, नमी और लीकेज जैसी परेशानियां साफ दिखाई दे जाती हैं। ये सब देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि घर कितना मजबूत और वाटरप्रूफिंग वाला है।

इलाके की असली हालत जानें

जब आप घर या फ्लैट खरीदने का सोचते हैं, तो आप केवल घर ही नहीं, बल्कि उसके आस-पास के इलाके का भी ध्यान रखते हैं। बारिश के मौसम में इसकी सही परख हो पाती है। मानसून में आप साफ-साफ देख पाते हैं कि जहां आप घर या फ्लैट खरीदने जा रहे हैं, वहां की सड़कों में पानी भर जाता है या नहीं, क्या आपके अपार्टमेंट या कॉलोनी के पास पानी जमा होता है, क्या बारिश के बाद आपके इलाक़े में बहुत ट्रैफिक लग जाता है और बारिश के बाद ऑफिस जाना या बाहर निकलना आसान है या मुश्किल? इन सभी का अनुभव आपको बारिश के मौसम में लाइव हो जाता है।

मानसून में मिलते हैं बेहतर सौदे और लोन में राहत

रियल एस्टेट एक्सपर्ट का मानना है कि मानसून के दौरान घर या फ्लैट खरीदना आर्थिक रूप से भी फायदेमंद हो सकता है। इस मौसम में बैंकों में लोन की मांग कम होती है, जिसकी वजह से आपको कम ब्याज दरों या आसान EMI विकल्पों के साथ होम लोन मिल सकता है।

प्लॉट खरीदने से पहले जरूर चेक कर लें ये चीजें, कहीं डूब ना जाए जिंदगी भर की मेहनत की कमाई

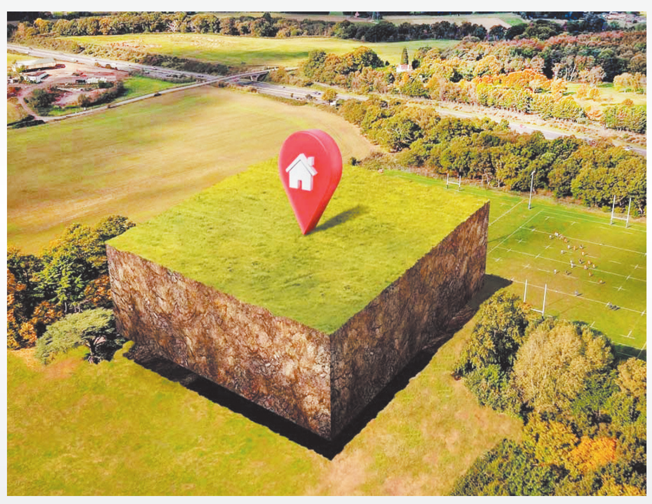

क्या आप भी प्लॉट खरीदने का प्लान बना रहे हैं? अगर आप भी जमीन खरीदने वाले हैं, तो आपको कुछ जरूरी दस्तावेज जरूर चेक कर लेने चाहिए। अगर आप कुछ चीजें चेक किए बिना प्लॉट लेते हैं, तो आपकी मेहनत की कमाई डूब भी सकती है। हर किसी का सपना होता है कि उसके पास अपना खुद का घर हो। इसके लिए लोग जीवन भर पैसे जोड़ते हैं, तब जाकर कहीं अपने खुद के घर का सपना पूरा कर पाते हैं। कुछ लोग बना बनाया घर लेना पसंद करते हैं, तो कुछ प्लॉट खरीदकर उस पर अपनी पसंद का घर डिजाइन करना सही समझते हैं। बहुत से लोग पैसों को इंवेस्ट करने के इरादे से भी प्लॉट्स खरीदते हैं, ताकि उन्हें भविष्य में उस प्लॉट से अच्छा मुनाफा मिल सके। अगर प्लॉट खरीदते हुए कुछ बातों का ख्याल ना रखा जाए, तो इससे फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। अगर आप प्लॉट खरीदने से पहले कुछ चीजें चेक नहीं करते, तो आपकी मेहनत की कमाई डूब भी सकती है। आइए जानें, प्लॉट खरीदने से पहले क्या-क्या चेक करना चाहिए?

टाइटल डीड चेक कर लें

कोई भी प्लॉट खरीदने से पहले उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच करना बहुत ही जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको भारी नुकसान हो सकता है। इससे आपके सारे पैसे भी डूब सकते हैं। ऐसे में प्लॉट खरीदने से पहले उसकी टाइटल डीड जरूर चेक करें। टाइटल डीड से आपको यह पता लगेगा कि जमीन का असली मालिक कौन है। जमीन के असली मालिक को ही प्लॉट बेचने का हक होता है। ऐसे में चेक कर लें कि कहीं कोई और तो आपको जमीन नहीं बेच रहा है।

इन डॉक्यूमेंट्स की भी करें जांच

टाइटल डीड के अलावा भी आपको कई जरूरी दस्तावेजों की जांच करनी होगी। प्लॉट की डील फाइनल करने से पहले जमीन की खतौनी और खसरा नंबर जैसे डॉक्यूमेंट भी देख लें। साथ ही, प्लॉट के रजिस्ट्रेशन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स भी देख लें। इस बात की भी जांच कर लें कि जमीन का रजिस्ट्रेशन हो रखा है या नहीं। म्यूटेशन रिकॉर्ड की भी जांच करें, ताकि पता लग सके कि जिससे आप प्लॉट ले रहे हैं, जमीन उसी के नाम है या नहीं।

इनकंब्रेंस सर्टिफिकेट चेक करें

जमीन लेने से पहले इनकंब्रेंस सर्टिफिकेट की भी जांच करें। यह सब रजिस्टार ऑफिस से मिल जाएगा। इस बात की जांच जरूर कर लें कि कहीं जमीन पर पहले से कोई लोन तो नहीं लिया गया है और अगर कोई लोन लिया गया था, तो वह पेंडिंग तो नहीं है। प्लॉट फाइनल करने से पहले ग्राम पंचायत, नगर निगम या विकास प्राधिकरण से एनओसी भी ले लें। अगर आप कोई खेती वाली जमीन खरीदकर उस पर घर बनाना चाहते हैं, तो कन्वर्जन सर्टिफिकेट भी जरूर ले लें।

जब भी हम कम्फर्टेबल रहने की बात करते हैं, तो अक्सर नए और ट्रेंडी डिजाइन वाले कपडों को खरीदते हैं। लेकिन कपड़ों के साथ-साथ हमें पैरों को भी कम्फर्टेबल रखना जरूरी होता है। इसे आप अलग-अलग आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं। चलिए आपको बताते हैं किस तरह के फुटवियर को आपको स्टाइल करना चाहिए।

हर आउटफिट के साथ अच्छे लगेंगे ये ओपन टो फुटवियर, ऐसे करें स्टाइल

जब भी हम कम्फर्टेबल रहने की बात करते हैं, तो अक्सर नए और ट्रेंडी डिजाइन वाले कपडों को खरीदते हैं। लेकिन कपड़ों के साथ-साथ हमें पैरों को भी कम्फर्टेबल रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे पैरों में दर्द भी नहीं होता है। साथ ही, पैर भी अच्छे लगते हैं। इस बार आप ओपन टो डिजाइन वाली फुटवियर को स्टाइल करें।

ओपन टो वर्क वाली फुटवियर

आप पैरों की सुंदरता को बढ़ाने के लिए ओपन टो वर्क वाली फुटवियर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। साथ ही, इसे पहनने के बाद आपके पैर अच्छे नजर आएंगे। इसमें ऊपर की तरफ थ्रेड वर्क और स्टोन मिलेगा। इसके साथ साइड में भी कटवर्क मिलेगा। इससे आपके पैरों में यह पहनने वाली फुटवियर अच्छी लगेगी। इस तरह के फुटवियर आपको 500 से 800 रुपये में मिल जाएंगे।

स्टोन वर्क वाली फुटवियर

आप पैरों को सुंदर दिखाने के लिए फोटो में नजर आने वाली फुटवियर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की फुटवियर काफी अच्छी लगती ह। इसमें आपको आगे और पीछे की तरफ स्टोन वर्क मिलेगा। इसमें आप चाहें तो हील्स भी ले सकती हैं। साथ ही, आप चाहें तो प्लेन भी ले सकती हैं। इसे आप अपने एथनिक और वेस्टर्न हर तरह के आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के फुटवियर 600 से 1,000 रुपये में मिल जाएंगे।

प्लेन डिजाइन वाली ओपन टो फुटवियर

आप अगर आपने पैरों को सुंदर बनाना चाहते हैं, तो आप प्लेन डिजाइन वाली ओपन टो फुटवियर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर पहनने के बाद अच्छे लगेंगे। इसमें आपके पैर अच्छे लगने लगेंगे। इसमें आप प्लेन डिजाइन को चूज करें। इसे आप किसी भी कलर के आउटफिट और पैटर्न के साथ वियर कर सकती हैं। आपको मार्केट में इस तरह की फुटवियर आसानी से मिल जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में 17 जुलाई तक तेज बारिश का खतरा, किन जिलों में ऑरेंज और कहां येलो अलर्ट?

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने चेतावनी दी है कि 14 से 17 जुलाई तक प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान कांगड़ा और सिरमौर जिलों में 14 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि मंडी, शिमला और सोलन जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। 15 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। 16 जुलाई को लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर बाकी सभी 10 जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। वहीं 17 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर में फिर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। 18 और 19 जुलाई को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन इन दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। रविवार को मानसून की रफ्तार कुछ धीमी रही और प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ बना रहा। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। बीते 24 घंटों के दौरान चम्बा जिला के जोत में सर्वाधिक 30 मिमी, शिमला के कुफरी में 20 मिमी और शिमला, चौपाल, कंडाघाट, पांवटा, सोलन और नारकंडा में 10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। इस बीच प्रदेश में भूस्खलन के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार को भूस्खलन के कारण एक नेशनल हाईवे समेत 227 सड़कें बंद रहीं। मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 172 सड़कें और एनएच-22 ठप पड़े हैं। मंडी के सराज उपमंडल में ही 93 सड़कें बाधित हैं। बिजली और पानी की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। यहां 30 जून को बादल फटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। प्रदेश में 76 बिजली ट्रांसफार्मर और 787 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। अकेले मंडी में 68 ट्रांसफार्मर और 175 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है, जबकि कांगड़ा में 612 पेयजल योजनाएं और हमीरपुर में 166 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं।

ओडिशा के पुरी में एच5एन1 वायरस से हड़कंप, सरकारी आदेश पर 6700 मुर्गियां मारी

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी जिले में बर्ड फ्लू (एच5एन1 वायरस) की पुष्टि के बाद प्रशासन ने तत्काल आपातकालीन नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया है। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, संक्रमण को रोकने के लिए 6700 से अधिक मुर्गियों को मारा गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले एक हफ्ते से गांव में मुर्गियों की रहस्यमयी मौतें हो रही थीं, लेकिन बर्ड फ्लू की पुष्टि तब हुई जब ग्रामीणों ने चिंता जताई और प्रशासन ने सैंपल लिए। जानकारी के अनुसार, पुरी जिले के डेलंगा ब्लॉक के बड़ा अंकुला गांव में बीते हफ्ते मुर्गियों की असामान्य मौतें देखने को मिली थीं। ग्रामीणों की शिकायत पर 9 जुलाई को लिए गए सैंपल जांच के लिए भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज भेजे गए थे। रिपोर्ट में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई। पुरी के मुख्य जिला पशु चिकित्सा अधिकारी शरत कुमार बेहेरा ने बताया कि क्षेत्र में 5 रैपिड रिस्पॉन्स टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया, संक्रमित क्षेत्र में जीवित पक्षियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सभी संक्रमित पक्षियों को 1 किलोमीटर के दायरे में मारने की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही आसपास के 5 गांवों से और सैंपल लिए गए हैं ताकि वायरस के फैलाव का पता लगाया जा सके। राज्य के मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने संक्रमित क्षेत्र का दौरा किया और नियंत्रण उपायों का जायजा लिया।

छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक खुशवंत साहेब पर हमला, गाड़ी का शीशा टूटा, हाथ में आई चोट

बेमेतरा, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में आरंग से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर हमला हुआ है। उनकी कार में असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है, जिससे कार का शीशा टूट गया है। विधायक के हाथ में चोट भी लगी है। सूचना पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। इस घटना ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाने के साथ राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक बेमेतरा जिले के नवागढ़ में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद विधायक गुरु खुशवंत साहेब वापस रायपुर लौट रहे थे। नवागढ़ ब्लाक के चारभांठा ढोलिया और भोईनाभांठा के बीच बायपास रोड पर अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थरबाजी की घटना हुई। वहीं इस मामले को लेकर गुरु खुशवंत साहेब का बयान सामने आया है।

उन्होंने कहा कि मुझे टारगेट किया गया या असामाजिक तत्वों ने हमला किया। यह जांच का विषय है। कार में जिस जगह पर मैं बैठा था, वहीं पत्थर से हमला हुआ। हमले के बाद गाड़ी फिसली, गाड़ी स्पीड होती तो बड़ी घटना हो सकती थी। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा- पुलिस जांच कर हमलावरों पर कार्रवाई करें। उन्होंने आगे बताया कि सीएम विष्णुदेव साय ने फोन करके घटना की जानकारी ली है। आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी कर दिया। वे बेमेतरा जिले के नवागढ़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रायपुर स्थित निवास लौट रहे थे। वापसी में चारभांठा ढोलिया और भोईनाभांठा के बीच बायपास रोड पर अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थरबाज़ी की गई। पत्थर इतनी तेज़ी से फेंके गए कि यदि गाड़ी धीमी होती तो सीधा कांच तोड़ते हुए पत्थर विधायक को लग सकता था। यह हमला अत्यंत गंभीर माना जा रहा है। इस घटना के तुरंत बाद विधायक के पर्सनल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी गई है। विधायक खुशवंत फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन इस हमले ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनास्थल पर फारेंसिक और पुलिस की टीम मौके भी पहुंची। विधायक पर पत्थरबाजी करने वाले आखिर कौन हैं या कोई बड़ी योजना थी... यह जांच के बाद ही पता चल पायेगा।

आंध्र प्रदेश में आमों से लदा ट्रक पलटा, नीचे दबकर 9 मजदूरों की मौत और 10 लोग घायल

अन्नमय्या, एजेंसी।
आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में रविवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। आमों से लदा एक ट्रक पलट गया जिससे 9 मजदूरों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं। मृतकों में 5 महिलाएं शामिल हैं। घायलों को राजमपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा पुल्लमपेटा मंडल के रेड्डी चेरुवु कट्टा में हुआ, जो कडपा शहर से लगभग 60 किमी दूर है। पुलिस के अनुसार, आमों के ढेर के ऊपर बैठे मजदूर ट्रक पलटने से उसके नीचे दब गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रक चालक इस हादसे में बच गया। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि सामने से आ रही कार से टक्कर से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो दिया। रेलवे कोडुरु और तिरुपति जिले के वेंकटगिरी मंडल के 21 दिहाड़ी मजदूर एसुकापल्ली और आसपास के गांवों में आम तोड़ने गए थे। ट्रक आमों के साथ रेलवे कोडुरु बाजार जा रहा था और मजदूर इसके ऊपर बैठे थे। हादसे में मजदूर 30-40 टन आमों के नीचे दब गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। ट्रक और आमों के ढेर के नीचे दबने से 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी पहचान गज्जाला दुर्गैया, गज्जाला लक्ष्मी देवी, गज्जाला रमना, गज्जाला श्रीनु, राधा, वेंकट सुब्बम्मा, चित्तेम्मा और सुब्बा रत्नम्मा के रूप में हुई। मुनिचंद्र की मौत राजमपेट के अस्पताल में हुई। घायलों को बेहतर इलाज के लिए कडपा के रिम्स में शिफ्ट किया गया है। परिवहन मंत्री मंडिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी और जिला प्रभारी मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी शोक व्यक्त करते हुए घायलों के लिए बेहतर इलाज और मृतकों के परिवारों के लिए सहायता की मांग की।

सांपों से खेल, फूल और पत्तियों का भोजन, कैसे सालों जंगल और गुफा में रही रूसी महिला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गोकर्ण के पास रामतीर्थ पहाड़ी की गुफा में रूसी महिला अपने बच्चों के साथ मिली। 40 साल की नीना कुटिना को मोही के नाम से भी जाना जाता है, जो यहां अपनी दो छोटी बेटियों 6 वर्षीय प्रेया और 4 वर्षीय अमा के साथ रह रही थी। तीनों इस गुफा में बीते 2 महीने से छिपे हुए थे। कुटिना साल 2016 में बिजनेस वीजा पर भारत आई थी और 2017 में वीजा अवधि समाप्त हो गई। इसके बाद उन्होंने देश छोड़ने के बजाय जंगल में शरण ले ली। 9 जुलाई को पुलिस गश्त के दौरान उन पर नजर पड़ी। अधिकारियों ने गुफा के पास साड़ियां और प्लास्टिक कवर देखे तो उन्हें संदेह हुआ। गुफा में रुद्र की मूर्ति, रूसी किताबें और हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें भी मिलीं।

नीना कुटिना ने अपनी बेटियों को जंगल में ही जन्म दिया। उसने उन्हें योग, ध्यान, चित्रकला और आध्यात्मिक शिक्षा सिखाई। वह अपने परिवार के लिए राशन के तौर पर इंस्टेंट नूडल्स और प्राकृतिक संसाधनों (फल, फूल और पत्तियों) पर निर्भर थी। तीनों प्लास्टिक शीट पर सोते थे और प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल करते थे। कुटिना ने पुलिस को बताया, ,सांप तो हमारे दोस्त हैं। वे हमें नुकसान नहीं पहुंचाते जब तक कि हम उन्हें परेशान न करें।, खतरनाक वन्यजीवों और भूस्खलन वाले इलाके में भी वे सुरक्षित रहीं। पुलिस ने अब उन्हें बच्चों के साथ कुमटा तालुका के एक आश्रम में भेज दिया है, जहां 80 वर्षीय स्वामीजी उनकी देखभाल कर रही हैं। पुलिस ने गुफा और आसपास के जंगल की तलाशी ली। इस दौरान नीना कुटिना का पासपोर्ट और समाप्त हो चुका वीजा बरामद हुआ, जिसकी समय सीमा 17 अप्रैल, 2017 को खत्म हो गई थी।

एक सप्ताह में निकल जाओ, मराठी विवाद के बीच पंजाब के गांव में प्रवासियों को फरमान

चंडीगढ़, एजेंसी।
महाराष्ट्र में हिंदी बनाम मराठी का विवाद पैदा करने की कोशिशें पिछले कुछ दिनों में हुई हैं। इसके अलावा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उत्तर भारतीयों को भी निशाने पर लिया है। इस बीच पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से भी ऐसी ही खबर है, जहां के एक गांव से प्रवासियों को निकलने का फरमान सुनाया गया है। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव लखनपुर गारचा पट्टी की पंचायत ने गांव में रह रहे प्रवासियों को एक सप्ताह के अंदर निकल जाने को कहा है। पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है कि गांव में काफी लोग अवैध तौर पर रहे हैं और इन्हें एक सप्ताह में निकलने का आदेश दिया जाता है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि उसे इस मामले की जानकारी नहीं है।

ग्रामीणों की पंचायत में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि ये प्रवासी लोग महिलाओं से बदसलूकी करते हैं। गांव के सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि ये प्रवासी लोग यहां खेतों में काम करने के लिए आए थे, लेकिन अब ये स्थायी तौर पर यहीं बस गए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से तमाम ऐसे हैं, जो गांव में घूमते रहते हैं। सिगरेट और बीड़ी पीते हैं। इसके अलावा इनमें से कई लोगों को ड्रग्स की लत लग गई है और उसके प्रभाव में आकर ये लोग चोरियां तक कर रहे हैं। ड्रग तस्करी से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लग पाई है। ऐसी स्थिति में हम गांव वालों ने प्रस्ताव पारित किया है कि ये लोग निकल ही जाएं।

सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि उन लोगों को ही यहां रुकने दिया जाएगा, जिनके पास आधार कार्ड हैं या फिर अन्य दस्तावेज हैं। बिना आईडी प्रूफ वाले लोगों को यहां रुकने की परमिशन नहीं होगी। इसके अलावा जो भी ग्रामीण इन लोगों से काम लेंगे, उन्हें पहचान पत्र देखने होंगे और अपने पास रखने होंगे। ऐसा इसलिए ताकि कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या यदि खड़ी होती है तो उसके बारे में आसानी से पता लगाया जा सके। इस मामले में कुछ संगठनों ने दखल देने की कोशिश की है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि आखिर इस बात की गारंटी कौन लेगा कि बिना किसी आईडी प्रूफ के यहां रहने वाले लोग कोई समस्या पैदा नहीं करेंगे।

गाजियाबाद शहर को सेक्टरों में बांटकर विकास का नया प्लान

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद शहर का योजनाबद्ध तरीके से विकास करने के लिए अब जोन को सेक्टरों में बांटने की तैयारी की जा रही है। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जोन एक से होगी। माना जा रहा है कि इस जोन को चार सेक्टर में विभाजित किया जा सकता है। इससे जहां अवैध निर्माण पर लगाम लगेगी, वहीं साफ-सफाई और स्ट्रील लाइटों का भी खासा ध्यान रखा जाएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) क्षेत्र में कुल आठ जोन हैं, जिनमें प्रर्वतन, अनियंत्रण और संपत्ति अनुभाग की टीम अपना कार्य करती हैं। इसके बाद भी क्षेत्र में विकास की रफ्तार काफी धीमी रहती है। विकास की रफ्तार तेज करने और सुविधाएं बढ़ाने के लिए जीडीए ने योजना बनाई है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जोन एक में लागू किया जाएगा। यहां सफलता के बाद अन्य जोन में भी लागू किया जा सकता है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने जोन एक को करीब चार सेक्टर में विभाजित कर सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी बताते हैं कि जोन एक में राजनगर एक्सटेंशन, नंदग्राम समेत आसपास क्षेत्र के कई गांव आते हैं। ऐसे में इन्हें सेक्टर में विभाजित किया जा रहा है, ताकि सेक्टर के अनुसार टीम क्षेत्र में काम कर सके।

जीडीए अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में तैनात अवर अभियंता, सहायक अभियंता आदि का दायित्व होगा कि वह सुपरवाइजरों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट की समीक्षा करें। साथ ही इस रिपोर्ट के आधार पर वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र का औचक निरीक्षण करेंगे, ताकि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति का पता चल सके।

प्राधिकरण जिन योजना की देखरेख करता है, वहां की साफ-सफाई, स्ट्रील लाइट, कूड़ा निस्तारण और निर्माण कार्य बेहतर और योजनाबद्ध तरीके से हो सकेगा। साथ ही अवैध निर्माण पर भी नजर रखी जा सकेगी। सुपरवाइजरों को रोजाना घूमना होगा, जिसकी रिपोर्ट तैयार कर अधिकारियों को सौंपनी होगी। अतुल वत्स, उपाध्यक्ष, जीडीए, जीडीए क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से विकास किया जाएगा। जोन एक को सेक्टर में बांटकर विकसित करने की तैयारी है। इसकी सफलता के बाद अन्य जोन में भी इसे लागू किया जा सकता है।

गुरु पूजा पर विवाद, राज्यपाल और राज्य सरकार फिर आमने-सामने

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
केरल के दो स्कूलों में छात्रों द्वारा की गई गुरु पूजा की प्रथा का राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बचाव किया है। उन्होंने कहा कि गुरुओं की पूजा करना, शिक्षकों के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित करना भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है। राज्यपाल का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन, वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की सरकार ने राज्य के दो सीबीएसई स्कूलों में हाल ही में ,पद पूजा, (पैर धोने की रस्म) किए जाने की कड़ी आलोचना की है।

राज्यपाल ने रविवार को बलरामपुरम में बालगोकुलम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''गुरु पूजा हमारी संस्कृति का हिस्सा है, जहां हम अपने गुरुओं के चरणों में पुष्प अर्पित करते हैं... लेकिन कुछ लोगों को इस पर आपत्ति है। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस संस्कृति से हैं?''

शिक्षकों के सम्मान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आर्लेकर ने कहा कि गुरु महान आत्माएं हैं और सम्मान के पात्र हैं। अगर हम अपनी परंपराएं और संस्कृति ही भूल जाएंगे, तो फिर हम इस विश्व में कहीं नहीं रह जाएंगे।

राज्यपाल की इस टिप्पणी पर माकपा और कांग्रेस पार्टी ने उनकी तीखी आलोचना की। दोनों पार्टियों ने राज्यपाल के ऊपर संघ का एजेंडा लागू करने और राज्य का अंधकार युग की ओर वापस ले जाने का आरोप लगाया।

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने अपने 49 होटलों में 20 से 40 फीसदी तक की छूट देने का फैसला लिया

शिमला , एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश घूमने आने वाले टूरिस्टों के लिए जेब को बड़ी राहतभरी खबर है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) ने 15 जुलाई से 12 सितंबर, 2025 तक अपने 56 में से 49 होटलों में 20 से 40 फीसदी तक की छूट देने का फैसला लिया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट मॉनसून में भी प्रदेश का रुख करें। बता दें कि, हिमाचल प्रदेश में 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक आधिकारिक टूरिस्ट सीजन के बाद मॉनसून में पर्यटकों की आमद घट जाती है।

एचपीटीडीसी की ओर से 20 फीसदी की छूट उन होटलों में दी जाएगी, जहां पहले से टूरिस्टों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रहती है। इनमें रोहड़ू का होटल चांशल, दाड़लाघाट का होटल बघाल, रिवालसर का टूरिस्ट इन, रामपुर का बुशहर रीजेंसी, मनाली का होटल रोहतांग मनालसू, कुल्लू का होटल सिल्वरमून, कुल्लू का होटल सरवारी, सराहन का होटल श्रीखंड और मनाली का होटल रोहतांग शामिल हैं।

30 फीसदी की छूट सबसे ज्यादा होटलों में दी जाएगी। इनमें नुरपुर का होटल नुपुर, चंबा का होटल इरावती, चिंतपुरी हाइट्स बरवानी, ज्वालामुखी का होटल ज्वालाजी, स्वारघाट का होटल हिलटॉप, धर्मशाला का होटल कुनाल, परवाणू का होटल शिवालिक, पांवटा साहिब का होटल यमुना, बिलासपुर का लेक व्यू, पालमपुर का होटल नीलग, शिमला का होटल हॉलिडे होम, पॉग डैम का कैंपिंग साइट, खरापत्थर का होटल गिरीगंगा, पालमपुर का होटल टी-बड, चामुंडा जी का यात्री निवास, कसौली का होटल रोज कॉमन, धर्मशाला का होटल धौलाधार, जोगिंद्रनगर का होटल उहल, मैक्लोडगंज का होटल भागसू, चिंडी का होटल ममलेश्वर, खज्जियार का होटल देवदार, कुल्लू का होटल सरवारी,

कसौली का होटल न्यू रोज कॉमन, शिमला का होटल पीटरहॉफ, रेणुकाजी का होटल रेणुका, मैक्लोडगंज का होटल क्लब हाउस, राजगढ़ का टूरिस्ट इन, भरमौर का होटल गौरीकुंड, नग्गर का द कैसल, मनाली का होटल कुंजम, क्यारीघाट का होटल मेघदूत, मनाली का हडिम्बा कॉटेज और मनाली का लॉग हट्स शामिल हैं। 40 फीसदी की सबसे बड़ी छूट कुछ चुनिंदा लग्जरी होटलों में दी जा रही है। इनमें कसौली का होटल न्यू रोज कॉमन, नारकंडा का होटल हाटू, चायल का पैलेस होटल और पैलेस होटल एनक्स, द गोल्फ ग्लेड नालदेहरा, डलहौजी का होटल मणिमहेश और गीताजंलि, फागु का होटल एप्पल ब्लॉसम शामिल हैं।हालांकि कुछ होटलों में किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। इनमें हमीरपुर का होटल हमीर, सुंदरनगर का द सुकैत, चंबा का होटल चंपक, शिमला का विली पार्क, किन्नर कैलाश कल्पा, काजा का द स्पीति और केलंग का चंद्रभागा होटल शामिल हैं। एचपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, मिंजर मेले के दौरान चंबा के होटल इरावती और होटल चंपक में 27 जुलाई से 3 अगस्त, 2025 तक तथा भरमौर के होटल गौरीकुंड में 11 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक चलने वाली मणिमहेश यात्रा के दौरान किसी भी तरह की छूट लागू नहीं होगी। इसके अलावा कुछ होटलों में यह छूट नवीनीकरण के लिए बंद होने तक ही लागू रहेगी। इनमें होटल नगर कैसल, कुल्लू, सिल्वर मून कुल्लू, रोहतांग मनालसू मनाली और हडिम्बा कॉटेज मनाली शामिल हैं। एचपीटीडीसी ने अपने सभी होटलों को निर्देश दिए हैं कि मॉनसून सीजन में इस छूट का ज्यादा से ज्यादा प्रचार किया जाए ताकि पर्यटक हिमाचल की सुंदर वादियों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ कम खर्च में आरामदायक ठहराव का भी लाभ उठा सकें।

चोरी की बाइक से झपटमारी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। चोरी की बाइक से मोबाइल झपटमारी करने वाले दो बदमाशों को सेक्टर-58 थाना पुलिस ने सोमवार को दबोच लिया। दोनों मिलकर मोबाइल पर बात करते हुए राहगीरों को निशाना बनाते थे। मोबाइल झपटकर भाग जाते थे। पुलिस आरोपियों के अन्य साथियों को पहचानने में जुटी है। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम सोमवार को सेक्टर-60 स्थित एक फैक्टरी के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह बचकर भागने लगे।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को दबोच लिया। उन्होंने बताया कि दोनों की पहचान बदायूं के रघूपुर गांव निवासी राजू यादव और गोरखपुर के निवाय चपार गांव निवासी राजन कुमार के रूप में हुई। दोनों वर्तमान में गाजियाबाद के खोड़ा स्थित एक घर में किराए पर रहते हैं। पूछताछ में पता चला है कि दोनों शातिर किस्म के बदमाश हैं और लोगों से मोबाइल झपटमारी करते हैं। वारदात करने के दौरान चोरी की बाइक का प्रयोग करते हैं। ताकि सीसीटीवी में कैद होने पर भी पुलिस पहचान नहीं कर पाए। दोनों ने बरामद बाइक दिल्ली के आरकेपुरम से चोरी की गई थी, जबकि एक मोबाइल सेक्टर-59, दूसरा फोन काफी समय पहले दिल्ली कल्याणपुरी से चोरी किया था। चोरी के माल को राह चलते लोगों को सस्ते दामों पर खपाना बताया है। इससे प्राप्त होने वाली रकम को आपस में बांट लेते थे। इससे ही दोनों का खर्चा चलता है। राजू गिरोह का सरगना है। वह वर्ष 2022 से अपराध कर रहा है। उस पर लूट, चोरी, वाहन चोरी के छह मुकदमे दर्ज हैं, जबकि राजन पर चार मुकदमे हैं।

मोबाइल चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-39 थाने की पुलिस ने सोमवार को एमिटी चौकी क्षेत्र से मोबाइल चोरी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल होने वाली बाइक, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद किए गए। आरोपी की पहचान नई दिल्ली के ओखला निवासी 23 वर्षीय रहमान के रूप में हुई। उसके खिलाफ सेक्टर-126 और सेक्टर-39 थाने में तीन मुकदमे आर्म्स ऐक्ट समेत अन्य धाराओं में दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह चोरी की मोटरसाइकिल लेकर बस स्टैंडों, मेट्रो स्टेशनों और साप्ताहिक बाजारों समेत अन्य जगहों पर घूमता रहता है।

मौका पाते ही लोगों की जेब से मोबाइल निकाल लेता था। आरोपी राहगीरों को मजबूरी बताकर बेहद कम दाम में चोरी की मोबाइल बेच देता है। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपी के अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

खेलेगा शोहरतगढ़, तभी तो बढ़ेगा उत्तरप्रदेश: विधायक विनय वर्मा

नोएडा। सोमवार को विकास खंड बढ़नी के ग्राम पंचायत बेलहसा सिकरी में ग्राम निधि व मनरेगा कन्वर्जेंस के तहत निर्मित सिद्धार्थ स्पोर्ट्स स्टेडियम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर विधायक विनय वर्मा ने वैदिक विधि विधान से उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। डबल इंजन की सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसी सुविधाएं युवाओं के उज्जवल भविष्य की नींव रखती हैं और शोहरतगढ़ के चौमुखी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके साथ ही विधायक विनय वर्मा ने विकास खंड बढ़नी के ग्राम पंचायत पकडिहवा में ग्राम निधि व मनरेगा कन्वर्जेंस से निर्मित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क एवं ओपन जिम का उद्घाटन किया। जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेशभर में ऐसे पार्क और ओपन जिम बनाए जा रहे हैं, ताकि बच्चों को खेलने और युवाओं व बुजुर्गों को व्यायाम की उचित सुविधा मिल सके।

ऐसी योजनाएं शोहरतगढ़ क्षेत्र के चौमुखी विकास को गति देंगी। हम जनसेवा के लिए सदैव तत्पर हैं और जनता के विश्वास पर खरा उतरना ही हमारा संकल्प है।

रोजगार मेले में 109 लाभार्थियों को मिला रोजगार

नोएडा। सोमवार को नोएडा सेक्टर 31 स्थित राजकीय आईटीआई में आयोजित वृहद रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर गौतम बुध नगर जिलाधिकारी मनीष वर्मा एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने युवाओं की ऊर्जा, आशा और आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम किया।

इस अवसर पर रोजगार मेले के लिए 465 युवाओं रोजगार के लिए सुनहरा अवसर मिला था लेकिन इसमें से केवल 109 लाभार्थी ही रोजगार प्राप्त करने में सफल हो पाए। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की इस सराहनीय पहल ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब नीयत साफ़ हो और नीति सशक्त – तो परिणाम भी स्पष्ट और ठोस होते हैं।

एक ही दिन में सैकड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि युवा सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

ऐसे आयोजन न केवल युवाओं को अवसर देते हैं, बल्कि विकसित भारत 2047 के सपने को भी गति दे रहे हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी लाभार्थियों का हौंसला बढ़ाया और भविष्य के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।

नोएडा में बोल बम के जयकारों से गूंजे मंदिर

नोएडा। सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों में सुबह से भक्तों की भीड़ रही। भक्त जल, दूध, दही , घी शहद से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। मंदिर में बैरिकेड की गई है। भक्त लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।इसमें सेक्टर-19 सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 हनुमान मंदिर और वोड़ा महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक किया गया। उन्होंने बताया कि सुबह आरती के बाद भगवान का जलाभिषेक शुरू कर दिया गया। भक्तों को परेशानी न हो इसलिए मंदिर के बाहर ही प्रसाद से लेकर बेल पत्र और पूजन की अस्थाई दुकान लगी हैं।

वोड़ा महादेव मंदिर के महंत ने बताया कि सावन के पहले सोमवार शुभ मुहूर्त में रुद्राभिषेक किया गया। इसके लिए हरिद्वार, प्रयागराज और मथुरा के विद्वान पंडित रुद्राभिषेक कराते हैं। इसमें बड़ी संख्या में भक्त हिस्सा ले रहे है। इसके अलावा सेक्टर-19 सनातन धर्म मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर भोलेनाथ जलाभिषेक किया। सर्फाबाद में प्रचीन शिव मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर जयकारों से गूंजते दिखे।इसके अलावा नोएडा के सेक्टर-2 लाल मंदिर, सेक्टर-20 हनुमान मंदिर , सेक्टर-12 कलरिया बाबा मंदिर, सेक्टर-49 पार्वती मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ रही। यहां भक्त जलाभिषेक किया। वहीं मंदिरों के बाहर पुलिस बल भी तैनात है। एडीसीपी सुमित शुक्ला की अगुवाई में कई टीम प्रत्येक मंदिर के बाहर और अंदर सुरक्षा का जायजा लिया। अधिकांश मंदिरों में सीसीटीवी कैमरों से मॉनिटरिंग की जा रही है। ताकि संदिग्धों पर नजर रखी जा सके।

संक्षिप्त समाचार

चोरी के मामले में दो दोषियों को सजा

नोएडा। जिला न्यायालय ने सोमवार को चोरी के एक मामले में पकड़े गए दो लोगों को डेढ़-डेढ़ साल कारावास की सजा सुनाई। दो हजार रुपये के अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड जमा न करने पर चार दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वर्ष 2023 में सूरजपुर कोतवाली में अशोक उर्फ मनीष निवासी बेगम गंज, हरदोई और संजीव उर्फ सन्नी निवासी तिठोली, हाथरस के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया। सोमवार को अदालत ने केस की सुनवाई के दौरान दोनों को दोषी ठहराया गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से छह वर्षीय बच्चे की मौत

नोएडा। फेज-2 थाना क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व ट्रैक्टर की टक्कर से छह वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक के पिता ने शव का अंतिम संस्कार करने के बाद ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ककराला गांव में परिवार के साथ किराए पर रहने वाले चांद ने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से जिला बुलंदशहर की कांशीराम कॉलोनी के रहने वाले हैं। आठ जुलाई की सुबह 10.20 बजे छह वर्षीय पुत्र मोहम्मद उमर घर के निकट चौराहे के पास सड़क पर खड़ा था। तभी एक ट्रैक्टर के चालक ने उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया। लहूलुहान अवस्था में स्थानीय लोगों ने उसे यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पीड़ित ने बच्चे का अंतिम संस्कार करने के बाद ट्रैक्टर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

जन्मदिन पार्टी में गई किशोरी लापता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर के साकीपुर गांव में रविवार को पड़ोसी के घर जन्मदिन पार्टी में गई एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के पिता ने सूरजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता ने शिकायत में बताया कि वह शनिवार की रात पड़ोसी के यहां उनके बच्चे की जन्मदिन पार्टी में गए थे। उनकी 14 वर्षीय बेटी भी साथ थी। पार्टी के दौरान रात 11:00 बजे उनकी बेटी कहीं भी नहीं मिली। काफी तलाश के बाद पुलिस को शिकायत दी गई। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि किशोरी के गुम होने की शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस की टीम जांच में जुटी है।

औद्योगिक भूखंड लेने का चार अगस्त तक मौका

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने फेज एक और दो में 12 औद्योगिक भूखंडों की योजना लॉन्च की। इस योजना में चार अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है। ये सभी भूखंड आठ हजार वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल के हैं। इनका आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि फेज वन के अंतर्गत शहर में सेक्टर-1 से 11 तक क्षेत्र आता है। ऐसे में औद्योगिक भूखंड योजना में सेक्टर-7, 8 और 10 के पांच भूखंड शामिल किए गए हैं। इस योजना में सेक्टर-7 के डी ब्लॉक, सेक्टर-8 के एफ ब्लॉक और सेक्टर-10 के बी ब्लॉक में खाली भूखंड का आवंटन किया जाएगा। ये भूखंड 112 से लेकर 1178 वर्ग मीटर तक के हैं। अधिकारियों ने बताया कि फेज टू में बड़े आकार के भूखंड शामिल किए गए हैं। ये सभी सात भूखंड सेक्टर-80 और 162 में हैं। इन दोनों सेक्टर में सबसे छोटा भूखंड 450 वर्ग मीटर का है। जबकि सबसे अधिक दो भूखंड 7430 वर्ग मीटर के हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना में आवदेन करते समय 29500 रुपये प्रोसेसिंग और भूखंड की कीमत की 10 प्रतिशत राशि देनी होगी। ई-नीलामी के समय रिजर्व प्राइज से अधिक बोली लगानी होगी। जो सबसे ऊंची बोली लगाएगा, भूखंड उसे आवंटित कर दिया जाएगा।

शिव महापुराण कथा में हुआ भगवान शिव की लीला और नारद मोह का वर्णन

नोएडा। जनता फ्लैट पाकेट 7 सेक्टर 82 नोएडा में 9 दिवसीय शिव महापुराण कथा के दुसरे दिन कथा वाचक गौ भक्त परम पूज्य पुष्कर क्रिष्ण जी महराज ने शिव लीला प्रसंग और नारद मोह का सुदंर वर्णन किये। भगवान शिव अजन्मा और अविनाशी हैं। लेकिन अपनी लीलाओं में यह कई बार बालक रुप में प्रकट हुए हैं लेकिन बाल रुप में इनकी सबसे प्रमुख लीला है देवी अनुसूइया और अत्रि मुनि के घर पुत्र रुप में प्रकट होना।

कथा स्थल पर आरडब्ल्यूए के पुर्व अध्यक्ष सह भाजपा नोएडा महानगर के वरिष्ठ नेता नंन्द किसोर सोलंकी ने कहा यह कथा समस्त पाकेट वाशी के सहयोग से हो रहा है। सुबह आचार्य नितिन भारद्वाज और उमंग शर्मा जी के द्वारा व्यासपीठ पुजन और रुद्राभिषेक कराया गया।

कथा आयोजक टीम के सदस्य सह लाडली जी फाऊंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी ठाकुर ने कही भगवान भोलेनाथ की लीलाओं का ध्यान करना और उनकी कथाओं को सुनना और पढना बड़ा ही पुण्यदायी होता है। उसमें भी पवित्र माह में इनका ध्यान और दर्शन करने के पुण्य का तो कहना ही क्या।

कथा स्थल पर उपस्थित श्रोताओं में अजय श्रीवास्तव, प्रवीण शुक्ला, प्रमोद श्री वास्तव, प्रदीप तोमर, शैलेश द्विवेदी, पंकज झा, मुरारी झा, अमितेश सिंह, राजेश राधव, बी बी मिश्रा, अरूण श्रीवास्तव, ब्रिज किशोर सिंह, गुरमैल सिंह, रतन भारद्वाज, शिव जी चौधरी, बीरबल चौधरी,बिपीन झा, अमरेश झा, के सी झा, विजय झा, मनोज झा, जितेन्द्र सिंह, अनुरंजन मिश्रा , तिमिर बरोन रितेश भारती ,उर्मिला सोलंकी, ममता श्री वास्तव, सोनी झा, रीमा सिंह, रस्मी द्विवेदी, ममता झा, गुड़िया कुमारी, पुजा, प्रियंका सिंह , शोभा सिंह प्रिती शुक्ला, चांदनी कुमारी, डाली सिंह, उषा पांडे , रेणु बाला मिश्रा, मनी भारती, रिमझिम गोस्वामी, विशाखा सोलंकी, पुनम श्री वास्तव, मनोज तोमर, सीमा तिवारी, शीतल सिंह, ममता श्रीवास्तव, ज्योति, कुसुम, शारदा इत्यादि लोग थे।

नोएडा में दो प्रदेशों के मॉडल पर होगी पुनर्विकास नीति

नोएडा। शहर में जर्जर हो चुकी हाइराइज और लो राइज इमारतों को फिर से भव्य रूप दिया जाएगा। नोएडा में 30 साल पुरानी इमारतों में रहने वाले नोएडा के लोगों को इसका फायदा होगा। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने पुनर्विकास नीति लागू की है। इस नीति को नोएडा की बोर्ड ने अप्रूवल दे दिया है। अब प्राधिकरण का प्लानिंग सेक्शन इस पर काम कर रहा है। इसे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में लागू पुनर्विकास नीति के तहत बनाया जाएगा। जिसका एक प्रजेंटेशन कल बोर्ड रूम में हो सकता है।

वहां से देखा जाएगा और संशोधन के बाद इसे लागू किया जाएगा। मध्यप्रदेश में पुनर्विकास नीति के तहत शहरी क्षेत्र में जर्जर इमारतों का पुनर्विकास पीपीपी मॉडल पर या सार्वजनिक प्राधिकरण या निजी डेवलपर द्वारा कराया जाता है। इस नीति में साफ है कि अवैध निर्माण और किराए पर रह रहे आवंटियों के लिए लागू नहीं होगा। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और नोएडा प्राधिकरण के पुनर्विकास नीति का मॉडल मिलते जुलते हैं। ऐसे में प्रजेंटेशन के बाद तय हो जाएगा कि इसमें और क्या संशोधन या लोगों को राहत दी जा सकती है।

प्राधिकरण ने बताया कि नोएडा की स्थापना उप्र औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम 1976 की धारा-3 के तहत किया गया। यहां बहुमंजिला इमारतों का निर्माण साल 1981 से शुरू हुआ। यहां लीज पर बिल्डरों को जमीन आवंटित की गई। यहां अपार्टमेंट बने जिसे सबलीज के जरिए बायर्स को दिया गया। इसके अलावा प्राधिकरण ने भी कम आय वर्ग के लिए लो राइज ग्रुप हाउसिंग बनाए। जिसे भी लीज पर पात्र लोगों को बेचा गया। ऐसे जर्जर हो रहे भवन अत्यधिक बारिश और लो इंटेसेंटी के भूकंप से प्रभावित हो सकते है।

इन्ही इमारतों को गिराकर लिविंग स्टैंडर्ड में सुधार कर दोबारा से भव्य रूप में बनाया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण रि डेवलपमेंट पॉलिसी लेकर आया है।

सूरजपुर- कासना मार्ग की मरम्मत का काम जल्द शुरू होगा

नोएडा। सूरजपुर से कासना तक जगह- जगह पर टूटी सड़क की समस्या से अगले दो माह में निजात मिल जाएगी। मरम्मत कार्य के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने निविदा जारी कर दी है। केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) की जांच रिपोर्ट पर सड़क के दो हिस्सों को चमकाने का काम किया जाएगा। इस पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सूरजपुर-कासना मार्ग की लंबाई लगभग 12 किलोमीटर है। ट्रैफिक के लिहाज से यह सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल है। हर रोज एक लाख से अधिक वाहन गुजरते हैं। यह सड़क पिछले लगभग एक साल से भी अधिक समय से जगह- जगह पर टूटी पड़ी है।

सूरजपुर घंटाघर चौक से एलजी गोलचक्कर और सेक्टर पी-3 गोलचक्कर से कासना के बीच की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। हादसे का खतरा बना रहता है। वाहन चालकों की परेशानी को देखते हुए प्राधिकरण ने मरम्मत कराने से पहले सीआरआरआई से जांच कराई थी। अधिकारी के मुताबिक सीआरआरआई ने इस सड़क के दो हिस्सों सूरजपुर घंटाघर चौक से एलजी गोलचक्कर और सेक्टर पी-3 गोलचक्कर से कासना तक मरम्मत कराए जाने का सुझाव दिया है। सूरजपुर चौक से एलजी गोलचक्कर तक की लंबाई लगभग 3.5 किमी और पी-3 गोलचक्कर से कासना तक की लंबाई लगभग 3.5 किमी है। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम ने बताया कि सड़क की मरम्मत कार्य से संबंधित निविदा जारी कर दी गई है। एजेंसी के चयन की प्रक्रिया पूरी कर अगले डेढ़ से दो माह में काम शुरू करा दिया जाएगा। इस पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्थानों पर सड़क की स्थिति ज्यादा खराब सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट के सामने, मोजरवेयर गोलचक्कर, पी-3 गोलचक्कर से आगे होंडा चौक आदि स्थानों पर सड़क सबसे ज्यादा टूट चुकी है। पिछले काफी समय से इसकी मरम्मत की जरूरत महसूस की जा रही थी। एयरपोर्ट चालू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और बढ़ेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से अगले कुछ माह में उड़ान सेवा शुरू होने की उम्मीद है।

इसके बाद शहर में ट्रैफिक का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा। शहर का प्रमुख मार्ग होने की वजह से सूरजपुर-कासना मार्ग पर भी वाहनों की आवाजाही बढ़ जाएगी। यह सड़क परीचौक से होकर यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ती है। ऐसे में इस सड़क को दुरुस्त किया जाना बेहद जरूरी हो गया है। सूरजपुर-कासना मार्ग की मरम्मत का कार्य जल्द शुरू करा दिया जाएगा। सीआरआरआई की जांच रिपोर्ट आने के बाद निविदा जारी कर दी गई है। सीआरआरआई ने दो हिस्सो में सड़क की मरम्मत कराने का सुझाव दिया है। शहर की अन्य सड़कों की मरम्मत और उन्हें चौड़ा करने का काम किया जा रहा है।

कांग्रेसियों पर दर्ज हुए मुकदमों के विरोध में राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लोकप्रिय अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री सहित 10 कांग्रेसियों पर हुए मुकदमे को लेकर सोमवार को नोएडा सैक्टर 19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर फर्जी मुकदमे को लेकर नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटती है। सिर्फ लोक लुभावन नारे गढ़कर जनता को छलने का कार्य कर रही है। प्रदेश में विकास के नाम पर लूटतंत्र हावी है। जगह जगह बरसात में सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जगह जगह जल भराव और सीवर जाम की समस्या से जनता त्रस्त है। योगी की भाजपा सरकार सिर्फ भ्रष्टाचार का प्रयाय बन चुकी है। प्रवक्ता पवन शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता की कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने पर दमनात्मक कार्यवाही करते हुए फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की दमनात्मक कार्यवाही का नतीजा यह है कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, जिला अध्यक्ष एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता वाराणसी में 10 जुलाई को जल भराव, सीवर जाम, दुकानदारों की समस्या , जाम की समस्या एवं कावड़ यात्रा से संबंधित अव्यवस्था को लेकर पोल खोल यात्रा निकाल रहे थे तो उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर दिए गए। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता इस दुराग्रहपूर्ण ओर दमनात्मक कार्यवाही का पुरजोर विरोध करती है और महामहिम से निवेदन करती है कि सभी के मुकदमे निरस्त किए जाएं और संविधान की रक्षा करें जिससे जनता की आवाज को दबाया न जा सके।

आज के प्रदर्शन में शामिल पदाधिकारियों में अध्यक्ष मुकेश यादव, लियाकत चौधरी, पवन शर्मा, राजकुमार भारती, सतेंद्र शर्मा, ललित आवान, यतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, राहुल पांडेय, रामकुमार शर्मा, कैप्टन पी एस रावत, सतीश पांचाल, अरुण प्रधान, वाशिम खान, ईश्वर कुमार, अमित, निरंजन, पंकज वाल्मीकि सहित दर्जनों अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 3 स्कूलों को सुबह-सुबह मिली बम से उड़ाने की धमकी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, चाणक्यपुरी के नेवी स्कूल, द्वारका के सीआरपीएफ स्कूल और रोहिणी के एक स्कूल में ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है और बम निरोधक दस्ता मौके पर मौजूद है। अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 बजे प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर 16 के सीआरपीएफ स्कूलों के साथ-साथ चाणक्यपुरी के एक अन्य स्कूल से बम की धमकियों के संबंध में पुलिस को फोन आए। उन्होंने कहा,पुलिस टीमें तुरंत स्कूल परिसर की जांच के लिए रवाना हो गईं। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा कि इलाके को तुरंत सैनिटाइज किया गया। स्थानीय पुलिस, स्निफर डॉग और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और उचित जांच की है। उन्होंने आगे कहा कि साइबर पुलिस विशेषज्ञ ईमेल के स्रोत का पता लगा रहे हैं। मई में, शिक्षा निदेशालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए और राष्ट्रीय व स्थानीय एजेंसियों के समन्वय से, दिल्ली के स्कूलों में बम की धमकियों से निपटने के लिए 115-बिंदुओं वाली मानक संचालन प्रक्रिया जारी की थी। यह एसओपी सरकारी, सहायता प्राप्त, अल्पसंख्यक और मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होती है। स्कूलों को नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करनी होगी, निगरानी प्रणाली स्थापित करनी होगी और कड़े पहुंच नियंत्रण लागू करने होंगे। स्कूलों के प्रमुख पुलिस और आपदा सेवाओं के समन्वय से आपातकालीन प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन करेंगे, जबकि शिक्षकों और छात्रों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की उम्मीद की जाती है। एसओपी में कहा गया है कि हर धमकी को सही माना जाएगा और अधिकारियों को तुरंत सूचित करने का आग्रह किया गया है, साथ ही घबराहट न फैलाने की बात भी कही गई है।

मोटापे के खिलाफ सरकार का नया प्लान- समोसा जलेबी पर भी मिलेगी सिगरेट जैसी वॉर्निंग

नईदिल्ली, एजेंसी। जंक फूड को लेकर सरकार कड़े कदम उठाने की तैयारी में है। खबर है कि अब सिगरेट की तरह ही समोसा और जलेबी जैसे लोकप्रिय नाश्ता वॉर्निंग के साथ परोसा जाएगा। दरअसल, बच्चों में मोटापा और शहरी युवाओं में जरूरत से ज्यादा वजन चिंता बढ़ा रहा है। ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वॉर्निंग साइन लगाने का प्लान तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्यम मंत्रालय ने एम्स समेत कई केंद्रीय संस्थानों से ऐसे पोस्ट लगाने के आदेश दिए हैं, जिसमें साफतौर पर लिखा हुआ हो कि रोज नाश्ता करते समय कितना छिपा हुआ फैट और शक्कर ले रहे हैं। खास बात है कि यह पहली बार है जब जंक फूड पर तंबाकू जैसी चेतावनी देने की तैयारी की जा रही है।इसके जरिए नागरिकों को इन शक्कर और तेल की मात्रा के बारे में सचेत किया जाना है। खास बात है कि इस लिस्ट में लड्डू से लेकर वड़ा पाव और पकोड़ा तक कई खाद्य शामिल हैं। खबर है कि जल्द ही कैफे और अन्य सार्वजनिक जगहों पर वॉर्निंग लगाई जाएंगी।
अखबार से बातचीत में नागपुर के कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अमर अमाले बताते हैं, ,शक्कर और ट्रांस फैट्स नए तंबाकू हैं। लोगों को यह जानने का अधिकार है कि वो क्या खा रहे हैं।, रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि साल 2050 तक 44.9 करोड़ भारतीय ओवरवेट या मोटापे का शिकार हो जाएंगे। ऐसे में इस मामले में भारत सिर्फ अमेरिका से पीछे रह जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, डायबीटोलॉजिस्ट सुनील गुप्ता कहते हैं, ,यह भोजन बैन करने के बारे में नहीं है।, उन्होंने कहा, ,लेकिन अगर लोगों को पता होगा कि गुलाब जामुन में 5 चम्मच शक्कर हो सकती है, तो दूसरी बार लेने से पहले शायद दो बार सोचेंगे।,

दिल्ली-एनसीआर पर मॉनसून हुआ मेहरबान!

नईदिल्ली, एजेंसी।
मॉनसून इस बार दिल्ली-एनसीआर पर खूब मेहरबान दिख रहा है। वीकेंड पर लगातार हुई बारिश के बाद सोमवार सुबह भी दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 19 जुलाई तक राजधानी में बारिश की संभावना है। हालांकि, उमस भरा मौसम अभी बना रहेगा।

दिल्ली में आज दिन बादल छाए रहेंगे, पारा लुढ़ककर 23.6 डिग्री पर पहुंचा दिल्लीवासियों के लिए सोमवार की सुबह सुहानी रही। न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से 3.7 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने आज दिनभर मध्यम बारिश के साथ आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। राजधानी के कई हिस्सों में रविवार शाम को बारिश हुई, जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिली। पिछले 24 घंटों में शहर में 16 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार एक दिन की बारिश के बाद, रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया - जो औसत से लगभग दो डिग्री कम है। इस दौरान ठंडी हवाओं ने सप्ताह की शुरुआत में गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को थोड़ी राहत दी। आईएमडी ने ताजा पूर्वानुमान में कहा कि आने वाले दिनों में 19 जुलाई तक दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, हल्की बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं और बिजली गिरने की संभावना है। इस पूरे हफ्ते दिन का अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई गई है। हालांकि इस बीच किसी भी तरह के गंभीर मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन दिनभर हल्की बारिश या बूंदाबांदी जारी रह सकती है। मौसम विज्ञानियों ने लगातार हो रही बारिश का कारण उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में बने चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र को बताया है। यह मौसम प्रणाली नमी के प्रवाह को बढ़ा रही है और दिल्ली और आसपास के एनसीआर जिलों में बादल बनने को बढ़ावा दे रही है।

आईएमडी के चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय केंद्र ने गुरुग्राम, फरीदाबाद, रेवाड़ी, मेवात और पलवल सहित एनसीआर के कुछ हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और निवासियों को स्थानीय पूर्वानुमानों से अपडेट रहने की सलाह दी है।

गलत कार, अकेला सफर; स्नेहा देबनाथ ने कैसे बनाया खुद की मौत का प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली 19 साल की स्नेहा देबनाथ का शव देर शाम रविवार को मिला है। इससे पहले दिल्ली पुलिस को एक लेटर मिला था जिसमें उसके सिग्नेचर ब्रिज से कूदने की बात थी। प्रथम दृष्टया तो यही लग रहा है कि यह एक सुसाइड केस है। त्रिपुरा की रहने वाली स्नेहा के एक पड़ोसी ने मीडिया से बात की है। उन्होंने उस शाम स्नेहा के लापता होने से पहले की कहानी बताई है। पड़ोसी पास छिकारा ने बताया कि उस सुबह वह गलत कार में बैठ गई थी जो कि मेरी थी और कहीं जाने की बात कर रही थी। स्नेहा की मां ने भी मेरी गाड़ी का फोटो खींचा था और उसके बाद वह अकेले ही निकल गई।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय की 19 वर्षीय छात्रा का शव कल गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास यमुना नदी में मिला। वह 7 जुलाई से लापता थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, परिवार से मिले एक नोट में छात्रा ने सिग्नेचर ब्रिज से कूदने की बात कही थी। पुलिस जांच के दौरान, एक कैब ड्राइवर ने उसे सिग्नेचर ब्रिज पर छोड़ने की पुष्टि की। उसकी सहेलियों ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से परेशान थी। दिल्ली में स्नेहा के पड़ोसी पारस छिकारा ने 7 जुलाई की कहानी सुनाते हुए बताया कि छात्रा के पड़ोसी पारस छिकारा ने बताया, 7 जुलाई को, मैं सुबह करीब 5:30 बजे अपनी ड्यूटी खत्म करके घर पहुंचा। वह मेरे पड़ोस में रहती है और उसी समय, वह अपने घर से निकली और गलती से मेरी कार में बैठ गई। उसे लगा कि उसने जो कैब बुक की थी, वह मेरी है। उसकी मां ने मेरी कार की नंबर प्लेट की तस्वीर ले ली। मैंने उसे बताया कि यह तुम्हारी कार नहीं है,जिसके बाद वह दूसरी कार में बैठ गई, जिसे उसने ऑनलाइन बुक किया था और चली गई। 9 जुलाई को, मैंने उसकी मां और बहन को मेहरौली पुलिस स्टेशन छोड़ा और उसी दिन मुझे पता चला कि वह लापता है।

राहुल गांधी पीएम बनेंगे या नहीं? क्या बोले अवध ओझा; केजरीवाल पर भी दिया जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में हुए लोकसभा चुनावों को अभी ज्यादा वक्त नहीं बीता है लेकिन लोगों के मन में एक सवाल बार-बार आता है कि क्या नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस देश के प्रधानमंत्री बन पाएंगे। इस सवाल का जवाब देना इतना आसान नहीं है, लेकिन हर मामले पर अपनी राय रखने वाले मशहूर यूपीएससी कोचिंग टीचर और अब आम आदमी पार्टी के नेता अवध ओझा ने इसका जवाब दिया है। अवध ओझा ने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल दोनों के पीएम बनने वाले सवाल का जवाब दिया है।

राहुल गांधी कभी इस देश के पीएम बनेंगे या नहीं? इस सवाल का जवाब अवध ओझा ने मुस्कुराते हुए दिया। अवध ओझा ने श्री रामचरितमानस की पंक्तियां दोहराईं और कहा, होइहि सोइ जो राम रचि राखा। इतना कहने के बाद अवध ओझा ठहाका लगाकर हंसने लगे। ओझा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल इस देश के प्रधानमंत्री बनेंगे तो देश का बहुत भला होगा। ओझा ने कहा कि केजरीवाल का पूरा ध्यान देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था पर है। ओझा ने कहा कि अगर केजरीवाल पीएम बनते हैं तो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था का कायकल्प हो जाएगा। ओझा ने कहा कि वो इस बात को आम आदमी पार्टी का नेता होने के नाते नहीं कह रहे हैं। इस दौरान अवध ओझा ने जापान और चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी सबसे बड़ी ताकत है, उनकी जनसंख्या ज्यादा थी और उन्होंने अपने मानव संसाधन का इस्तेमाल किया और बुरी स्थिति से बाहर निकल आए। उन्होंने कहा कि चीन और जापान का आगे जाने का मुख्य कारण उनके मानव संसाधन का इस्तेमाल करना है। और मानव संसाधन का इस्तेमाल करने के लिए उनकी शिक्षा और उनका स्वास्थ्य बहुत जरूरी है।

कालिंदी कुंज से नोएडा की ओर आने वाला एक रास्ता होगा बंद

नईदिल्ली, एजेंसी।
कांवड़ियों के सुरक्षित सफर के लिए दिल्ली के कालिंदी कुंज होकर नोएडा आने वाला एक रास्ता सोमवार शाम या मंगलवार सुबह से वाहनों के लिए बंद कर दिया जाएगा। 23 जुलाई तक यहां से वाहन आ-जा नहीं सकेंगे। यह रास्ता कालिंदी कुंज लाल बत्ती से नोएडा की तरफ आता है। दूसरे रास्ते पर दिल्ली से नोएडा की तरफ वाहन आते रहेंगे।

हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश जाने वाले कांवड़िये नोएडा पहुंचने शुरू हो गए हैं। ये हरिद्वार या गौमुख से जल लेकर आ रहे हैं। इस सप्ताह से कांवड़ियों की संख्या बढ़नी शुरू हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कांवड़िये दिल्ली के चिल्ला बॉर्डर से नोएडा में प्रवेश करते हैं। यहां से ओखला पक्षी विहार आते हैं। ओखला पक्षी विहार पार करते ही दिल्ली के कालिंदी कुंज लालबत्ती की ओर जाकर गंतव्य को जाते हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चिल्ला बॉर्डर पर वाहनों को रोककर कांवड़ियों को सड़क पार कराने के लिए 24 घंटे पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। अभी कम संख्या में कांवड़िये आ रहे हैं। एक-दो दिन में इनकी संख्या बढ़ने का अनुमान है। ओखला पक्षी विहार रास्ते पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। सिर्फ कांवड़ समिति से संबंधित वाहनों को ही जाने की अनुमति दी जा रही है। डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव ने बताया कि अभी कालिंदी

कुंज रास्ते पर दिल्ली की तरफ से ट्रैफिक आ रहा है। कांवड़ियों की संख्या बढ़ते ही दिल्ली पुलिस को जानकारी दे दी जाएगी, ताकि एक रास्ता वाहनों के लिए पूरी तरीके से बंद कर दिया जाए। डीसीपी ने उम्मीद जताई कि मंगलवार से यह रास्ता वाहनों के लिए बंद कर दिया जाएगा। वहीं, कांवड़िये सेक्टर-62 मॉडल टाउन, सेक्टर-62 एनआईबी पुलिस चौकी और सेक्टर-63 छिजारसी के रास्ते भी काफी संख्या में आते हैं। ये कांवड़िये सीधे महामाया फ्लाईओवर होकर दिल्ली जाते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस रूट पर भी वाहनों के चलने से कांवड़ियों को दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। कांवड़ यात्रा को देखते हुए ओखला पक्षी विहार को लोगों के लिए बंद रखा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि 18 से 24 जुलाई तक लोग पक्षी विहार में घूमने नहीं आ सकेंगे। इस दौरान यहां से अधिक संख्या में कांवड़िये गुजरेंगे। इसको देखते हुए आम लोगों का प्रवेश बंद रखा जाएगा। अभी यहां रोजाना सैकड़ों की संख्या में टूरिस्ट अलग-अलग प्रजातियों के पक्षियों को देखने आते हैं।

मुझे निकलना है इधर से, तंग आ चुकी हूं... राधिका चाहती थी आजादी

नईदिल्ली, एजेंसी।
पिछले सप्ताह गुरुग्राम स्थित अपने घर में मार दी गई टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव परिवार की पाबंदियों से तंग आ चुकी थी और आजादी चाहती थी। वह कुछ दिन के लिए घर और देश से दूर कहीं जाना चाहती थी। राधिका यादव के पुराने चैट से यह बातें सामने आई हैं। इसके अलावा उसकी दोस्त हिमांशिका सिंह राजपूत ने भी कहा है कि राधिका पर उसके परिवार की बहुत पाबंदियां थीं।

राधिका और उसके कोच अजय यादव के बीच अक्टूबर 2024 में वॉट्सऐप पर बातचीत हुई थी। तब उसने कहा था, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर कुछ भी... मेरे को निकलना है इधर से थोड़े टाइम के लिए। एक अन्य मैसेज में राधिका ने कहा, घरवाले तो ठीक है लेकिन थोड़े टाइम रहना है इंडिपेंडेंटली (अजादी से)। लाइफ को इंजॉय करना चाहती हूं। इधर काफी

पाबंदियां हैं। बाकी देखो लक्ष्य तो यहै कि थोड़ बहुत कोर्स कर लें।

एक चैट में राधिका ने यह भी कहा था कि वह देश के बाहर कहां रहना चाहती है। उसने लिखा, चाइना तो देखो खाने पीने की दिक्कत रहेगी। दुबई ऑस्ट्रेलिया वगैरा ठीक है। ऑस्ट्रेलिया फैमिली है, दुबई में आप हो। एक मैसेज में राधिका यह भी बताती है कि उसने पति से अपना प्लान पर चर्चा की है। उसने कहा, लेकिन फिर मैंने पापा से बात की तो मना कर रहे थे, सब सुने कि कोई पॉइंट नहीं है कितने ही बचेंगे पैसे। 25 साल की राधिका की हत्या का आरोप उसके पिता पर है। 49 साल के दीपक ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी का कहना है कि समाज में उसे ताने में मिल रहे थे। लोग कहते थे कि वह बेटी की कमाई खा रहा है। दीपक ने कहा कि उसने बेटी को खिलाड़ियो को ट्रेनिंग देने से मना किया था। उधर, रील्स बनाने को लेकर दोनों के बीच कड़वाहट की बात भी सामने आई है। हालांकि, राधिका की दोस्त ने कहा कि वह परिवार की शर्तों को मानने को तैयार हो गई थी। उसके घर वाले समाज के दबाव में उस पर बहुत सख्ती करते थे। राधिका यादव और उसके पिता के फोन को जांच के लिए भेजा गया है। दोनों के डेटा एनालिसिस से कुछ अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। गुरुग्राम के सेक्टर 57 में रहने वाला दीपक अपनी बेटी को सानिया मिर्जा जैसी टेनिस स्टार बनाना चाहता था, लेकिन अचानक क्यों उसने उसी बेटी के शरीर में चार गोलियां दाग दीं, इससे परिवार के अन्य लोग और रिश्तेदार भी हैरान हैं।

ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क-5 और सेक्टर-142 मेट्रो रूट को मंजूरी प्रक्रिया फिर अटकी

नोएडा एजेंसी।
नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक और सेक्टर-142 से बॉटेनिकल गार्डन तक मेट्रो रूट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) की मंजूरी की प्रक्रिया फिर से अटक गई है। केंद्र ने शासन के जरिये इन दोनों रूट के बजट को लेकर नए सिरे से जानकारी मांगी है। ऐसे में इन परियोजना की डीपीआर मंजूरी की प्रक्रिया में और देरी होगी।

अधिकारियों ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक 11 मेट्रो स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इन स्टेशन में नोएडा क्षेत्र के सेक्टर-51, 61, 70, 122, 123 के अलावा ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-4, ईकोटेक 12, सेक्टर-2, सेक्टर-3, सेक्टर-10, सेक्टर-12 और नॉलेज पार्क-5 मेट्रो स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इस रूट पर मेट्रो चलाने में 2991 करोड़ 60 लाख रुपये प्रस्तावित हैं।

इसके अलावा सेक्टर-142 से सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन तक 11 पॉइंट 56 किलोमीटर लंबा रूट है। इस लाइन पर 8 स्टेशन बनने प्रस्तावित हैं, जिनमें सेक्टर-38ए बॉटेनिकल गार्डन, सेक्टर-44, नोएडा ऑफिस, सेक्टर-97, सेक्टर-105, सेक्टर-108, सेक्टर-93 और पंचशील बालक इंटर कॉलेज मेट्रो स्टेशन हैं। इस रूट पर 2254 करोड़ रुपये की लागत प्रस्तावित है।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन दोनों रूट के बजट को लेकर केंद्र ने नए सिरे से जानकारी मांगी है। महत्वपूर्ण यह है कि इन दोनों रूट में केंद्र भी 20-20 प्रतिशत राशि अपनी तरफ से देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पति-पत्नी की फोन रिकॉर्डिंग को माना है वैध सबूत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को एक अहम फैसले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि बिना पत्नी की इजाजत के उसकी फोन बातचीत रिकॉर्ड करना गोपनीयता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है और इसे फैमिली कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता। लाइव एंड लॉ के मुताबिक, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने साफ किया कि पति-पत्नी के बीच की गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन बातचीत को तलाक की कार्यवाही में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।कोर्ट ने कहा कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 पति-पत्नी के बीच की बातचीत को बिना सहमति के उजागर करने से रोकती है, लेकिन उसमें एक अपवाद भी है।पीठ ने कहा, यह अपवाद उन मामलों में लागू होता है, जहां पति-पत्नी के बीच कानूनी कार्यवाही चल रही हो या एक पक्ष दूसरे के खिलाफ अपराध के मामले में मुकदमा लड़ रहा हो।कोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार के साथ जोड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस मामले में गोपनीयता का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। जस्टिस नागरथना ने स्पष्ट किया कि धारा 122 गोपनीयता के अधिकार को मान्यता नहीं देती, बल्कि यह पति-पत्नी के बीच की गोपनीयता में एक अपवाद की इजाजत देती है।

दिल्ली के तिलक नगर में डबल मर्डर से सनसनी, दो दोस्तों ने ली एक दूसरे की जान

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के तिलक नगर थाना क्षेत्र के ख्याला इलाके में रविवार देर रात डबल मर्डर का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो दोस्तों के बीच हुई चाकूबाजी में दोनों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात 10-11 बजे के बीच ख्याला थाना पुलिस को सूचना मिली कि ख्याला के बी ब्लॉक से दो लोगों को चाकू लगने के बाद दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल (डीडीयू) ले जाया गया है। पुलिसकर्मी तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां पता चला कि दो लोगों को चाकू लगने के बाद भर्ती कराया गया, लेकिन दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान संदीप और आरिफ के रूप में हुई है।

पुलिस की अब तक की शुरुआती जांच में पता चला है कि ख्याला के बी-ब्लॉक में रहने वाले दो दोस्त संदीप और आरिफ रविवार रात पार्क में बैठे हुए थे। इस दौरान उनके बीच किसी बात को लेकर

बहस शुरू हो गई, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। इसके बाद उन दोनों ने एक दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल हालत में दोनों को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आस-पड़ोस के लोगों से झगड़े के कारणों के बारे में जानकारी जुटा रही है। संदीप और आरिफ दोनों ही ख्याला बी ब्लॉक के रहने वाले थे। एक ही गली में दोनों अपने परिवारों के साथ रहते थे। दोनों शादी शुदा थे और दोनों के बच्चे भी हैं। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक आपस में गहरे दोस्त थे और उनका साथ में उठना-बैठना था। संदीप का प्रॉपर्टी का बिजनेस था। वह पहले ख्याला में जिम ट्रेनर भी रह चुका है। डीसीपी (वेस्ट) ने बताया कि पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर थाना क्षेत्र में डबल मर्डर की सूचना मिली थी। इस पर ख्याला थाना और तिलक नगर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं। शुरुआती जांच में पता चला कि एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर चाकू से हमला किया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान संदीप और आरिफ के रूप में हुई है। दोनों ख्याला बी ब्लॉक के निवासी थे। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल भेज दिया गया है।

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन, एजेंसी। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं। इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली। जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है।

दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की।

सॉफ्टबाल में शिमला और सिरमौर की दो बेटियां चीन में दिखाएंगी दम

शिमला/सांगला, एजेंसी। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

चीन के शियान में होने वाली एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप में जिला शिमला और सिरमौर की बेटियां हिस्सा लेंगी। कप 14 से 20 जुलाई तक होगा। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। छह दिनों तक चलने वाली चैंपियनशिप में 10 देशों की टीमों के बीच कड़े मुकाबले खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप खेलेंगी शीर्ष दो टीमें शीर्ष दो में स्थान पाने वाली टीमें साल 2026 में होने वाले वर्ल्ड कप वुमन सॉफ्टबाल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम की नजर न सिर्फ पदक पर बल्कि वर्ल्ड कप के टिकट पर भी टिकी हुई हैं।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

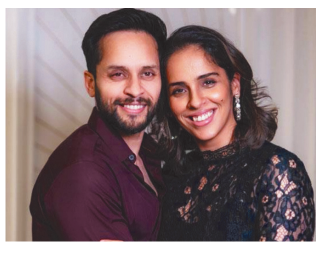

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं। साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है।

अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

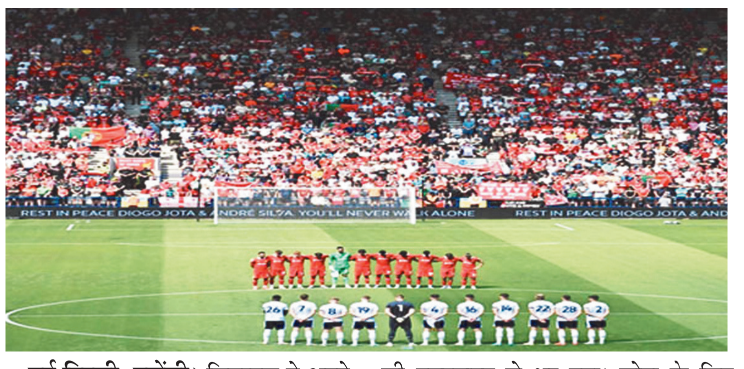

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था।

प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले यू विल नेवर वॉक अलोन का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

मैदान पर, रेड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो न्गुमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड ने रचा इतिहास, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत का बनाया रिकॉर्ड

जमैका, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने इतिहास रच दिया है। वह साल 1915 के बाद से 2000 गेंदें फेंकने वाले क्रिकेटर्स में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत वाले टेस्ट खिलाड़ी बन गए हैं। स्कॉट बोलैंड ने यह उपलब्धि सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में हासिल की, जहां उन्होंने 13.1 ओवरों में 34 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। बोलैंड का टेस्ट में गेंदबाजी औसत 17.33 का है, जो टेस्ट क्रिकेट के पिछले 110 वर्षों (कम से कम 2000 गेंदें) में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ है। 1900 के बाद से बोलैंड से आगे इस सूची में केवल इंग्लैंड के सिड बार्न्स ही हैं। इनके अलावा बोलैंड से ऊपर मौजूद अन्य छह गेंदबाज 1800 के दशक से हैं। जमैका में ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 225 रन पर ढेर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 46 रन की पारी खेली। मेजबान टीम की ओर से शमार जोसेफ ने सर्वाधिक चार विकेट झटके। इसके जवाब में, वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। टीम के लिए जॉन कैंपबेल ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। बोलैंड सर्वाधिक तीन विकेट चटकाने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज रहे। पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 99 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कैमरून ग्रीन नाबाद 42 रन बना चुके हैं। दिन की समाप्ति तक दूसरे छोर पर उनके साथ कप्तान पैट कमिंस (5) थे। मेहमान टीम के पास फिलहाल 181 रन की बढ़त है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही इस सीरीज पर 2-0 से अपना कब्जा कर चुका है। ऐसे में वेस्टइंडीज के पास इस मुकाबले को जीतकर सम्मान बचाने का मौका है।

मुंबई इंडियंस का वर्चस्व कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में मुंबई इंडियंस का झंडा दिन पर दिन बुलंद होता जा रहा है। 17 साल में वह 13 खिताब जीत चुकी है। अमेरिका की मेजर लीग में उसकी टीम एमआई न्यूयॉर्क ने रविवार (13 जुलाई) को वाशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराकर 2025 में 5 में से तीसरा खिताब अपने नाम किया।

इससे पहले एमआई केपटाउन ने एसए20 का खिताब जीता। वुमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस चैंपियन बनीं। आईएलटी20 में एमआई अमीरात और इंडियन प्रीमियर लीग मुंबई इंडियंस में प्लेऑफ तक पहुंचीं। एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग का दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले उसने 2023 में यह खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस की फ्रेंचाइजी 14 साल से फाइनल नहीं हारी है। 2011 में उसकी टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी।

लगातार 13वां फाइनल जीता:

सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस को हराकर चेन्नई सुपर किंग्स चैंपियन बनी थी। इसके बाद से वह 13 बार फाइनल खेली है और हर बार जीती है। आईपीएल वाली मुंबई इंडियंस की टीम 7 ट्रॉफी जीती है। आईपीएल का 5 बार और चैंपियंस लीग का दो बार खिताब जीता है। इसके अलावा डब्ल्यूपीएल और एमएलसी का 2-2 खिताब जीता है। आईएलटी और एसए 20 में का एक बार खिताब जीता है।

एमआई न्यूयॉर्क ने वाशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराया

एमएलसी 2025 के फाइनल की बात करें तो एमआई न्यूयॉर्क ने 5 रन से जीत दर्ज की। वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। क्विंटन डिकॉक के 77 रन की पारी के बदौलत एमआई न्यूयॉर्क ने 7 विकेट पर 180 रन बनाए। वाशिंगटन फ्रीडम रचिन रविंद्र की 70 रन की पारी के बाद भी 5 विकेट पर 175 रन ही बना पाई।

चेल्सी ने पीएसजी को हराकर फीफा क्लब विश्व कप जीता

न्यू जर्सी, एजेंसी। कोल पाल्मर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने सोमवार को पेरिस सेंट-जर्मेन पर 3-0 की शानदार जीत के साथ फीफा क्लब विश्व कप अपने नाम किया। मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस धमाकेदार फाइनल में, पाल्मर ने शुरुआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए। मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा।

इसके बाद 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। जोआओ पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। जोआओ पेड्रो के इस गोल ने चेल्सी की जीत को लगभग पक्का कर दिया था। पीएसजी की टीम इस पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं दाग सकी।

चेल्सी 17 गोल के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रही। यह मुकाबला करीब 81 हजार दर्शकों से भरे स्टेडियम में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया। ट्रंप ने विजेता टीम को ट्रॉफी दी। क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिली।चेल्सी ने दूसरी बार क्लब ट्रॉफी अपने नाम की है।

इससे पहले उसने साल 2021 में खिताब जीता था। पीएसजी की टीम इस खिताब को जीत नहीं सकी, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग कप डबल जीतना, उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही है। चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल के साथ दो असिस्ट भी किए। वहीं, चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला।

कबड्डी विश्वकप खेल सकती हैं हिमाचल की 5 से 6 बेटियां, अंतिम कोचिंग कैंप के लिए हुआ चयन

धर्मशाला, एजेंसी। कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

उम्मीद जताई जा रही है कि इनमें से पांच से छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। ये सभी खिलाड़ी फाइनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगी और अपने खेल के दम पर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। पहले विश्व कप जुलाई में होना प्रस्तावित था। इस बीच कुछ कारणों से अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रतियोगिता अब 3 से 10 अगस्त तक हैदराबाद में होगी। इससे पूर्व एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी पांच खिलाड़ियों पुष्पा, ज्योति, भावना, साक्षी और रितु नेगी ने भारतीय टीम की ओर से स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण धर्मशाला की कबड्डी खिलाड़ी पूजा ठाकुर ने बताया कि महिला कबड्डी विश्व कप के लिए आयोजित अंतिम कोचिंग कैंप में प्रदेश की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें से चार खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला में प्रशिक्षण ले रही हैं।

विंबलडन 2025: वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने महिला युगल खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। 8वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेनस ने विंबलडन 2025 के महिला युगल का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त सीह सु-वेई और जेलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया। पहला सेट हारने के बाद, कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स ने दृढ़ता दिखाई और दूसरे सेट में हसीह की सर्विस दो बार तोड़कर मैच बराबरी पर ले आईं। कुदेरमेतोवा के नेट प्ले और मर्टेन्स की बेसलाइन पर लगातार स्थिरता ने मैच का रुख उनके पक्ष में मोड़ना शुरू कर दिया।

तीसरे सेट में एक और मोड़ आया जब हसीह और ओस्टापेंको ने 4-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने वापसी की। कुदेरमेतोवा ने चैंपियनशिप पॉइंट पर वॉली विनर के साथ जीत पक्की की और अंततः डब्ल्यूटीए के अनुसार अपना पहला ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीता। यह जीत कुदेरमेतोवा के लिए विशेष महत्व रखती है, जो 2021 के विंबलडन फाइनल में बुरी तरह से हार गई थीं। इस बीच, उनकी जोड़ीदार मर्टेन्स ने अपना पांचवां प्रमुख युगल खिताब और विंबलडन में अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

FIFA Club World Cup:

ट्रंप ने चेल्सी की जीत के जश्न में डाला खलल! ट्रॉफी सौंपने के बाद पोडियम से हटे ही नहीं

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका), एजेंसी। ट्रंप ने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया।

कोल पामर के दो गोल और जोआओ पेड्रो के एक गोल की मदद से चेल्सी ने यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हरा कर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फीफा क्लब विश्व कप का फाइनल किसी फिल्म से कम नहीं रहा। इसमें रोमांच, ड्रामा, मारपीट..सब देखने को मिला। मैच के दौरान पीएसजी और चेल्सी के खिलाड़ी और स्टाफ आपस में भिड़ गए। वहीं, एक अप्रत्याशित चीज भी हुई। अमेरिका के ईस्ट रदरफोर्ड में हुए इस मैच को देखने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंचे थे। उन्होंने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया। मैच में क्या हुआ? ।मर ने 22वें और 30वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के अंदर से बाएं पैर से लगभग एक जैसे गोल किए। इसके बाद उन्होंने तीसरा गोल करने में भी मदद की। उनके पास पर जोआओ पेड्रो ने 43वें मिनट में गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को छकाकर गोल किया जो दो जुलाई को चेल्सी से जुड़ने के बाद इंग्लैंड के इस क्लब की तरफ से उनका तीसरा गोल रहा। दो साल पहले मैनचेस्टर सिटी से चेल्सी में शामिल हुए 23 वर्षीय पामर ने इस सत्र में 18 गोल किए। पीएसजी ने अपनी तरफ से वापसी के हर संभव प्रयास किए, लेकिन चेल्सी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली।